THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 163 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन कृ.1 2082 सोमवार, 8 सितंबर-2025

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर ✼ पृष्ठ : 14 मूल्य : 8 रुपये

खड़गे आज देंगे रात्रि भोज

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान से एक दिन पहले, सोमवार शाम को संसद भवन के एनेक्सी में इंडिया ब्लॉक के सांसदों के लिए रात्रिभोज का आयोजन करेंगे। यह बैठक विपक्ष की एकता और उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के समर्थन को मजबूत करने के लिए है, जिन्हें ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी का भी समर्थन प्राप्त है। ओवैसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने आज मुझसे बात की और अनुरोध किया कि हम उपराष्ट्रपति के रूप में न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करें।

ट्रंप के दांव से भारत की अर्थव्यवस्था पटरी पर

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां। देश उत्पादक देशों ने बड़ा फैसला लिया है। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था को जबरदस्त फायदा होगा। ओपेक+ देश तेल उत्पादन बढ़ाने वाले हैं। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप लगातार इसके लिए दबाव बनाए हुए हैं। हालांकि ग्लोबल मांग में कमी के कारण अक्टूबर से उत्पादन में बढ़ोतरी की रफ्तार धीमी हो सकती है। ओपेक सूत्रों के अनुसार, समूह पहले ही अप्रैल से उत्पादन में कटौती की रणनीति को बदल चुका है। समूह लगभग 25 लाख बैरल प्रति दिन (बीपीडी) उत्पादन बढ़ा चुका है। यह ग्लोबल डिमांड का लगभग 2.47 है। डोनाल्ड ट्रंप के तेल की कीमतें कम करने के दबाव के बीच ओपेक+ बाजार हिस्सेदारी बढ़ा रहा है। लेकिन, अब तक इस बढ़ोतरी से तेल की कीमतों पर कोई खास असर नहीं पड़ा है। पश्चिमी देशों के रूस और ईरान पर प्रतिबंधों के कारण कीमतें लगभग 66 डॉलर प्रति बैरल के आसपास बनी हुई हैं।

ओपेक+ (ऑर्गेनाइजेशन ऑफ द पेट्रोलियम एक्सपोर्टिंग कंट्रीज प्लस) एक समूह है जिसमें ओपेक के सदस्य देश और गैर-ओपक तेल उत्पादक देश शामिल हैं।

यह समूह ग्लोबल ऑयल मार्केट में स्थिरता बनाए रखने के लिए एक साथ काम करता है।

भारत को होगा सीधा फायदा

भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल आयतक देशों में से एक है। ओपेक+ देशों की ओर से उत्पादन बढ़ाने का फैसला भारत के लिए बेहद अहम है। अगर तेल उत्पादन बढ़ता है तो वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरेंगी। इससे भारत में पेट्रोल, डीजल और रसोई गैस के दाम कम होने के आसार हैं। यह आम लोगों को महंगाई से राहत देगा। कीमतों में यह कमी भारतीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती देगी। कारण है कि तेल का आयात बिल कम होगा। डॉलर के मुकाबले रुपये पर दबाव घटेगा। ऐसे में ओपेक+ का हर फैसला भारत की अर्थव्यवस्था और आम जनता की जेब पर सीधा असर डालता है।

अक्टूबर से उत्पादन में बढ़ोतरी

ओपेक+ अक्टूबर से उत्पादन में और बढ़ोतरी करेगा। इससे अप्रैल के बाद पहली कटौती को पूरी तरह से खत्म करने के बाद 16.5 लाख बीपीडी की दूसरी कटौती को तय समय से एक साल पहले ही समाप्त किया जा सकेगा। फिलहाल, बातचीत 16.5 लाख बीपीडी की कटौती को धीरे-धीरे मासिक किश्तों में खत्म करने पर केंद्रित है। सूत्रों के अनुसार, समूह अक्टूबर से कम से कम 135,000 बीपीडी उत्पादन बढ़ाने पर सैद्धांतिक रूप से सहमत हो गया है। एक तीसरे सूत्र ने कहा कि यह बढ़ोतरी 200,000 से 350,000 बीपीडी के बीच हो सकती है।

अगस्त में अपनी पिछली बैठक में ओपेक+ ने सितंबर के लिए उत्पादन में 547,000 बीपीडी की बढ़ोतरी की थी। ओपेक+ में रूस भी शामिल है। भारत बड़ी मात्रा में रूसी तेल खरीदता है। इसके कारण अमेरिका ने उस पर भारी भरकम टैरिफ भी लगाए हैं। ब्रेंट क्रूड वायदा शुक्रवार को 2.27 गिरकर 65.50 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ था। इसकी वजह अमेरिका में नौकरियों की कमजोर रिपोर्ट और ओपेक+ की ओर से उत्पादन में बढ़ोतरी की उम्मीद थी। हालांकि, यह अभी भी अप्रैल में देखे गए 58 डॉलर के निचले स्तर से ऊपर है।

ओपेक+ की उत्पादन में बढ़ोतरी घोषित मात्रा से कम रही है। ज्यादातर सदस्य अपनी पूरी क्षमता के करीब उत्पादन कर रहे हैं। नतीजतन, केवल सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात ही बाजार में अधिक तेल डाल सकते हैं। ओपेक ने अभी भी दो स्तरों की कटौती लागू कर रखी है।

जापान के प्रधानमंत्री का इस्तीफा

पार्टी टूटने से बचाने के लिए पद छोड़ा

बहुमत खोने के बाद इशिबा को हटाने की मांग हुई थी

टोक्यो, 7 सितंबर (एजेंसियां)। जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने रविवार को इस्तीफा दे दिया है। इशिबा ने यह कदम सत्तारूढ़ लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) के भीतर विभाजन से बचने के लिए उठाया है। जापानी मीडिया एनएचके ने यह खबर दी है।

इशिबा की गठबंधन सरकार जुलाई में हुए ऊपरी सदन (हाउस ऑफ काउंसलर्स) के चुनाव में हार गई थी। इशिबा ने इसके लिए हाल ही में माफी मांगी थी और कहा था कि वह इस्तीफा देने के बारे में निर्णय लेंगे। चुनावी हार के बाद एलडीपी के भीतर 'इशिबा को हटाओ' आंदोलन तेज हो गया था। पार्टी के कुछ नेताओं और सांसदों ने उनके नेतृत्व पर सवाल उठाए, जिससे उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी।

इशिबा की पार्टी ऊपरी सदन में बुरी तरह हारी थी :

इशिबा की लिबरल डेमोक्रेटिक पार्टी (एलडीपी) और उसके सहयोगी दल ने जुलाई में हुए चुनावों में देश के ऊपरी सदन में अपना बहुमत खो दिया था। हालांकि उस समय उन्होंने कहा था कि वो प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा नहीं देंगे।

जापानी संसद के उच्च सदन में कुल 248 सीटें हैं। इशिबा के गठबंधन के पास पहले से 75 सीटें थीं। बहुमत बनाए रखने के लिए उन्हें इस चुनाव में कम से कम 50 नई सीटों की जरूरत थी, लेकिन उन्हें केवल 47 सीटें ही मिल पाईं। इनमें से एलडीपी को 39 सीटें मिली थीं।

यह हार पीएम इशिबा के लिए दूसरी बड़ी राजनीतिक असफलता थी। इससे पहले अक्टूबर में निचले सदन का चुनाव हारने के बाद अब यह गठबंधन दोनों सदनों में अल्पमत में चला गया था। यह पहला मौका था जब गठबंधन ने दोनों सदनों में बहुमत खो दिया है। एलडीपी की स्थापना 1955 में हुई थी।

संसद में बहुमत नहीं, फिर भी इशिबा प्रधानमंत्री बने थे :

जापान में अक्टूबर 2024 में हुए चुनाव में एलडीपी-कोमेतो गठबंधन को 465 में से सिर्फ 215 सीटें मिली थीं। यहां बहुमत के लिए 233 सीटें चाहिए। एलडीपी सबसे बड़ी पार्टी रही। कोई दूसरा गठबंधन सरकार बनाने की स्थिति में नहीं था। मुख्य विपक्षी दल सीडीपीजे को 148 सीटें मिलीं। बाकी विपक्षी पार्टियां आपस में बंटी हुई हैं। विपक्ष नो-कॉन्फिडेंस मोशन लाना चाहता था, लेकिन इशिबा ने चेतावनी दी कि ऐसा हुआ तो वे संसद भंग करके दोबारा चुनाव कराएंगे। जिससे विपक्ष पीछे हट गया।

अब इशिबा डीपीपी जैसे छोटे दलों से मुद्दों पर समर्थन लेकर बिल पास करवा रहे हैं। बजट, सब्सिडी और टैक्स सुधार जैसे मामलों में वे विपक्ष के कुछ नेताओं को अपने पक्ष में कर पाए हैं। यानी कि पीएम को सरकार चलाने के लिए अब विपक्ष के समर्थन की जरूरत पड़ रही है और यही सबसे बड़ा संकट है।

अमेरिकी टैरिफ से जनता नाराज थी

यह चुनाव उस वक्त हुआ जब जापान में महंगाई बढ़ी और अमेरिका के टैरिफ को लेकर लोगों में चिंता थी। बीबीसी के मुताबिक इन मुद्दों को लेकर सत्तारूढ़ गठबंधन के खिलाफ नाराजगी देखी गई। चुनाव में हार के बावजूद प्रधानमंत्री इशिबा ने साफ कहा कि वह देश के लिए काम करते रहेंगे और अमेरिका के टैरिफ जैसे मुद्दों से निपटने की कोशिश करेंगे। हालांकि पिछले तीन प्रधानमंत्रियों ने जब उच्च सदन में बहुमत खोया था, तो उन्होंने दो महीनों के भीतर इस्तीफा दे दिया था। ऐसे में इशिबा पर भी दबाव बढ़ा।

इशिबा ने अमेरिका के साथ डील कर टैरिफ कम कराया :

इशिबा ने इसी महीने अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया, जिसमें जापानी ऑटोमोबाइल पर लगने वाले टैरिफ को 25 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया। इस समझौते को निवेशकों ने जापान की ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री के लिए फायदेमंद माना गया। हालांकि इस समझौते के बावजूद इशिबा की राजनीतिक स्थिति मजबूत नहीं हो सकी।

चुनाव आयोग पूरे देश में वोटर वेरिफिकेशन करेगा

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। चुनाव आयोग (ईसीआई) पूरे देश में स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन यानी एसआईआर (सामान्य शब्दों में वोटर लिस्ट वेरिफिकेशन) करने की तैयारी में है। इसको लेकर दिल्ली में 10 सितंबर को बैठक होगी।

न्यूज एजेंसी ने अधिकारियों के हवाले से बताया कि बैठक में सभी राज्यों के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) शामिल होंगे। इसमें देशभर में एसआईआर कराने को लेकर रणनीति पर चर्चा होगी। यह मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के फरवरी में पद संभालने के बाद तीसरी बैठक होगी।

चुनाव आयोग ने कहा है कि बिहार के बाद वोटर लिस्ट जांच की प्रक्रिया पूरे देश में लागू की जाएगी। साल के आखिरी में इसकी शुरूआत हो जाएगी, ताकि 2026 में असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव से पहले वोटर लिस्ट को अपडेट किया जा सके।

चुनाव आयोग के अनुसार, एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूची को अपडेट करना और अवैध मतदाताओं जैसे विदेशी नागरिकों, मृत व्यक्तियों या स्थानांतरित लोगों को हटाना है। इस बीच कई राज्यों में बांग्लादेश और म्यांमार से आए प्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई चल रही है।

बूथ लेवल ऑफिसर (बीएलओ) घर-घर, एक प्री-फील्ड फॉर्म गणना प्रपत्र (मतदाता की जानकारी और दस्तावेज) लेकर जाएंगे।

कोई भी व्यक्ति चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जाकर यह फॉर्म डाउनलोड करके उसे भर सकता है।

वोटर का नाम अगर 2003 की लिस्ट में है तो कोई दस्तावेज नहीं देना होगा। सिर्फ फॉर्म भरना होगा।

1 जुलाई 1987 से पहले जन्म हुआ है तो जन्मतिथि या जन्मस्थान प्रमाण देना होगा।

1 जुलाई 1987 से 2 दिसंबर 2004 के बीच जन्म हुआ तो जन्मतिथि और जन्मस्थान दोनों का प्रमाण देना होगा।

चुनाव आयोग के फैसले के खिलाफ आज सुप्रीम कोर्ट में अहम सुनवाई

राजनीतिक दलों ने दायर की हैं याचिकाएं

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट सोमवार को उन याचिकाओं पर सुनवाई करेगा, जिनमें चुनाव आयोग द्वारा 24 जून को चुनावी राज्य बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के फैसले को चुनौती दी गई है। इन याचिकाओं में राजनीतिक दलों की याचिकाएं भी शामिल हैं।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की पीठ इस मामले में सुनवाई करेगी। इसमें राजद, एआईएमआईएम और अन्य याचिकाकर्ताओं ने चुनाव आयोग के उस नोट पर जवाब दाखिल किया है, जिसमें आयोग ने कहा था कि बिहार की 7.24 करोड़ मतदाता सूची में से 99.5 प्रतिशत मतदाताओं ने अपनी पात्रता से जुड़े दस्तावेज जमा कर दिए हैं।

22 अगस्त को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग को निर्देश दिया था कि ड्राफ्ट वोटर लिस्ट से बाहर हुए मतदाता ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों तरीकों से अपने दावे और आपत्तियां दाखिल करा सकेंगे। इसके बाद भी कई राजनीतिक दलों ने समय सीमा बढ़ाने की मांग की थी।

1 सितंबर की सुनवाई में चुनाव आयोग ने अदालत को बताया था कि दावे, आपत्तियां और सुधार 1 सितंबर के बाद भी दाखिल किए जा सकते हैं, लेकिन इन पर विचार केवल अंतिम मतदाता सूची तैयार होने के बाद ही होगा। आयोग ने कहा था कि अंतिम नामांकन तिथि तक दावे और आपत्तियां दाखिल की जा सकती हैं।

शीर्ष अदालत ने बिहार एसआईआर को लेकर व्याप्त भ्रम को 'मुख्यतः विश्वास का मामला' बताया और राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण को निर्देश दिया कि वह 1 अगस्त को प्रकाशित मसौदा मतदाता सूची पर दावे और आपत्तियां दर्ज कराने में व्यक्तिगत मतदाताओं और राजनीतिक दलों की सहायता के लिए अर्ध-कानूनी स्वयंसेवकों को तैनात करे। चुनाव आयोग ने अपने 24 जून के शेड्यूल में दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तिथि 1 सितंबर तय की थी और कहा था कि अंतिम मतदाता सूची 30 सितंबर को प्रकाशित होगी।

शीर्ष अदालत ने राजनीतिक दलों से चुनाव आयोग के नोट के जवाब में अपने जवाब दाखिल करने को कहा था। शीर्ष अदालत ने कहा था कि पैरालीगल स्वयंसेवक संबंधित जिला न्यायाधीशों को एक गोपनीय रिपोर्ट प्रस्तुत करेंगे और राज्य के एकत्रित आंकड़ों पर 8 सितंबर को विचार किया जाएगा।

'कानून का शासन लागू करना न्यायालयों का कर्तव्य'

जस्टिस नागरत्ना बोलीं- इसे बिना किसी भय के लागू करें

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की जज जस्टिस बीवी नागरत्ना ने कहा कि यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित रखना है, तो अदालतों का कर्तव्य है कि वे इसे बिना किसी भय या पक्षपात के लागू करें। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के 12वें दीक्षांत समारोह में न्यायमूर्ति नागरत्ना ने इस बात पर जोर दिया के कानून केवल नियमों के बारे में नहीं है, बल्कि यह सुनिश्चित करने के संबंध में है कि हर व्यक्ति धन, स्थिति, जाति, लिंग या आस्था की परवाह किए बिना कानून के समक्ष एक समान विषय के रूप में माना जाए।

जस्टिस नागरत्ना ने कहा कि कानूनी पेशा बदलाव का एक माध्यम है। विशेष रूप से भारतीय समाज में जहां गहरी असमानताएं बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में, जहां कानून का शासन उसका सार है, उसे संरक्षित और लागू किया जाना चाहिए, विशेष रूप से न्यायालयों द्वारा। यदि कानून के शासन को लोकतंत्र के सार के रूप में संरक्षित किया जाना है, तो न्यायालयों का यह कर्तव्य है कि वे उसे बिना किसी भय या पक्षपात, स्नेह या द्वेष के लागू करें।

उन्होंने कहा कि कानून का शासन सुशासन की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषताओं में से एक है, क्योंकि भारत में एक स्वतंत्र न्यायपालिका है, जो अन्य बातों के अलावा, एक स्वतंत्र बार के समर्थन और सहायता के कारण कायम है।

न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा कि संविधान को उसकी पूरी उदारता के साथ लागू करने की जिम्मेदारी केवल सत्ता के गलियारों में बैठे लोगों की ही नहीं है, बल्कि यह जिम्मेदारी हर वकील की है, जिसे संविधान का समर्थक होना चाहिए।

हिमाचल में अब तक 350+ लोगों की मौत

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां। हिमाचल प्रदेश में इस मानसून सीजन (24 जुलाई से लेकर 7 अगस्त) तक बारिश-बाढ़, लैंडस्लाइड से जुड़ी घटनाओं में 366 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य सरकार को 4 लाख करोड़ की संपत्ति का नुकसान भी हुआ है। शिमला में 1167 और कुल्लू में 1137 बारिश हुई, जो सामान्य से दोगुनी है।

पंजाब के सभी 23 जिले अभी भी बाढ़ से प्रभावित हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में अगले 3 दिन बारिश का अलर्ट नहीं है, लेकिन लुधियाना का ससराली बांध टूटने का खतरा बना हुआ है। पीएम मोदी 9 सितंबर को बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा करेंगे।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले के नौगांव में शनिवार शाम को बादल फटा। बाजार और कई घरों में पानी-मलबा घुस गया। सड़क पर खड़ी कई गाड़ियां भी बह गईं। उत्तर प्रदेश के मथुरा में यमुना नदी शहर से 1 किमी दूर तक पहुंच गई है। घाट किनारे के आश्रमों में 5 फीट तक पानी भरा है। वृंदावन परिक्रमा मार्ग पानी में डूबा है।

पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना जेल में बने लाइब्रेरी क्लर्क, हर दिन मिलेंगे 522रु

बेंगलूरू, 7 सितंबर (एजेंसियां)। दुष्कर्म मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे हासन के पूर्व सांसद प्रज्वल रेवन्ना को बेंगलूरू की परप्पना अग्रहारा जेल में एक बड़ी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

रेवन्ना को जेल में लाइब्रेरी क्लर्क की जिम्मेदारी सौंपी गई है। जेल अधिकारियों के मुताबिक, उनका काम अन्य कैदियों को किताबें जारी करना और उधार ली गई किताबों का रिकॉर्ड रखना है। नियमों के अनुसार, उम्रकैद की सजा काट रहे कैदियों को कुछ न कुछ काम करना होता है, जो उनकी रुचि और क्षमता के अनुसार दिया जाता है।

कितनी होगी प्रज्वल की तनख्वाह :

बता दें कि प्रज्वल को हर दिन के काम के लिए 522 रुपये दिए जाएंगे, बशर्ते वे तय जिम्मेदारियां पूरी करें। अधिकारियों ने बताया कि उन्होंने प्रशासनिक कार्यों में रुचि दिखाई थी, लेकिन जेल प्रशासन ने उन्हें लाइब्रेरी में तैनात करने का फैसला किया। इसके साथ ही अधिकारियों ने आगे बताया

कि उन्होंने यह काम एक दिन कर भी लिया है। आमतौर पर कैदियों को महीने में कम से कम 12 दिन, यानी हफ्ते में तीन दिन काम करना होता है। हालांकि, प्रज्वल रेवन्ना की कोर्ट में पेशियों और वकीलों से मुलाकात के चलते फिलहाल उनका काम का शेड्यूल सीमित है।

गौरतलब है कि प्रज्वल रेवन्ना पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा के पोते और जेडीएस नेता व होलेनरसीपुरा से विधायक एचडी रेवन्ना के बेटे हैं। हाल ही में एक रेप मामले में ट्रायल कोर्ट ने उन्हें उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

तृणमूल विधायक के बिगड़े बोल

भाजपा विधायक पर तेजाब डालने की दी धमकी

भाजपा बोली- टीएमसी की संस्कृति उजागर

कोलकाता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के मालदा जिले में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के जिला अध्यक्ष और विधायक अब्दुर रहीम बख्शी का विवादित बयान सामने आया है। अब्दुर रहीम बख्शी ने भाजपा विधायक शंकर घोष को सीधे नाम लिए बिना धमकी दी कि अगर उन्होंने बंगाल के प्रवासी मजदूरों को रोहिंग्या या बांग्लादेशी कहा, तो वह उनके मुंह पर तेजाब डाल देंगे। उनका यह बयान शनिवार शाम को मालदा में हुई एक सभा में आया। यह सभा बंगाली प्रवासी मजदूरों के खिलाफ कथित अत्याचारों के विरोध में आयोजित की गई थी।

भाजपा के सामाजिक बहिष्कार की अपील की :

टीएमसी विधायक ने अपने बयान में कहा- जो यह कहेगा कि बंगाल के 30 लाख प्रवासी मजदूर रोहिंग्या या बांग्लादेशी हैं, मैं उसकी आवाज को तेजाब से जला दूंगा। यह पश्चिम बंगाल है, यहां हम बंगालियों को बोलने का अधिकार छीनने नहीं देंगे। उन्होंने लोगों से अपील की कि भाजपा के झंडे फाड़ दें और पार्टी का सामाजिक बहिष्कार करें।

तृणमूल कांग्रेस पर का पलटवार :

वहीं अब्दुर रहीम बख्शी के बयान पर भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया दी। मालदा उत्तर से भाजपा सांसद खगेन मुर्मू ने कहा, यह तृणमूल कांग्रेस की संस्कृति है। उनका काम सिर्फ लोगों को डराना है। चुनाव से पहले उनकी यह बौखलाहट साफ दिख रही है। भाजपा ने इस मामले को लेकर मालदा में विरोध प्रदर्शन भी किया और आरोप लगाया कि पुलिस झूठे केस दर्ज कर भाजपा कार्यकर्ताओं को परेशान कर रही है।

इंडिया गठबंधन का आज होगा मॉक पोल

लखनऊ, 7 सितंबर (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन की तरफ से उपराष्ट्रपति पद के चुनाव को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। इसी क्रम में सोमवार 8 सितंबर को गठबंधन द्वारा एक मॉक पोल का आयोजन किया जाएगा जो दोपहर 2:30 बजे संसद भवन के सेंट्रल हॉल में होगा। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इस संबंध में अपनी पार्टी के सभी सांसदों को संदेश भेजा है। संदेश में सांसदों को मॉक पोल में अनिवार्य रूप से मौजूद रहने का निर्देश दिया गया है। इसके साथ ही 9 सितंबर को होने वाली उपराष्ट्रपति चुनाव की वोटिंग में भी सभी सांसदों की उपस्थिति अनिवार्य बताई गई है। उपराष्ट्रपति चुनाव से ठीक एक दिन पहले यानी कि 8 सितंबर को इंडिया गठबंधन के सांसदों की एक अहम बैठक दिल्ली में आयोजित की जाएगी। इस बैठक में सांसदों को वोटिंग प्रक्रिया की पूरी जानकारी दी जाएगी।

खड़गे का सवाल- क्या चुनाव आयोग भाजपा का ऑफिस बना

वोटर फ्रॉड की जानकारी रोकी; कर्नाटक की अलंद सीट पर गड़बड़ी का मामला

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने रविवार को सवाल किया कि क्या चुनाव आयोग अब भाजपा का बैक ऑफिस बन गया है? खड़गे ने आरोप लगाया कि ईसी ने अब वोटर फ्रॉड मामले से जुड़ी जानकारी देना भी बंद कर दिया है। खड़गे ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा- मई 2023 विधानसभा चुनाव से पहले अलंद विधानसभा क्षेत्र में बड़ी संख्या में मतदाता सूची से नाम हटाए गए थे। इसको लेकर जांच की जा रही है। चुनाव आयोग ने शुरुआत में कुछ दस्तावेज जरूर दिए, लेकिन अब अहम सबूत देने से इनकार कर रहा है, जिससे असली गुनहगारों को बचाया जा सके।

इधर, चुनाव आयोग ने अब तक खड़गे के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। हालांकि पहले ईसी कांग्रेस के वोट चोरी के दावों को बेबुनियाद करार दे चुका है। खड़गे ने X पर लिखा कि मई 2023 विधानसभा चुनाव से पहले अलंद विधानसभा क्षेत्र में जांच एजेंसियों ने 5,994 फर्जी आवेदन पकड़े थे, जो बड़े स्तर पर वोटरों को हटाने की कोशिश का सबूत था।

इसको लेकर कांग्रेस सरकार ने सीआईडी जांच के आदेश दिए। जांच की शुरुआत में ईसी ने सबूत दिए, लेकिन अब भाजपा के दबाव में आकर जानकारी साझा नहीं कर रही है।

अखिलेश के बाद सिद्धारमैया का कटा चालान

बेंगलुरू, 7 सितंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के वाहन ने इस साल 7 बार ट्रैफिक नियमों का उल्लंघन किया है। इसको लेकर उनके खिलाफ मामले भी दर्ज किए गए हैं। इनमें ज्यादातर सीट बेल्ट न पहनने के कारण आए हैं। इसके लिए सिद्धारमैया 2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। बेंगलुरू के इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) कैमरों ने इन उल्लंघनों को रिकॉर्ड किया है। खास बात ये है कि सभी चालान पिछले 9 महीने के हैं। मुख्यमंत्री पर कुल 2500 रुपये का जुर्माना लगाया गया था, जिसे मुख्यमंत्री ने अदा कर दिया है। यह घटना राज्य सरकार की तरफ से हाल ही में लंबित यातायात जुर्माने पर 50 प्रतिशत छूट देने के बाद सामने आई है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की कार ने 7 बार नियमों का उल्लंघन किया है।

'वास्तविक वृद्धि लक्ष्य पूरा होगा जीडीपी में थोड़ी गिरावट संभव'

विकास दर को लेकर सरकार का आकलन

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार वी. अनंत नागेश्वरन ने कहा है कि चालू वित्त वर्ष में महंगाई कम रहने की उम्मीद के चलते बजट में अनुमानित 10.1 प्रतिशत नॉमिनल जीडीपी वृद्धि से थोड़ी गिरावट हो सकती है। हालांकि, उन्होंने भरोसा जताया कि वास्तविक जीडीपी का लक्ष्य 6.3 प्रतिशत से 6.8 प्रतिशत के बीच जरूर पूरा होगा। इस दौरान नॉमिनल जीडीपी और वास्तविक जीडीपी में अंतर पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि नॉमिनल जीडीपी में महंगाई का प्रभाव शामिल होता है, जिससे कीमतें बढ़ने पर जीडीपी अधिक दिखाई देती है। वहीं, वास्तविक जीडीपी महंगाई को समायोजित करके तैयार की जाती है, जिससे अर्थव्यवस्था की असल स्थिति सामने आती है।

देश में महंगाई कम होने की संभाना :

नागेश्वरन ने आगे जीडीपी के नए दरों से देश में महंगाई कम होने की संभावनाओं पर जोर दिया। इसका कारण बताते हुए उन्होंने कहा कि इससे महंगाई दर कम होगी क्योंकि खरीफ फसल अच्छी रहने की उम्मीद है और जीएसटी परिषद ने हाल ही में 400 से अधिक वस्तुओं पर टैक्स घटाया है, जिससे कीमतें नीचे आएंगी।

नायर अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली, मच गया हड़कंप

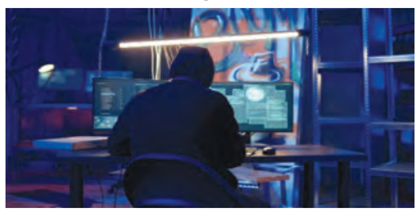

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मुंबई के नायर अस्पताल को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। अचानक मिली धमकी का मामला सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। प्राथमिक रूप से मिली जानकारी के मुताबिक, धमकी भरा मेल सीधे नायर अस्पताल के डीन के ईमेल आईडी पर रात करीब 11 बजे आया। मेल के बारे में जानकारी मिलने के बाद अस्पताल ने पुलिस को सूचित किया, जिसके बाद अस्पताल की जांच की गई लेकिन कोई भी संदिग्ध वस्तु वहां पर नजर नहीं आई। फिलहाल इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है और मेल भेजने वाले शख्स की तलाश कर रही है।

मुंबई के इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर जुलाई महीने में बम की धमकी मिली थी। इसके बाद एयरपोर्ट की सुरक्षा में मौजूद सुरक्षाकर्मी अलर्ट मोड में आ गए थे और पूरे परिसर में तलाशी अभियान चलाया गया था। इस मामले के सामने आने के बाद मौके पर हड़कंप मच गया था। हालांकि बाद में तलाशी के दौरान कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला था। लोगों का कहना है कि ऐसे मामलों में फर्जी कॉल या मेल करने वाले लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। वह जवानों का समय तो बर्बाद करते ही हैं, बल्कि उनके हौसले पर भी चोट करते हैं। देखना ये होगा कि आज नायर अस्पताल को जो धमकी मिली है, वह असली है या फर्जी है।

मदरसे में नाबालिग से सीनियरों ने किया कुकर्म

फिर हत्या के बाद टैंक में फेंका शव पुलिस ने 5 को पकड़ा

भुवनेश्वर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। ओडिशा के नयागढ़ इलाके से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक मदरसे में सीनियर छात्रों ने एक नाबालिग छात्र का लंबे समय तक यौन शोषण किया। इसके बाद उसकी हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने पांच नाबालिग छात्रों को पकड़ा है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित कटक जिले का रहने वाला था और नीलापल्ली स्थित एक मदरसे में पढ़ता था। उसके पिता की शिकायत के अनुसार, मदरसा परिसर में एक खाली पड़े बाथरूम में उसकी हत्या कर दी गई और उसके शव को एक बेकार पड़े सेप्टिक टैंक में फेंक दिया गया था। पुलिस ने बताया कि पीड़ित पर एक सीनियर छात्र ने कई बार हमला किया था।

31 अगस्त को दोपहर करीब 1 बजे दो छात्रों ने उस पर एक और हमला किया और उसे मरा हुआ समझकर सेप्टिक टैंक में छोड़ दिया। हालांकि उस समय लड़का किसी तरह से बच निकला। इसके बाद उसे बचाने के बहाने दो छात्र उसे फिर से उस जगह ले आए। कथित तौर पर, उन्होंने तीन अन्य छात्रों के साथ मिलकर उस पर हमला किया, उसका गला घोंट दिया और शव को वहीं पर खराब पड़े सेप्टिक टैंक में फेंक दिया।

महिला ने तीन साल की भांजी का गला घोंटा, फिर खुद भी कर लिया सुसाइड

ठाणे, 7 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां मानसिक रूप से अस्वस्थ्य एक महिला ने अपनी ही तीन साल की भांजी की कथित तौर पर हत्या कर दी। इसके बाद उसने खुद भी सुसाइड कर लिया। पुलिस ने रविवार को घटना के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि घटना शुक्रवार-शनिवार की दरमियानी रात को हुई। दरअसल, पूरा मामला शिवाजी नगर पुलिस थाना क्षेत्र का है। यहां के एक अधिकारी ने बताया कि अंबरनाथ कस्बे की रहने वाली 26 वर्षीय महिला अपने आठ वर्षीय भांजे की मौत के बाद अवसाद में थी। अधिकारी ने बताया कि उसने अपनी बहन की बेटी की कथित तौर पर गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद महिला ने अपराधबोध से ग्रस्त होकर बहन के घर में फंदे से लटक कर खुद भी सुसाइड कर लिया।

पुलिस ने बताया कि शनिवार सुबह घटना की सूचना मिली, जिसके बाद पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंच गई। जानकारी मिलने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। फिलहाल पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेजा है। अधिकारी ने बताया कि महिला कुछ समय पहले अपनी बहन के बेटे की बीमारी से हुई मौत से बहुत आहत थी। पुलिस ने बताया कि मामला दर्ज कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

हाथ में इस्लामिक झंडा जुबान पर 'नारा ए तकबीर'

छतरपुर/भोपाल, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में ईद मिलादुन्नबी के मौके पर निकाले गए जुलूस में हुई एक घटना ने पुलिस महकमे में हड़कंप मचा दिया। बीते शुक्रवार को निकाले गए इस जुलूस में मुस्लिम समाज के हजारों लोग शामिल हुए। सुरक्षा के लिहाज से इस जुलूस में कई पुलिसकर्मी भी शामिल हुए। एसडीओपी नवीन दुबे और छतरपुर ट्रैफिक प्रभारी बृहस्पति साकेत भी इनमें नजर आए। लेकिन, हैरानी बात यह रही कि डाकखाना चौराहे पर ये दोनों अधिकारी घोड़े पर सवार होकर हाथों में इस्लामिक झंडे लिए हुए दिखाई दिए। अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

भाजपा की कार्यशाला के दौरान अंतिम पंक्ति में दिखे पीएम मोदी

जीएसटी सुधारों के लिए किया गया सम्मानित

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। उपराष्ट्रपति चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देने में जुट गई है। इस बीच नई दिल्ली में भाजपा सांसदों की दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन संसद परिसर में किया गया। इस कार्यशाला में भाजपा सांसदों को उपराष्ट्रपति चुनाव के संदर्भ में जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आम कार्यकर्ता की तरह सबसे पीछे की सीट पर बैठे दिखाई दिए। कार्यशाला के दौरान जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री मोदी का अभिवादन किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। गोरखपुर

से भाजपा सांसद रवि किशन ने 'एक्स' पर पीएम मोदी की एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें प्रधानमंत्री सबसे अंतिम पंक्ति में बैठे हुए दिखाई दे रहे हैं। रवि किशन ने लिखा, 'एनडीए सांसदों की कार्यशाला में आखिरी पंक्ति में बैठे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, ये शक्ति है भाजपा की, यहां हर कोई कार्यकर्ता है यहां संगठन में'। सूत्रों के मुताबिक, भाजपा की कार्यशाला में पीयूष गोयल ने जीएसटी सुधार से जुड़ा धन्यवाद प्रस्ताव पेश किया। इसके बाद सांसदों ने जीएसटी सुधारों के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया। सांसदों ने जीएसटी सुधारों के लिए प्रधानमंत्री का आभार भी व्यक्त किया। दरअसल, जीएसटी में हुए सुधार से लोगों पर कर का बोझ कम होगा और अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा। भाजपा और उसके सहयोगी दलों को उम्मीद है कि इस कदम से उन्हें नवंबर में होने वाले बिहार चुनावों में बढ़त मिलेगी।

सांसदों की कार्यकुशलता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा

दो दिनों तक चलने वाली यह कार्यशाला में कई सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इन सत्रों में पार्टी के इतिहास और विकास पर चर्चा के साथ सांसदों के लिए कार्यकुशलता बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा होगी।

प्रस्तावित राजग सांसदों का रात्रिभोज रद्द

पंजाब और देश के अन्य इलाकों में बाढ़ से तबाही को देखते हुए 8 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आधिकारिक आवास पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) सांसदों के लिए आयोजित होने वाले रात्रिभोज रद्द कर दिया गया। इससे पहले भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा की तरफ से सांसदों को शनिवार को दिया जाने वाला रात्रिभोज रद्द कर दिया गया था।

उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले होना था रात्रिभोज

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री आवास पर राजग सांसदों का रात्रिभोज उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले होना था। पीएम मोदी की बाढ प्रभावित राज्यों की स्थिति पर समीक्षा बैठक और बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों के दौरे की वजह से रात्रिभोज रद्द करना पड़ा। गौरतलब है कि दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, गुजरात समेत कई राज्यों में बाढ़ के कारण काफी नुकसान हुआ है।

दुकानों के साइनबोर्ड पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल जरूरी

भाषा-विवाद के बीच नगर निगम का फरमान

कोलकाता, 7 सितंबर (एजेंसियां)। कोलकाता नगर निगम ने आदेश दिया है कि शहर के सभी व्यावसायिक और वाणिज्यिक प्रतिष्ठानों को अपने साइनबोर्ड और होर्डिंग्स पर बंगाली भाषा का इस्तेमाल करना अनिवार्य कर दिया है। नगर निगम ने अपने निर्देश में कहा है कि भाषाई अधिकार को बढ़ावा देने और समावेशिता सुनिश्चित करने के लिए ऐसा निर्देश दिया गया है। नगर आयुक्त धवल जैन ने 30 अगस्त को जारी एक परिपत्र में कहा है कि सभी व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को 30 सितंबर तक इस आदेश का पालन करना होगा।

निर्देश में कहा गया है कि साइनबोर्ड, होर्डिंग्स में ऊपर बंगाली भाषा का इस्तेमाल करना होगा। कोलकाता नगर निगम का निर्देश दुकानों, कंपनियों, शॉपिंग मॉल, कार्यालय, रेस्तरां, होटल्स, अस्पतालों और डायग्नोस्टिक केंद्रों पर लागू होगा। देश में इन दिनों एसआईआर और मतदाता सूची का मुद्दा गरमाया हुआ है। साथ ही महाराष्ट्र में भाषा के मुद्दे पर काफी हंगामा हो रहा है। ऐसे में पश्चिम बंगाल में टीएमसी सरकार ने भी भाषा के आधार पर बंगाली अस्मिता के नाम पर लोगों को एकजुट करने की कोशिश शुरू कर दी है। दरअसल पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी ने बीते दिनों भाजपा शासित राज्यों में बंगाली भाषी लोगों के कथित उत्पीड़न का आरोप लगाया था। इसे लेकर राज्य में कई कार्यक्रम और विरोध प्रदर्शन आयोजित किए गए।

ममता बनर्जी ने एनआरसी के तहत भी बंगाली भाषी लोगों को निशाना बनाने का आरोप लगाया। बंगाल में अगले साल विधानसभा चुनाव होने हैं। ऐसे में टीएमसी ने अपने नेताओं को बंगाली भाषा में भाषण देने का आदेश दिया है। अब कोलकाता नगर निगम के ताजा निर्देश को भी टीएमसी सरकार के अभियान से जोड़कर देखा जा रहा है। सीएम ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की मतदाता सूची में हरियाणा, राजस्थान के लोगों के नाम डाले जा रहे हैं। यह ऑनलाइन किया जा रहा है। हालांकि भाजापा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

बाढ़ प्रभावित पंजाब का कल दौरा करेंगे पीएम मोदी, पीड़ितों से करेंगे मुलाकात

चंडीगढ़, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब के ज्यादातर जिले इन दिनों बाढ़ से प्रभावित हैं। ऐसे में लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं अब पीएम मोदी बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करने वाले हैं। इस बीच सबसे पहले पीएम मोदी पंजाब राज्य का दौरा करेंगे। पीएम मोदी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर जाएंगे। पंजाब भाजपा की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर इसकी जानकारी दी है। पार्टी की ओर से एक्स पर एक पोस्ट में कहा गया, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी 9 सितंबर को पंजाब के गुरदासपुर आ रहे हैं। इसके अलावा पंजाब बीजेपी के एक्स अकाउंट पर पीएम मोदी के दौरे से जुड़ी अतिरिक्त जानकारी भी दी गई। इस पोस्ट में आगे लिखा गया, वे (पीएम मोदी) बाढ़ प्रभावित भाई-बहनों और किसानों से सीधे मुलाकात कर उनका दुख साझा करेंगे और पीड़ितों की मदद के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। प्रधानमंत्री का यह दौरा साबित करता है कि केंद्र की भाजपा सरकार हमेशा पंजाब के लोगों के साथ खड़ी है और इस कठिन समय में पूरा सहयोग प्रदान करेगी। पंजाब के अलावा हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड जैसे राज्य सबसे अधिक बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में शामिल हैं। सूत्रों ने बताया कि पीएम मोदी इनमें से कुछ क्षेत्रों का दौरा करेंगे और हालात का जायजा लेंगे। उनका दौरा ऐसे वक्त हो रहा है जब कुछ राज्य सरकारों ने संकट से निपटने के लिए केंद्र से वित्तीय सहायता की मांग की है। इससे पहले गुरुवार को केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने पंजाब के अमृतसर जिले के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा किया। अमृतसर में उन्होंने कहा कि बाढ़ से उत्पन्न स्थिति का आकलन करने के लिए दो केंद्रीय दल भी पंजाब का दौरा कर रहे हैं और वे केंद्र को एक रिपोर्ट सौंपेंगे। अमृतसर में पत्रकारों से बातचीत

शिप्रा में कार गिरी, टीआई-एसआई के शव मिले

महिला कांस्टेबल की तलाश जारी

उज्जैन, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के उज्जैन जिले की शिप्रा नदी में कार गिरने से लापता हुए दो पुलिसकर्मियों के शव बरामद कर लिए गए हैं। वहीं, लापता महिला आरक्षक की तलाश की जा रही है। नदी से जो दो शव बरामद हुए हैं उनकी पहचान उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा और एसआई मदनलाल निमामा के रूप में हुई है। महिला आरक्षण आरती पाल अभी भी लापता है। दरअसल, शनिवार रात को शिप्रा नदी के बड़े पुल से एक कार असंतुलित होकर नीचे पानी में गिर गई थी। इसके बाद लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस, नगर निगम, एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, होमगार्ड और स्थानीय गोताखोरों की टीम कार और उसमें फंसे लोगों की तलाश मे जुट गई। रात करीब नौ बजे से शुरू हुए रेस्क्यू ऑपरेशन में देर रात तक पुलिस को सफलता नहीं मिली। रविवार सुबह छह बजे एक बार फिर रेस्क्यू अभियान शुरू किया गया। इस दौरान पुलिस को भैरवगढ़ क्षेत्र में नदी में एक शव होने की सूचना मिली।

एसपी प्रदीप शर्मा ने बताया कि उन्हेल थाना प्रभारी अशोक शर्मा, सब-इंस्पेक्टर मदनलाल निनामा और महिला आरक्षक आरती पाल शनिवार को गुराडिया-सांगा क्षेत्र से लापता हुई 14 साल की बालिका की तलाश में चिंतामण जा रहे थे। इस दौरान यह हादसा हो गया। एसपी शर्मा ने कहा कि संभवतः कार महिला आरक्षक आरती चला रही थीं, इस दौरान शिप्रा नदी के बड़े पुल से अनियंत्रित होकर कार नदी में गिर गई। उन्होंने बताया कि थाना प्रभारी अशोक शर्मा के बाद सब-इंस्पेक्टर मदनलाल निनामा का भी शव नदी से बाहर निकाल लिया है।

खेतों से रेत निकालने के लिए सरकार लाएगी पॉलिसी

पीएम मोदी के दौरे पर बोले मनीष सिसोदिया

चडीगढ़, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पंजाब में बाढ़ जैसी त्रासदी के बीच सरकार खेतों से रेत निकालने के लिए पॉलिसी लेकर आ रही है। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एलान किया है कि जल्द ही सरकार पॉलिसी ला रही है। उन्होंने कहा कि सूबे में बाढ़ की वजह से खेतों में पानी के साथ रेत आने के कारण फसलों को नुकसान हुआ है। इससे किसानों की चिंता बढ़ गई है।

रबी फसल पर भी संकट गहरा गया है। मनीष सिसोदिया ने कहा कि पॉलिसी को लेकर मुख्यमंत्री भगवंत मान से बात हो गई है। ऐसे में एक-दो दिन में रेत निकालने के लिए पॉलिसी जारी कर दी जाएगी। पंजाब में बाढ़ की स्थिति का जायजा लेने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9 सितंबर को पंजाब दौरे पर आ रहे हैं। पीएम के पंजाब दौरे की घोषणा हो चुकी है। पीएम के दौरे को लेकर मनीष सिसोदिया ने कहा कि प्रधानमंत्री को तुरंत राहत पैकेज का एलान करना चाहिए था।

उनका दौरा ठीक है। इससे पहले केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी पंजाब के हालातों को जानने के लिए दौरा कर चुके हैं। आप प्रभारी ने कहा कि केंद्रीय मंत्री शिवराज चौहान ने कहा कि अवैध खनन की वजह से पंजाब में बाढ़ की स्थिति पैदा हुई है। खनन को बाढ़ का कारण बताना ऐसे समय पर राजनीति करना है, जो कि गलत है। लोगों की इतनी परेशानी देखने के बाद भी केंद्रीय मंत्री पंजाब को दोष दे रहे हैं।

हम श्रेय की होड़ में नहीं महाराष्ट्र में विज्ञापनों पर डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे का बयान

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा कि सत्तारूढ़ महायुति सहयोगियों के बीच काम का श्रेय लेने की कोई होड़ नहीं है। उन्होंने कहा कि वह मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के साथ एक टीम की तरह काम कर रहे हैं। शिंदे ने यह टिप्पणी प्रमुख समाचार पत्रों में प्रकाशित पूरे पेज के विज्ञापनों पर पूछे गए सवाल के जवाब में की। इन विज्ञापनों में केवल मुख्यमंत्री फडणवीस को दिखाया गया था। एक विज्ञापन में फडणवीस को छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित करते हुए दिखाया गया था, जबकि दूसरे विज्ञापन में उन्हें दस दिवसीय गणपति उत्सव के अंतिम दिन अनंत चतुर्दशी के अवसर पर भगवान गणेश की पूजा करते हुए दिखाया गया था।

दोनों विज्ञापनों के नीचे मराठी में 'देवभाऊ' लिखा हुआ था। हालांकि यह पता नहीं चल सका कि ये विज्ञापन किसने दिए। शनिवार को ठाणे में एक सार्वजनिक समारोह से इतर पत्रकारों ने शिंदे से प्रश्न किया कि क्या ये विज्ञापन मुख्यमंत्री फडणवीस की खुद को मराठा आरक्षण के वास्तुकार के रूप में पेश करने का प्रयास है।

मजदूर का बेटा बना लेफ्टिनेंट, आईआईएम से पीएचडी का ऑफर ठुकराकर ज्वाइन की आर्मी

चेन्नई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। चेन्नई में एसएससी 120 और एसएससी वीमेन-34 बैच की पासिंग आउट परेड हुई। इस परेड में कई प्रेरणादायक कहानियां सामने निकल कर गई। किसी कैडेट ने परिवार की 129 साल पुरानी सैन्य परंपरा को आगे बढ़ाया, तो किसी ने खुद अपनी परंपरा बनाई। चेन्नई के रहने वाले वरप्रसाद ने अपनी परंपरा खुद बनाई। दिहाड़ी मजदूर माता-पिता के बेटे वरप्रसाद अपने परिवार के पहले आर्मी ऑफिसर हैं, बल्कि पहले ग्रेजुएट भी हैं। पासिंग आउट परेड के बाद वरप्रसाद ने कहा कि राजपूत रेजिमेंट मिलना उनके लिए बेहद खास है क्योंकि चेन्नई के शहीद मेजर मुकुंद वरदराजन ने भी सेवा दी थी।

वरप्रसाद ने लोयोला कॉलेज से इकोनॉमिक्स में ग्रेजुएशन किया है।

उन्हें आईआईएम से पीएचडी करने का ऑफर मिला था, वह भी फुल फंडेड। लेकिन उन्होंने ऑलिव ग्रीन वर्दी पहनने का सपना चुना। वरप्रसाद अपने परिवार में स्कूली शिक्षा पूरी करने और फिर उच्च शिक्षा हासिल करने वाले पहले व्यक्ति हैं। आर्थिक तंगी के चलते उन्हें 10वीं के बाद पढ़ाई छोड़नी पड़ी थी। लेकिन एक साल बाद उन्होंने फिर से एडमिशन लिया और पार्ट टाइम जॉब करते हुए न सिर्फ पढ़ाई पूरी की, बल्कि स्कूल टॉपर भी बने।

वरप्रसाद ने इकोनॉमिक्स में बैचलर और मास्टर डिग्री हासिल की। इसके बाद यूजीसी नेट-जेआरएफ क्लियर करके प्रोफेसर बनने की अर्हता हासिल की। फिर उन्हें आईआईएम की ओर से फुल फंडेड पीएचडी ऑफर भी मिला। लेकिन उन्होंने पीएचडी में एडमिशन छोड़कर इंडियन आर्मी को चुना।

एक शानदार एकेडमिक करियर छोड़कर इंडियन इंडियन आर्मी ज्वाइन करने का फैसला कई युवाओं के लिए प्रेरणा है। सेना की प्रशिक्षण कमान ने उन्हें 'विद्वान योद्धा' बताया, जो बुद्धि और साहस के परफेक्ट मिश्रण का प्रतीक है।

वकीलों की हड़ताल फिर होगी शुरू, आज से स्ट्राइक

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। दिल्ली की सभी जिला अदालतों की बार एसोसिएशन की समन्वय समितियों ने साफ कर दिया है कि वकीलों की आठ सितंबर से शुरू होने वाली हड़ताल को न तो टाला जाएगा और न ही वापस लिया जाएगा। यह हड़ताल पुलिस द्वारा थानों से ही ऑनलाइन माध्यम से अदालत में साक्ष्य पेश करने के मुद्दे को लेकर हो रही है। नई दिल्ली बार एसोसिएशन के मुताबिक, शनिवार को समिति की एक बैठक हुई। बैठक में मुख्य मुद्दा यह था कि पुलिसकर्मियों को गवाही, साक्ष्य के लिए अदालतों में प्रत्यक्ष रूप से उपस्थित होना चाहिए, न कि ऑनलाइन। ''हम अपनी मांग पर अडिग हैं। सचिव तरुण राणा ने बताया कि शनिवार को बार काउंसिल ऑफ इंडिया के अध्यक्ष का एक पत्र मिला। यह पत्र दिल्ली की सभी जिला अदालतों के बार एसोसिएशन के अध्यक्षों और सचिवों को संबोधित था, जिसमें आंदोलन को वापस लेने का अनुरोध किया गया था। एनडीबीए की ओर से जारी बयान में राणा ने कहा, ''हालांकि, हम यह स्पष्ट करना चाहते हैं कि समन्वय समिति ने आम जनता के हितों की रक्षा के लिए यह आंदोलन शुरू किया है, और जब तक हमारी उचित मांग पूरी नहीं होती, तब तक यह आंदोलन जारी रहेगा।''

जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाईवे पर युद्धस्तर पर चल रहा काम

मंत्री जितेंद्र सिंह बोले- दो दिन में बहाल होगा रास्ता

जम्मू, 7 सितंबर (एजेंसियां)। कश्मीर में लगातार बारिश और भूस्खलन से बंद पड़ा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग जल्द ही बहाल हो सकता है। केंद्रीय मंत्री डॉ। जितेंद्र सिंह ने जानकारी दी कि हाईवे की मरम्मत का काम युद्धस्तर पर चल रहा है और अगले एक-दो दिनों में इसके दोबारा खुलने की संभावना है। डॉ। सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, "जिले में सड़क बहाली का काम तेजी से चल रहा है।

400 क्षतिग्रस्त सड़कों में से 50% से ज़्यादा को पहले ही बहाल कर दिया गया है, और कई और जल्द ही फिर से खुल जाएँगी।" उन्होंने आगे कहा, "लगातार बारिश और प्रतिकूल मौसम के बावजूद राष्ट्रीय राजमार्ग का जीर्णोद्धार कार्य जारी है। इसके जल्द ही चालू होने की उम्मीद है, शायद एक या दो दिनों में, यह इस बात पर निर्भर करेगा कि मौसम कितना अनुकूल रहता है ताकि तेजी से काम सुनिश्चित हो सके।" जानकारी के मुताबिक, उधमपुर के थरद इलाके में राजमार्ग का लगभग 250 मीटर हिस्सा भूस्खलन और भारी बारिश से दब गया है। कुछ हिस्सा साफ कर लिया गया था, लेकिन तड़के आधे घंटे की मूसलाधार बारिश ने उसे फिर से नुकसान पहुंचा दिया। एक अधिकारी ने बताया कि "हमने कर्मचारियों और मशीनों को तैनात कर दिया है और जल्द से जल्द मुख्य मार्ग को फिर से खोलने के लिए काम शुरू कर दिया है।"

उधमपुर-रियासी रेंज के यातायात उपाधीक्षक जतिंदर सिंह ने कहा कि एनएचएआई के कर्मचारी और मशीनें मौके पर जुटी हैं। उन्होंने बताया कि हाईवे को बहाल करने के लिए ब्लास्टिंग तक करनी पड़ रही है। डीवाईएसपी जतिंदर सिंह ने कहा, "एनएचएआई अपना काम कर रहा है ताकि लोगों को पैदल राजमार्ग पार करने में परेशानी न हो और छोटे वाहनों के लिए सिंगल-वे यातायात जल्द ही बहाल कर दिया जाएगा।" उधमपुर में बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने के बाद जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पिछले दस दिनों से बंद है।

'हमारे समंदर चमकने चाहिए'

गणेश विसर्जन के अगले दिन सीएम फडणवीस की पत्नी और बेटी पहुंचीं जुहू बीच

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पूरे महाराष्ट्र में धूम धाम से गणपति विसर्जन संपन्न हुआ। बप्पा के विसर्जन के बाद मुंबई में जुहू बीच पर कचरा फैल गया। अगले ही दिन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने जुहू बीच पर सफाई अभियान चलाया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि "हमारे समंदर और किनारे चमकने चाहिए, न कि गंदगी से ढके हुए।" उन्होंने प्लास्टिक, रैपर और अन्य जहरीले कचरे की ओर इशारा करते हुए लोगों से अपील की कि समुद्र को साफ-सुथरा रखना हर नागरिक की जिम्मेदारी है।

अमृता फडणवीस सुबह-सुबह जुहू बीच पर पहुंचीं और 'समुद्र तट की चमक' अभियान की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक दिन का कार्यक्रम नहीं बल्कि लोगों में जागरूकता फैलाने की पहल है। "अगर हमें अपनी धरोहर बच्चों को सौंपनी है तो उसे स्वच्छता और सुंदरता के साथ सौंपना होगा," पीटीआई को दिए बयान में उन्होंने

कहा। इस दौरान अमृता ने साफ शब्दों में कहा कि गंदगी करना या फैलाना बंद होना चाहिए और यदि कहीं गंदगी हो भी गई तो उसे साफ करना हम सबकी ड्यूटी है। बीएमसी और कई एनजीओ इस सफाई कार्य में सहयोग कर रहे हैं।

अमृता फडणवीस ने बताया कि इस बार पहले से अधिक साफ-सफाई दिखी है, जिसका श्रेय बीएमसी, एनजीओ और आम जनता को जाता है। उन्होंने कहा कि "लोग अब छोटे आकार के गणपति को तालाबों में विसर्जित करने लगे हैं, जिससे समुद्र प्रदूषित न हो।" अमृता ने साफ कहा कि अगर संदेश फैलाना है तो हर तबके के लोगों को- चाहे नेता हों, अभिनेता हों या व्यापारी सबको इसमें सक्रिय भाग लेना होगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि अगर समाज एकजुट होकर आगे आएगा तो समुद्र किनारों की सुंदरता और स्वच्छता बनाए रखना बिल्कुल आसान हो जाएगा।

मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की बेटी दिविजा भी इस अभियान में शामिल हुईं। एएनआई से उन्होंने कहा, "मुझे बहुत खुशी हुई कि मुझे अपने सुंदर बीच की सफाई करने का मौका मिला। लेकिन जब मैंने समुद्र किनारे बप्पा की मूर्तियों के हाथ-पैर टूटे हुए देखे तो बहुत दुख हुआ।" दिविजा ने सभी से आग्रह किया कि वे इको-फ्रेंडली गणपति को अपनाएं ताकि बप्पा का अपमान न हो और पर्यावरण भी सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि यह जिम्मेदारी हर परिवार की है कि वह अपनी परंपराओं को प्रकृति और स्वच्छता के साथ जोड़कर निभाए।

सुविचार: इंसान और संबंध अपने शब्दों को निर्मल और पवित्र रखें क्योंकि संभव है कल इन्हें आपको वापिस लेना पड़े

पिछड़ा वर्ग घोषणापत्र की सफलता रैली हर विपक्षी दल को घेरने के लिए : टीपीसीसी प्रमुख

कामारेड्डी, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। कामारेड्डी में 15 सितंबर को होने वाली प्रमुख जनसभा से पहले तैयारी बैठक बड़े उत्साह के साथ आयोजित की गई। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष और एमएलसी महेश कुमार गौड़ ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा कि आगामी रैली विपक्षी दलों को घेरने का एक मंच साबित होगी।

उन्होंने घोषणा की कि कांग्रेस पार्टी पिछड़ा वर्ग आरक्षण को कानूनी मान्यता प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और कहा कि कामारेड्डी बैठक केंद्र को जवाब देने के लिए मजबूर करेगी। उन्होंने कहा, यह रैली मोदी और अमित शाह के लिए आंखें खोलने वाली होगी। भाजपा पर तीखा हमला बोलते हुए महेश कुमार गौड़ ने कहा, भाजपा नेता भिखारी बन गए हैं, भगवान के नाम पर वोट मांग रहे हैं। हर सुबह, बंडी संजय वोट मांगने के लिए मंदिरों में जाते हैं। अगर उनमें सचमुच हिम्मत है, तो उन्हें बिना सुरक्षा के मंदिरों में जाना चाहिए। वे पिछड़ी जातियों के आरक्षण को लेकर छल का खेल खेल रहे हैं।

उन्होंने इटेला राजेंद्र का "राजनीतिक परिदृश्य से गायब" होने के लिए भी मज़ाक उड़ाया। बीआरएस पर निशाना साधते हुए, टीपीसीसी प्रमुख ने आरोप लगाया, कविता ने निज़ामाबाद को 'शराब रानी' के रूप में बदनाम किया। केसीआर परिवार लुटेरों का गिरोह है। यह विडंबना है कि कविता ने खुद स्वीकार किया कि उन्होंने राज्य को लूटा है। अगर उन्होंने यह बात पांच साल पहले कही होती, तो हम उन्हें सम्मानित करते। अगले चुनावों में, बीआरएस गायब हो जाएगा। केसीआर परिवार के भीतर की कलह लूटी गई संपत्ति के हिस्से को लेकर झगड़ा मात्र है। महेश कुमार गौड़ ने ज़ोर देकर कहा कि कांग्रेस पार्टी समानता की पक्षधर है। उन्होंने आश्वासन दिया, कांग्रेस पार्टी कार्यकर्ताओं की कड़ी मेहनत के कारण ही सत्ता में आई है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राहुल गांधी के इस दृष्टिकोण को साकार किया है कि सभी को उनका उचित हिस्सा मिलना चाहिए। जाति जनगणना से पता चलता है कि पिछड़ी जातियों की आबादी 56.33 प्रतिशत है और कांग्रेस उन्हें 42 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सीतक्का, कोंडा सुरेखा, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी और वकाती श्रीहरि, सरकारी सलाहकार मोहम्मद शब्बीर अली, सांसद सुरेश शेतकर, कई विधायक, जिला कांग्रेस अध्यक्ष और अन्य नेता शामिल हुए।

महाराजा अग्रसेन के सिद्धांत को आगे बढ़ाना है : डॉ. गिरीश कुमार संघी

जयंती समारोह को भव्य रूप से मनाने के लिए पूर्ण सहयोग किया जाएगा : अनिरुद्ध गुप्ता

अग्रसेन महाराज जयंती की तैयारी को लेकर बंजारा हिल्स में बैठक संपन्न

अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन की बैठक को संबोधित करते हुए डॉ. गिरीश कुमार संघी ।

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन के तत्वावधान में आगामी अग्रसेन जयंती जो 22 सितंबर 2025 को होने वाली है की तैयारी से संबंधित एक बैठक बंजारा हिल्स में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी पूर्व सांसद ने की।

अतिथि के रूप में तेलंगाना अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता उपस्थित थे। बैठक में अग्रवाल समाज एवं अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन द्वारा आगामी अग्रसेन जयंती को महाराजा अग्रसेन चौक पर किस तरह पूर्ण रूप से भव्यता के साथ संपन्न करें, इस पर विचार-विमर्श किया गया।

शुरूआत करते हुए अखिल भारतीय वैष्णव सम्मेलन के राष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष बद्री विशाल बंसल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि हमें प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी महाराजा अग्रसेन की जयंती को भव्य रूप से महाराजा अग्रसेन चौक पर मनाना चाहिए। यह एक ऐसा अवसर है जब हम समाज के सभी वर्गों को साथ में लेकर अपनी एकता को प्रदर्शित कर सकते हैं, इससे देश-प्रदेश एवं समाज में एक अच्छा संदेश जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए अग्रवाल समाज के अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता ने बताया कि अग्रवाल समाज तेलंगाना द्वारा इस कार्यक्रम को भव्य रूप से संपन्न करने हेतु पूर्ण सहयोग प्रदान किया जाएगा।

और देखा जाएगा की पूरी से पूरी शाखाओं के अपने सदस्यों को यहां आमंत्रित करें और इस कार्यक्रम की अब मैं अपनी सहभागिता पूरी करें।

बैठक को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. गिरीश कुमार संघी ने बताया कि किस तरह इस मूर्ति का यहां पर अनावरण हुआ इसके पीछे समाज की एकता को दिखाने वाली क्या मंशा थी, हमें महाराजा अग्रसेन के एक रुपया एक ईंट के सिद्धांत को किस तरह आगे बढ़ाना है और उस पर चलते हुए समाज के जरूरतमंद व्यक्ति की मदद के लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति को समाज के प्लेटफार्म पर जुटाना है।

जिस तरह हम अग्रसेन जयंती में शाम को फंक्शन करते हैं उसी तरह पूरे उल्लास के साथ सुबह के माल्यार्पण कार्यक्रम को जो की सरकार की बजट नोटिफिकेशन में आता है और सरकार की ओर से कोई ना कोई मंत्री इस अवसर पर माल्यार्पण के लिए पधारता है। हमें अपनी एकता का प्रदर्शन करके अपना एक अच्छा संदेश देना चाहिए एकता का एवं समाज सेवा का।

उन्होंने आगे बताया कि आगामी आने वाले समय में और इस तरह के कार्यक्रम हम करते रहें। समाज के स्तर पर समाज को जोड़ने के लिए जरूरी यह है कि हम जुड़ें भी जुटें भी और एकता का प्रदर्शन भी करें। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय महामंत्री गोपाल मोर द्वारा किया गया, जिन्होंने मूर्ति की स्थापना से लेकर आज तक जो समाज ने कार्य किया है उस पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का विधिवत रूप से धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय मंत्री सुरेश अग्रवाल द्वारा किया गया। उन्होंने बताया कि आज हम क्यों यहां उपस्थित हुए हैं और इसकी क्यों हमें जरूरत रहती है। हम चाहते यह हैं कि बार-बार हम इस तरह के कार्यक्रम करें।

सभी आयोजक एवं आने वाले बंधुओं का उन्होंने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर अग्रवाल समाज बंजारा के अध्यक्ष मुन्नालाल अग्रवाल ने सभी अतिथियों का शाल ओढ़ाकर स्वागत किया एवं डीएसआर फॉर्चून कांप्लेक्स के अध्यक्ष ओमप्रकाश ने भी सभी अतिथियों को सम्मानित कर उन्हें सम्मान शाल द्वारा सम्मान प्रदान किया गया।

उपस्थित सभी बंधुओं का यह मन था कि हम भव्य रूप से जयंती को मनाने में जो भी हमारा सहयोग होगा हम करेंगे। अग्रवाल समाज बंजारा शाखा के अलावा अलग-अलग शाखा के बंधुओं ने उपस्थित होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान किया। उनके धन्यवाद के साथ अल्पाहार के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

मंचेरियल में छात्र साइबर ठगी का शिकार

शिक्षा ऋण के नाम पर 37,500 रुपये गवांए

मंचेरियल, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को मंडमरी में एक छात्र शिक्षा ऋण के लिए आवेदन करते समय साइबर ठगी का शिकार हो गया। आरोपी ने बैंक अधिकारी बनकर छात्र से चरणबद्ध तरीके से प्रोसेसिंग शुल्क और अन्य चार्जेस के नाम पर 37,500 रुपये ऐंठ लिए। मंडमरी के उपनिरीक्षक राजशेखर के अनुसार, धोखेबाज ने छात्र से उसकी शिक्षा, पैन और आधार कार्ड का विवरण भी ले लिया। बाद में जब छात्र को लोन नहीं मिला तो उसे धोखाधड़ी का पता चला। इसके बाद उसने तुरंत साइबर अपराध की सूचना देने के लिए टोल-फ्री नंबर 1930 पर संपर्क किया और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

रेवंत ने सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने के लिए ओवैसी का आभार व्यक्त किया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने रविवार को एआईएमआईएम अध्यक्ष और हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी द्वारा न्यायमूर्ति बी. सुदर्शन रेड्डी को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के रूप में समर्थन देने के लिए आभार व्यक्त किया। रेवंत रेड्डी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी के प्रति ओवैसी के समर्थन को रेखांकित करते हुए अपना आभार व्यक्त किया। रेवंत रेड्डी ने लिखा, राष्ट्रहित में इस पहल में उपराष्ट्रपति पद के लिए न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने के लिए आगे आने के लिए असदुद्दीन ओवैसी भाई, आपका धन्यवाद।

इससे पहले, ओवैसी ने मुख्यमंत्री के अनुरोध पर सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने की घोषणा की थी।सांसद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने उनसे संपर्क किया और एआईएमआईएम से उपराष्ट्रपति पद के लिए न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करने का आग्रह किया। ओवैसी ने कहा, एआईएमआईएम न्यायमूर्ति रेड्डी का समर्थन करेगी, जो हैदराबाद के ही निवासी और एक उच्च सम्मानित न्यायविद हैं। मैंने न्यायमूर्ति रेड्डी से भी बातचीत करके उन्हें अपनी शुभकामनाएँ दीं। ओवैसी एआईएमआईएम का प्रतिनिधित्व करने वाले एकमात्र सांसद हैं, जो इंडिया गठबंधन से संबद्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सभी राजनीतिक दलों से 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए सुदर्शन रेड्डी के समर्थन में एकजुट होने का आह्वान किया।

हरीश राव ने गुरुकुलों की समस्याओं का समाधान करने की मांग की

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के नेता हरीश राव ने रविवार को कहा कि यह खेदजनक है कि कांग्रेस पार्टी के शासन में गुरुकुल शिक्षा व्यवस्था दयनीय स्थिति में पहुंच गई है। उन्होंने दावा किया कि छात्र जहरीले बुखार, साँप के काटने, चूहे के काटने, कुत्ते के काटने और भोजन विषाक्तता की समस्याओं के कारण अस्पतालों में अपनी जान गंवा रहे हैं।

हरीश राव ने आलोचना की कि गुरुकुलों में कार्यरत 2500 संविदा और आउटसोर्सिंग कर्मचारियों को पिछले दो महीनों से वेतन नहीं दिया गया है। उन्होंने मांग की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी शिक्षक दिवस पर बड़ी-बड़ी घोषणाएं करने के बजाय उन्हें समय पर वेतन दें। उन्होंने आलोचना की कि मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी का यह कहना कि अब से वे गुरुकुलों की देखरेख करेंगे, खोखला साबित हुआ। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए बयान, जैसे अगर गुरुकुल के अधिकारी मिलावटी खाना परोसेंगे, तो उन्हें जेल होगी, भी खोखले निकले।

हरीश राव ने आलोचना की कि पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर के शासनकाल में गुरुकुल शिक्षा प्रणाली देश के लिए एक आदर्श थी, लेकिन रेवंत रेड्डी के शासनकाल में यह नरक बन गई है। उन्होंने गुरुकुलों की संख्या 294 से बढ़ाकर 1024 करने के लिए केसीआर की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि केसीआर ने गुरुकुलों में छात्रों की संख्या 1 लाख 90 हजार से बढ़ाकर 6.5 लाख करके गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की है।

उन्होंने कहा कि शिक्षा क्षेत्र पर खर्च को पूंजी निवेश मानने वाले केसीआर ने गुरुकुलों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी। उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस पार्टी के 22 महीनों के शासन में गुरुकुलों की प्रतिष्ठा सबसे निचले स्तर पर पहुंच गई है। उन्होंने सुझाव दिया कि मुख्यमंत्री को अपनी आंखें खोलनी चाहिए और गुरुकुल शिक्षा प्रणाली पर ध्यान देना चाहिए, जो लंबे समय से एक आपदा रही है। वह चाहते हैं कि मुख्यमंत्री गुरुकुलों की समस्याओं का समाधान करें। गुरुकुलों को तुरंत स्थापित करें।

गणेश विसर्जन के बाद व्यापक स्वच्छता अभियान

जीएचएमसी ने प्रमुख जुलूस मार्गों से 11,000 टन से अधिक कचरा हटाया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को शहर भर में गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन होने के दौरान जीएचएमसी की टीमें हुसैन सागर की ओर जाने वाले प्रमुख जुलूस मार्गों पर सफाई अभियान चलाने पहुंची। बेगम बाजार, एमजे मार्केट, हैदराबाद जीपीओ, एबिड्स सर्कल, बशीर बाग, लिबर्टी, तेलुगू तल्ली फ्लाईओवर और एनटीआर गार्डन में कंफ़ेटी, डिस्पोजेबल प्लेट, भोजन सामग्री, मूर्ति सजावट और अन्य कचरे को हटाया गया।

विनायक चतुर्थी उत्सव की शुरूआत से अब तक, जीएचएमसी की टीमों ने 11,000 टन से अधिक अतिरिक्त कचरा इकट्ठा कर प्रसंस्करण केंद्र तक पहुंचाया है। आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार, रविवार और सोमवार को पूरे शहर में स्वच्छता अभियान जारी रहा।

हालांकि, कई आंतरिक कॉलोनियों की सड़कें अभी भी कचरे से भरी हुई हैं। निवासियों ने बताया कि सड़क पर जमा कचरा असुविधाएं बढ़ा रहा है और स्वच्छता के प्रति चिंता बढ़ा रहा है। सफाई कर्मचारियों ने अभी तक इन जगहों की सफाई नहीं की है, जिससे स्थिति बिगड़ती जा रही है।

विवेक पर उपहार वितरण को लेकर बवाल

चुने हुए कार्यकर्ताओं को ही नकद देने से कांग्रेस व बीआरएस नेताओं ने जताई नाराज़गी

मंचेरियल, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। श्रम मंत्री डॉ. जी विवेक दशहरा उत्सव पर नकद उपहार बांटने को लेकर विवादों में आ गए हैं। शनिवार को उन्होंने चेन्नूर कैंप कार्यालय में 46 कांग्रेस कार्यकर्ताओं को विधानसभा चुनाव में सहयोग के लिए 20-20 हजार रुपये दिए। लेकिन इस कदम से अन्य कार्यकर्ताओं में असंतोष फैल गया, जिन्हें सूची से बाहर रखा गया था।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुत्याला रवि कुमार ने सोशल मीडिया पर मंत्री की आलोचना करते हुए सवाल उठाया कि क्या बाकी कार्यकर्ताओं का योगदान कम महत्वपूर्ण है। बीआरएस नेताओं ने भी इसे गलत बताया और आरोप लगाया कि विवेक स्थानीय निकाय चुनावों से पहले कार्यकर्ताओं को खुश करने की कोशिश कर रहे हैं। रविवार को बहिष्कृत कार्यकर्ताओं का असंतोष सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिसमें लोगों ने चयनात्मक वितरण के लिए मंत्री की कड़ी आलोचना की।

तीन दिवसीय अखिल भारतीय जेल ड्यूटी मीट की मेजबानी करेगा हैदराबाद

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना कारागार एवं सुधार सेवा विभाग, 9 से 11 सितंबर तक हैदराबाद स्थित आरबीवीआरआर पुलिस अकादमी में 7वें अखिल भारतीय जेल ड्यूटी मीट-2025 का आयोजन कर रहा है।

यह प्रतिष्ठित राष्ट्रीय स्तर का आयोजन देश भर के जेल कर्मियों को एक साथ लाएगा, जहां वे अपने पेशेवर कौशल, अनुशासन, टीम वर्क और खेल एवं ललित कलाओं में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। इस वर्ष के मीट में 21 राज्यों- आंध्र प्रदेश, असम, बिहार, छत्तीसगढ़, गोवा, गुजरात, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, कर्नाटक, केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मेघालय, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और पश्चिम बंगाल- और 3 केंद्र शासित प्रदेशों- दिल्ली, पुडुचेरी और चंडीगढ़ की जेल टीमें भाग लेंगी।

184 महिला कर्मियों सहित 1,300 से अधिक प्रतिभागी 36 स्पर्धाओं में भाग लेंगे। प्रतियोगिताओं में प्राथमिक चिकित्सा, जेल कल्याण योजनाएं, व्यावसायिक मॉडल, प्रश्नोत्तरी, चिकित्सा कौशल और कंप्यूटर ज्ञान जैसे व्यावसायिक कार्यक्रमों से लेकर शटल बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कबड्डी, बास्केटबॉल, कराटे, क्रावमागा, एथलेटिक्स, नृत्य, संगीत, चित्रकला और वाद्य प्रदर्शन जैसे खेल और ललित कलाएं शामिल हैं। अधिकारियों ने कहा कि यह गर्व की बात है कि तेलंगाना इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता की दूसरी बार मेजबानी कर रहा है, पहली बार 2015 में। 2022 में अहमदाबाद, गुजरात में आयोजित छठी अखिल भारतीय जेल ड्यूटी प्रतियोगिता में, तेलंगाना ने ओवरऑल चैंपियनशिप जीतकर राज्य का नाम रोशन किया। तेलंगाना कारागार विभाग पिछले तीन महीनों से पुलिस अनुसंधान एवं विकास ब्यूरो (बीपीआरएंडडी), नई दिल्ली और गृह मंत्रालय, भारत सरकार के साथ घनिष्ठ समन्वय और सहयोग से इस आयोजन की तैयारी कर रहा है। अखिल भारतीय जेल ड्यूटी मीट की तैयारी में, तेलंगाना की जेल एवं सुधार सेवाओं की महानिदेशक डॉ. सौम्या मिश्रा और वरिष्ठ अधिकारियों ने अंतिम तैयारियों की समीक्षा की और तेलंगाना के प्रतिभागियों को खेल किट और सहायक उपकरण प्रदान किए तथा उन्हें अनुशासन बनाए रखने और राष्ट्रीय स्तर पर आत्मविश्वास के साथ उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। पहली बार, एक अखिल भारतीय टेक्नो एक्सपो और राष्ट्रीय जेल उत्पाद स्टॉल का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें जेल सुरक्षा प्रौद्योगिकी उपकरण और सॉफ्टवेयर समाधान प्रदर्शित किए जाएँगे और 13 राज्यों की जेलों के उत्पादों का प्रदर्शन किया जाएगा। तीन दिवसीय कार्यक्रम में उद्घाटन और समापन समारोह, प्रतियोगिताएं, पदक वितरण और तेलंगाना की समृद्ध विरासत का जश्न मनाने वाली सांस्कृतिक संध्याएं शामिल होंगी।

यादगिरिश्वरी के विवाह समारोह के लिए जल्द ही ब्रिटेन, यूरोप टीमें भेजी जाएगी: ईओ

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना कनाडा एसोसिएशन के निमंत्रण पर और सरकार की अनुमति के अनुसार, श्री स्वामी का विवाह समारोह शनिवार, 6 सितंबर को कनाडा के मॉन्ट्रियल में आयोजित किया गया। टीसीए अध्यक्ष श्रीनिवास मन्नम और बड़ी संख्या में भक्तों ने इस विवाह समारोह में भाग लिया और श्री स्वामी का आशीर्वाद प्राप्त किया। यादगिरिगुट्टा मंदिर के एईओ रघु इस कार्यक्रम में उपस्थित थे और सेवानिवृत्त मंदिर के मुख्य पुजारी नलंतिगल्लक्ष्मी नरसिंहाचार्य के तत्वावधान में विवाह समारोह भव्य रूप से संपन्न हुआ। इस अवसर पर, धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा और यादगिरिगुट्टा ईओ वेंकट राव ने पुजारियों और कर्मचारियों को बधाई दी। ईओ ने कहा कि यादगिरिश्वरी के विवाह समारोह के लिए जल्द ही ब्रिटेन, यूरोप और मलेशिया में और टीमें भेजी जाएँगी।

ट्रिपल आर रोड परियोजना के प्रभावित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए लड़ूंगा : राजगोपाल रेड्डी

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु विधायक कोमटिरेड्डी राजगोपाल रेड्डी ने रविवार को तीखी टिप्पणी की और ट्रिपल आर रोड परियोजना के पीड़ितों को न्याय मिलने तक लड़ने का संकल्प लिया। विधायक राजगोपाल रेड्डी ने रविवार को यादाद्री भुवनगिरी जिले के संस्थान नारायणपुरम मंडल मुख्यालय में ट्रिपल आर परियोजना के भूमि विस्थापितों से मुलाकात की।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि अगर पीड़ितों के साथ अन्याय हुआ तो वे कतई संतुष्ट नहीं होंगे और उन्हें न्याय दिलाने के लिए वे किसी भी हद तक जा सकते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि भले ही ट्रिपल आर परियोजना रद्द कर दी जाए, वे प्रभावित लोगों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा कि समस्या का समाधान तभी होगा जब राज्य सरकार कुछ जगहों पर ठप हो जाए। उन्होंने कहा कि जनता ही उनकी ताकत है और वे उनके लिए किसी भी तरह से लड़ने और जरूरत पड़ने पर कोई भी कुर्बानी देने को तैयार हैं। विधायक ने लोगों से लड़ाई के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे सत्ताधारी दल के विधायक हैं, लेकिन अगर लोगों के साथ अन्याय हुआ तो वे अपनी ही पार्टी की सरकार से लड़ने को तैयार हैं। यह उल्लेख करते हुए कि जमीन और किसान के बीच एक भावनात्मक रिश्ता है, उन्होंने कहा कि यह अविभाज्य है। जमीन सिर्फ़ खेती नहीं, बल्कि एक दर्जा है। ट्रिपल आर परियोजना में, मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र के लोग अपनी सबसे ज़्यादा ज़मीन खो रहे हैं। मैं उनकी समस्याओं को राज्य सरकार के ध्यान में लाऊंगा। जरूरत पड़ने पर मैं केंद्रीय मंत्रियों से भी मिलूंगा। एक विधायक के तौर पर मैं आपके साथ तब तक लड़ूंगा जब तक आपको न्याय नहीं मिल जाता। बैठक में संस्थान नारायणपुरम मंडल के भूमि विस्थापितों और विभिन्न दलों के नेताओं ने भाग लिया।

विकाराबाद में बुजुर्ग दंपति ने की आत्महत्या

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। विकाराबाद जिले के यालाल मंडल के रसनम गांव में शनिवार रात एक बुजुर्ग दंपति ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, श्रीनिवास रेड्डी (63) ने पारिवारिक विवाद के बाद घर में फांसी लगाई। रविवार तड़के उनकी पत्नी भाग्यम्मा (58) ने पति की मौत देख कर गांव के बाहरी इलाके में स्थित एक कुएं में कूदकर अपनी जान दे दी। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमार्टम के लिए स्थानीय सरकारी अस्पताल के शवगृह में रखवाया। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

PUBLIC NOTICE

The General Public are hereby informed that my client Sri D. Gopal Das, is hereby informed that any loans, purchases, or financial dealings made by D. Neeraj whether in the past or in the future, are his personal responsibility. His family members or relatives have no liability whatsoever for such transactions. It is further clarified that the GST registration of "Krishna Pharmacy" does not belong to D. Neeraj nor he is an authorized person. Any person dealing with him shall do so at their own risk. Issued in public interest

Sd/- V. VENKATESHWARLU
ADVOCATE & NOTARY
#1-7-9/A, Surabhi Saphire, Golconda X Roads, Hyderabad, T.G., Ph: 9848454044

गंडक नदी का कहर
सैकड़ों लोग बेघर, ग्रामीण खुद तोड़ रहे घर

बेतिया, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बेतिया के बगहा क्षेत्र में गंडक नदी ने नरहवा गांव में कहर बरपाया है। पिछले एक महीने से लगातार कटाव के चलते अब तक 100 से अधिक घर नदी में समा चुके हैं। ग्रामीण अपने घरों को खुद तोड़कर सामान समेटने और अस्थायी आवास बनाने को मजबूर हैं। गांव की गलियों में अब सन्नाटा पसरा है। जहां पहले बच्चों की किलकारियां गूंजती थीं, वहां अब टूटी दीवारें और मलबे के ढेर नजर आते हैं। लोग ईंट-पत्थर और लकड़ी इकट्ठा करके दूसरी जगह झोपड़ी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। जिनके घर और खेत दोनों नदी में बह गए हैं, उनके पास अब सिर्फ खाली जमीन और अधूरे सपने बचे हैं।

चलती कार से युवती को फेंककर भाग गया स्पा सेंटर मालिक

आगरा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। ताजनगरी आगरा के पूठा झील चौराहे के पास अचानक एक कार धीमी हुई और युवती सड़क पर गिर गई। युवती के गिरते ही कार तेज रफ्तार से भाग गई। आसपास मौजूद लोगों को लगा कि लड़की को दिल का दौरा पड़ गया। वे दौड़कर उसके पास पहुंचे और उसे अस्पताल में भर्ती कराया। युवती ने बताया कि उसके लिव इन पार्टनर ने उसे कार से फेंका और भाग गया। वह दो साल से उसके साथ रह रही है। अब वह उससे पीछा छुड़ाना चाहता है। पुलिस ने आरोपी युवक को अरेस्ट कर लिया है।

शादी से एक महीने पहले बेटी की हत्या की

मुजफ्फरनगर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। मुजफ्फरनगर में शादी के एक महीने पहले पिता ने 20 साल की बेटी की हत्या कर दी। मर्डर के बाद पिता घर से फरार हो गया। करीब 4 घंटे बाद थाने पहुंचा। पुलिस से बोला- मैंने अपनी बेटी को मार दिया है। मेरी नाक कटाने पर तुली थी। कहना नहीं मान रही थी। पिता ने पुलिस को बताया कि बेटी की शादी तय कर दी थी। दीवाली के आसपास होनी थी। किसी लड़के के चक्कर में वह शादी से इनकार कर रही थी। वह घंटों उससे मोबाइल पर बातें करती थी। कई बार समझाने की कोशिश की, लेकिन नहीं मानी। पिता ने कमरे में ही बेटी की गला दबाकर हत्या की। फिर छत पर मौजूद पत्नी को बुलाकर बताया कि बेटी को मार दिया। पत्नी रोने लगी तो वह मौके से भाग गया। घटना खालापार थाना क्षेत्र के किदवईनगर की है। पुलिस ने आरोपी पिता गय्यूर को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस की गोवंश तस्करों से मुठभेड़, पैर में लगी गोली

औरैया, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बिधूना पुलिस और एसओजी की रविवार सुबह 4.15 बजे गांव सामपुर मोड़ के पास पुलिस चेकिंग कर रही थी। इस दौरान गोवंश तस्कर राजस्थान के भीलवाड़ा खेड़ी पटेल नगर निवासी रघुवीर बंजार से मुठभेड़ हो गई। जिसमें गोवंश तस्कर के पैर में गोली लगी। पुलिस ने आरोपी को सीएचसी बिधूना भर्ती करवाया। एसपी अभिजीत आर शंकर ने बताया कि आरोपित को गिरफ्तार कर पूछताछ की जा रही है। शनिवार को गांव सामपुर संपर्क मार्ग पर धनकुटी पुलिया के पास गोवंशों को लेकर जा रहा कंटेनर अनियंत्रित होकर पलट गया था और दलदल में फंस गया था। जिसमें मौजूद 14 मवेशियों की मौत हो गई।

5वीं की छात्रा ने किया सुसाइड कमरे में फंदे से लटका मिला शव

गोरखपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में पांचवीं क्लास की छात्रा ने अपने कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। मतृक छात्रा की पहचान खुशबु के रूप में की गई है। खुशबु 13 साल की थी। वो एक प्राइवेट स्कूल में कक्षा पांच में पढ़ती थी। घटना गोरखपुर ग्राम पंचायत पुडा के बनोहिया गांव की है। परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस और फोरेंसिक टीम ने जांच पड़ताल के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। खुशबू परिवार के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने के लिए चली गई। इधर परिवार के लोग छत पर सोने के लिए चले गए, लेकिन शुक्रवार की सुबह जब खुशबू की मां नीचे आई तो खुशबू फंदे से लटकी हुई थी। इसके बाद मां चिल्लाने लगी। फिर परिजन कमरे में पहुंचे और खुशबू को फंदे से नीचे उतारा, लेकिन तब तक खुशबू की मृत्यु हो चुकी थी।

नीले ड्रम में जाने के डर से पति ने पत्नी की उसके बॉयफ्रेंड से कराई शादी कहा- बच्चों को मैं खुद पाल लूंगा

गाजीपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के गाजीपुर में खानपुर थाना क्षेत्र के जमीन संदल गांव से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। जहां पति ही अपनी पत्नी व 2 बच्चों की मां की शादी उसके प्रेमी से करा दी। महिला के बच्चे पति के पास रहेंगे। पति ने कहा कि कई बार समझाने के बावजूद जब पत्नी नहीं मान रही है तो उसे जबरदस्ती अपने घर में रखकर मुझे भी नीले ड्रम में नहीं जाना। मामला पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। लिखित रूप से पत्नी ने अपनी सहमति दी और कहा कि मैं अपने पति के साथ नहीं रहूंगी बल्कि अपने प्रेमी के साथ ही रहूंगी। ये भी लिखा कि मेरे दोनों बच्चे अपने पिता के साथ ही रहेंगे। उसने कहा कि अशोक को वो तलाक देगी और सागर के साथ कोर्ट मैरेज करेगी। उसी पत्र पर प्रेमी सागर ने भी लिखा कि वो रेखा से शादी करना चाहता है। जिसके बाद पति ने पत्नी की शादी करा दी। जिसके बाद पूरे क्षेत्र में घटना की खूब चर्चा है।

किशनगंज-सुपौल समेत 4 जिलों में तेज बारिश, 20 जिलों में अलर्ट

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के कई जिलों का मौसम अचानक बदल गया है। किशनगंज, सुपौल में तेज बारिश शुरू हो गई है। बेतिया, रक्सौल में झमाझम बारिश हुई है। मौसम विभाग ने आज प्रदेश के 20 जिलों में बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान 30-40 किमी/घंटा की रफ्तार से हवा भी चलेगी। मौसम विभाग के मुताबिक, बिहार में 9 सितंबर से एक बार फिर मानसून के एक्टिव होने की संभावना है। 8 सितंबर से अगले 7 दिन प्रदेश के अलग-अलग जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। पटना मौसम विभाग की माने तो, 8 से 10 सितंबर तक मानसून के मजबूत रहने की स्थिति बन रही है। इस दौरान राज्य के उत्तर-पश्चिम, उत्तर-पूर्व और दक्षिण-पश्चिम हिस्सों में तेज बारिश होने की संभावना है। वहीं, पिछले 24 घंटे में प्रदेश के सिर्फ दो जिले किशनगंज और अररिया में तेज बारिश हुई है। देर रात पटना के कुछ इलाकों में तेज हवा के साथ बारिश हुई। नवादा के अकौना पंचायत के हजारा खाप गांव में बिजली गिरने से 68 साल महिला की मौत हो गई। मृतक की पहचान जवाहर प्रसाद की पत्नी मुनकी देवी के रूप में हुई है। भागलपुर में बाढ़ के पानी में डूबने से 2 बच्चों की मौत हो गई।

एक की हालत गंभीर है। मृतकों की पहचान अजमेरीपुर गांव के राजा (12) और रबल कुमार(13) के तौर पर हुई है। मौसम विभाग की माने तो 9 सितंबर को पूरे राज्य में आंधी-बिजली का यलो अलर्ट जारी किया गया है। इस दिन कैमूर, गोपालगंज, पश्चिम चंपारण जिले और आस-पास के इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी है।

जबकि 10 सितंबर से दक्षिण बिहार में भारी बारिश के आसार जताए गए हैं। इसके साथ ही 11, 12 और 13 सितंबर को भी पटना समेत कई जिलों में यलो अलर्ट जारी किया गया है।

दोस्तों संग शारीरिक संबंध बनाने का दबाव डालता है पति मना किया तो मारा-पीटा और दो दिन तक बनाए रखा बंधक

बागपत, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पति ने अपने दोस्तों से महिला पर शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाया। आपत्ति करने पर उसे दो दिन कमरे में बंधक बनाकर मारपीट की तथा जान से मारने की धमकी दी। पीड़िता ने आरोपित पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। बागपत कोतवाली क्षेत्र के एक कस्बा निवासी महिला का आरोप है कि उसका पति आए दिन मारपीट करता है। आरोपित अपने कई दोस्तों को लेकर घर पहुंचा और उनके साथ शारीरिक संबंध बनाने का दबाव बनाने लगा। पति की इस मंशा का विरोध करने से मना करने पर आरोपित पति ने अपने दोस्तों के सामने ही उसके साथ मारपीट की।

दो दिन कमरे में बंद करके रखा। उसे खाना-पीना भी नहीं दिया। आरोपित पति ने उसे व उसके बच्चों को जान से मारने की धमकी दी। दो सितंबर की रात में वह किसी तरह अपने बच्चों के साथ कमरे से जान बचाकर निकली। उसने पुलिस से अपनी व अपने बच्चों की सुरक्षा और आरोपित पति के खिलाफ कार्रवाई मांग की।

'बिहार यात्रा के बाद मलेशिया गए राहुल'
बीजेपी ने फोटो शेयर कर साधा निशाना

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार चुनाव की हलचल तेज है। सभी दल अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए पूरी ताकत झोंक रहे हैं।

इस बीच अब बीजेपी ने दावा किया है कि राहुल गांधी इन दिनों मलेशिया में छुट्टियां मना रहे हैं। बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया है कि बिहार में वोटर अधिकार यात्रा पूरी करने के बाद अब राहुल गांधी छुट्टियां मनाने के लिए विदेश चले गए हैं। बीजेपी के आईटी सेल प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, राहुल गांधी मलेशिया में वेकेशन मना रहे हैं। जहां वो मशहूर टूरिस्ट प्लेस लंगकावी में नजर आए। हालांकि, अब इसे लेकर बीजेपी राहुल गांधी पर निशाना साध रही है। साथ ही मालवीय ने राहुल गांधी की एक तस्वीर भी सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर पोस्ट की है। बीजेपी आईटी सेल के चीफ अमित मालवीय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर राहुल गांधी की छुट्टियों की एक तस्वीर पोस्ट की। साथ ही उन्होंने कांग्रेस नेता पर निशाना साधते हुए लिखा, राहुल गांधी फिर से कहीं छिप गए हैं, इस बार गुपचुप तरीके से मलेशिया के लैंगकॉवी में छुट्टियां मनाने गए हैं।

लगता है बिहार की राजनीति की गर्मी और धूल कांग्रेस के युवराज पर भारी पड़ गई, इसलिए उन्हें आराम के लिए भागना पड़ा। या फिर ये भी उन्हीं रहस्यमयी बैठकों में से एक है, जिसका किसी को पता नहीं चलना चाहिए? जो भी हो, जब लोग असली समस्याओं से जूझ रहे हैं, राहुल गांधी गायब होने और छुट्टियां मनाने की कला में महारत हासिल करने में लगे हैं। बीजेपी इससे पहले भी राहुल गांधी की विदेश यात्राओं पर हमला करती रही है। इसी बीच अब बीजेपी के इन हमलों पर अभी तक कांग्रेस की तरफ से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

राहुल अपहरण कांड
अमरमणि के मामले में वारंट होते ही हाजिर हुए गवाह के बयान दर्ज, 22 को होगी अगली सुनवाई

बस्ती, 7 सितंबर (एजेंसियां)। फास्ट ट्रैक कोर्ट प्रथम / एमपी एमएलए कोर्ट के न्यायाधीश प्रमोद कुमार गिरि की अदालत ने राहुल अपहरण कांड के मामले में तीन गवाहों का बयान दर्ज हुआ। मामले में अनुपस्थित चल रहे गवाहों के विरुद्ध गिरफ्तारी वारंट जारी होते ही गवाह हाजिर हो गए। शेष गवाहों के साक्ष्य के लिए 22 सितंबर को अगली सुनवाई की तारीख तय किया गया है। न्यायालय ने अपहृत राहुल के भाई कृष्ण मुरारी मद्धेशिया का बयान गवाह के रूप में पूर्व में दर्ज किया था। सुपुर्दगी के गवाह शिवा का बयान भी दर्ज हो चुका है। उसके बाद से कोई गवाह न आने से साक्ष्य की कार्यवाही नहीं हो पा रही थी। अदालत ने अन्य गवाहो के बयान के लिए पिछली तारीख पर गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया था।पुलिस के उच्चाधिकारियों को पत्र भी भेजा था। न्यायालय की सख्ती काम आई।

साक्षी ओम प्रकाश श्रीवास्तव निवासी सुभाष नगर थाना नौतनवा, महेश सिंह निवासी बरगदवा उर्फ गनवरिया व अश्वनी कुमार दुबे निवासी धौरहरा थाना सोनौली जिला महाराजगंज ने अदालत में समर्पण कर दिया। न्यायाधीश ने उनके विरुद्ध जारी वारंट को निरस्त कर दिया और उनका बयान दर्ज कराया। मालूम हो कि छह दिसंबर 2001 को जयपुरवा रोडवेज तिराहा कोतवाली के पास सुबह 7:45 पर धर्मराज के पुत्र स्कूली छात्र राहुल का अपहरण कर लिया गया था। जिसकी बरामदगी एसटीएफ लखनऊ की टीम ने पूर्व मंत्री अमरमणि त्रिपाठी के आवास से किया था।

11 साल की नाबालिग लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया

बरेली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। यूपी के बरेली से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। यहां एक 11 साल की नाबालिग लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया है। हालांकि 7 महीने की प्रेग्नेंसी होने की वजह से बच्चे की आधे घंटे के अंदर ही मौत हो गई। पुलिस ने ये जानकारी दी है। दरअसल बच्ची रेप पीड़िता थी। उससे रेप करने के आरोपी राशिद को गिरफ्तार किया गया है। राशिद की उम्र 31 साल है। नवाबगंज थाने के प्रभारी निरीक्षक अरुण कुमार श्रीवास्तव ने पीड़िता के बड़े भाई की शिकायत के हवाले से बताया, राशिद ने नाबालिग से कथित तौर पर कई बार दुष्कर्म किया और उसे इतना डराया कि वह अपनी पीड़ा किसी से नहीं कह सकी। पेट में लगातार दर्द होने पर परिजनों ने उसका अल्ट्रासाउंड कराया, तब पता चला कि वह छह माह की गर्भवती है।

सीएम योगी ने अनुदेशकों को सौंपे नियुक्ति पत्र
लोक भवन में आयोजित हुआ समारोह

लखनऊ, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजधानी लखनऊ में रविवार को लोक भवन में अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने व्यावसायिक शिक्षा से विभिन्न व्यवसायों के चयनित 1510 अनुदेशकों को नियुक्ति पत्र सौंपे। इनका चयन उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा कराई गई भर्ती में हुआ है। हाल में इसका परिणाम घोषित किया गया है। अब सीएम ने उन्हें नियुक्ति पत्र सौंपा है। इस मौके पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल, कौशल विकास विभाग के प्रमुख सचिव हरिओम सहित अन्य लोग मौजूद रहे। इस अवसर पर व्यावसायिक शिक्षा मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि यह अवसर न केवल चयनित अभ्यर्थियों के जीवन में नई ऊर्जा और आत्मविश्वास का संचार करेगा।

बल्कि, प्रदेश सरकार के इस संकल्प का भी प्रमाण है कि योग्यता के आधार पर पारदर्शिता के साथ युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराना ही हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संबोधन में कहा कि 400 साल पहले की बात करें तो यूपी देश का सबसे समृद्ध राज्य था। लेकिन, व्यापक रूप से लूटपाट, शोषण और अराजकता थी। विदेशी आक्रांताओं ने हमले किए।

अंग्रेजों ने भी लूटपाट की। इसके बावजूद, जब 1947 में देश को आजादी मिली, तो उत्तर प्रदेश भारत की अर्थव्यवस्था में नंबर एक था। सीएम ने आगे कहा कि 1960 के बाद गिरावट शुरू हुई। 2016 तक प्रदेश का योगदान घटकर सिर्फ 8 फीसदी रह गया। जब नीतियां स्वार्थ, वोट बैंक की चिंता और पारिवारिक हितों की रक्षा को ध्यान में रखकर बनाई जाती हैं, तो वे बर्बादी की ओर ले जाती हैं। जैसा कि उन लोगों ने उत्तर प्रदेश को पहुंचाया।

ट्रंप के टैरिफ पर मायावती ने जताई चिंता
बीएसपी सुप्रीमो की मोदी सरकार को सलाह- 'बचना बहुत जरूरी'

लखनऊ, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की राष्ट्रीय अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती ने आज रविवार (7 सितंबर) को लखनऊ में बसपा नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की।

इस बैठक में मायावती ने पार्टी संगठन के गठन और पार्टी के जनाधार को जमीनी स्तर पर बढ़ाने के लिए जिला से लेकर बूथ की कमेटी के गठन को लेकर चलाये गये अभियान की गहन समीक्षा की। इस बैठक में मायावती ने अमेरिका द्वारा थोपे गये भारी भरकम 50 प्रतिशत ट्रम्प टैरिफ के आतंक से उभरी नई चुनौतियों का जिक्र करते हुए कहा कि इससे सही से निपटने के लिए खासकर भारत व सत्ताधारी पार्टी बीजेपी को व्यापक जन व देशहित का ध्यान रखते हुये अपनी नीतियों व कार्यक्रमों में ठोस व भारी सुधारवादी रवैया अपनाने की जरूरत है। वरना देश के विशाल बहुजनों की गरीबी, महंगाई, बेरोजगारी, अशिक्षा, घरो से दूर पलायन की विवशता आदि की समस्यायें और भी जटिल होकर देश के मान-सम्मान को भी दुनिया में प्रभावित करेंगी, जिससे बचना बहुत जरूरी है।

इस दौरान मायावती ने यूपी सहित दूसरे राज्यों में भी विभिन्न धर्मों के पूजास्थलों और उनके संतों, गुरुओं व महापुरुषों आदि का निरादर करके सामाजिक, साम्प्रदायिक और राजनीतिक हालात बिगाड़ने के षडयंत्र पर गंभीर चिन्ता व्यक्त की। मायावती ने कहा कि सभी सरकारों को, संकीर्ण, जातिवादी, साम्प्रदायिक व द्वेषपूर्ण राजनीति त्याग कर, ऐसे आपराधिक तत्वों के प्रति कड़ा कानूनी रवैया अपनाकर कानून का राज जरूर स्थापित करना चाहिए।

15 सितंबर तक हो जाएगा महागठबंधन की सीट शेयरिंग का ऐलान, सभी घटक दलों के बीच समन्वय का दावा

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार में विधानसभा चुनावों के लिए महागठबंधन में सीटों के बंटवारे पर अहम सहमति बन गई है। विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी प्रसाद यादव के पटना स्थित आवास पर हुई इस बैठक में राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी, झारखंड मुक्ति मोर्चा, राष्ट्रीय जनता दल, कांग्रेस, वामपंथी दलों और विकासशील इंसान पार्टी के नेताओं ने हिस्सा लिया। इस बैठक में सीटों के बंटवारे पर व्यापक सहमति बनी और 15 सितंबर तक इसकी औपचारिक घोषणा होने की उम्मीद है।

बिहार कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने बताया कि बैठक सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई, जिसमें सभी घटक दलों ने सीटों के बंटवारे पर सहमति जताई। उन्होंने ने कहा कि पिछले चुनावों के उलट, इस बार कांग्रेस और अन्य सहयोगी दल अपने प्रभाव वाले क्षेत्रों में उम्मीदवार उतारेंगे।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा की सफलता से कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ा है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि कांग्रेस अन्य सहयोगियों की सीटें हड़प लेगी। बैठक के बाद पत्रकारों से बात करते हुए, कांग्रेस के बिहार प्रभारी अल्लवरु ने कहा कि बातचीत सार्थक रही। सीटों से जुड़े एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि भारत गठबंधन में नए सहयोगी आ रहे हैं। नए सहयोगी लाने के लिए सभी दलों को अपने हितों का त्याग करना होगा, हालांकि, उन्होंने 70 सीटों पर अपने दावे की पुष्टि नहीं की। कांग्रेस के बिहार प्रभारी ने कहा कि गठबंधन में अच्छी और बुरी सीटों का बंटवारा उचित तरीके से होना चाहिए। इसे सभी दलों के बीच तार्किक रूप से वितरित किया जाना चाहिए। ऐसा न हो कि एक पार्टी को अच्छी सीटें मिलें और दूसरी पार्टी को बुरी सीटें।

इसे संतुलित तरीके से करने का प्रयास किया जा रहा है। अंतिम निर्णय में इसका संतुलन देखा जाएगा। बता दें कि महागठबंधन में फिलहाल राजद, कांग्रेस, वीआईपी और वामपंथी दल शामिल हैं। झामुमो और रालोसपा के भी लंबे समय से महागठबंधन में शामिल होने की चर्चा थी, जो अब ये तय हो गया है कि इन दोनों पार्टियों को भी कुछ सीटें दी जाएंगी।

चुनाव से पहले बड़े समीकरणों की दस्तक

पटना, 7 सितंबर (एजेंसियां)। हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) प्रमुख और केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने स्पष्ट किया कि बिहार विधानसभा चुनाव में अकेले लड़ने की उनकी बात वास्तविक नहीं थी, बल्कि केवल पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्साह बढ़ाने के लिए कही गई थी। दिल्ली में हाल ही में हुई राष्ट्रीय कार्यकारिणी बैठक में मांझी के भाषण से सियासी हलचल मची थी, लेकिन अब उन्होंने साफ कर दिया है कि राजग में किसी तरह का मतभेद नहीं है और सभी दल मिलकर चुनावी मैदान में उतरेंगे। मांझी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उनका मकसद केवल कार्यकर्ताओं को प्रेरित करना था। उन्होंने कहा, जरूरत पड़ने पर हम 243 सीटों पर चुनाव लड़ सकते हैं, लेकिन हमारी प्राथमिकता यही है कि एनडीए एकजुट होकर बेहतर प्रदर्शन करे। उन्होंने बताया कि सीट बंटवारे का फॉर्मूला उपराष्ट्रपति चुनाव के बाद तय होगा। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) प्रमुख चिराग पासवान की 40 से अधिक सीटों की मांग पर उन्होंने नाराजगी भी जताई। मांझी ने याद दिलाया कि 2020 में पासवान की बगावत के चलते जेडीयू की सीटें प्रभावित हुई थीं। वहीं, विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' ने भी अपनी तैयारियों को तेज किया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की अध्यक्षता में करीब तीन घंटे चली बैठक में सभी दलों ने अब तक की रणनीति पर चर्चा की।

विशेष वर्ग को घर दिए जाने पर बीजेपी सांसद बघेल बोले : इस पर सख्त कार्रवाई होगी

मेरठ, 7 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के आगरा से सांसद और केंद्रीय स्वास्थ्य व परिवार कल्याण राज्य मंत्री एसपी सिंह बघेल ने मेरठ की अब्दुल्ल्ला कालोनी में विशेष वर्ग को घर दिए जाने पर तीखी प्रतिक्रिया दी है। इसके साथ ही उन्होंने उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले सांसदों की मॉक ड्रिल को सही ठहराया। बीजेपी सांसद एसपी सिंह बघेल ने केरल में ऑपरेशन सिन्दूर पर सवाल उठाने वालों की निंदा की और ईवीम से ही चुनाव की वकालत की। मेरठ की अब्दुल्ला रेजिडेंस कॉलोनी में एक ही

वर्ग को आवास खरीदने की अनुमति देने के आरोपों पर बीजेपी सांसद एसपी सिंह बघेल ने कड़ा रुख अपनाया। उन्होंने कहा कि सरकार की किसी योजना में ऐसा भेदभाव नहीं होता। अगर कोई प्राइवेट बिल्डर ऐसा कर रहा है, जैसा कि मैंने यूपी मंत्री सुरेंद्र सिंह का बयान सुना, तो इसकी जांच होगी और सख्त कार्रवाई की जाएगी। उपराष्ट्रपति चुनाव के लिए संसद में आयोजित मॉक ड्रिल पर बघेल ने कहा, मॉक ड्रिल तो होनी ही चाहिए। कई सांसद पहली बार चुने गए हैं, उन्हें मतदान प्रक्रिया, जैसे कि अपना पेन इस्तेमाल करना है या वहां उपलब्ध पेन, समझनी चाहिए। इससे वोट रद्द होने की संभावना कम होगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यह लोकसभा चुनाव नहीं है, जहां लाखों मतदाता वोट करते हैं। यहां लोकसभा और राज्यसभा के सांसद वोट करते हैं, इसलिए यह आसानी से पता चल जाता है कि कौन किसके साथ है। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के बैलट पेपर की वकालत पर बघेल ने पलटवार करते हुए कहा कि बैलट पेपर कभी एडवांस हो ही नहीं सकता। पहले बूथ कैप्चरिंग आम थी, लेकिन ईवीएम ने इसे रोकने में मदद की है। ईवीएम सुरक्षित और समय की बचत करने वाला है। उन्होंने पारदर्शी और सुरक्षित चुनाव प्रक्रिया पर जोर दिया।

राजा भैया का दुश्मन गुलशन यादव भगोड़ा घोषित! कुंडा में लगे पोस्टर में 1 लाख का इनाम घोषित

प्रतापगढ़, 7 सितंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले के कुंडा क्षेत्र में अचानक लगाए गए पोस्टर चर्चा का विषय है। ये पोस्टर समाजवादी पार्टी के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष और 1 लाख के इनामी गुलशन यादव के खिलाफ लगाए गए हैं। पोस्टर कुंडा के कई चौराहों, बाजार और उनके आवास के पास लगाए गए हैं। पोस्टर में साफ-साफ लिखा है कि गुलशन यादव की जानकारी देने पर सूचना देने वाले को 1 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा। पोस्टर में ना तो किसी व्यक्ति या संस्था

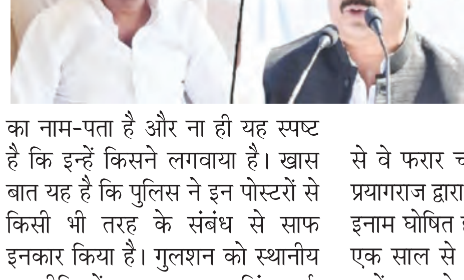

का नाम-पता है और ना ही यह स्पष्ट है कि इन्हें किसने लगवाया है। खास बात यह है कि पुलिस ने इन पोस्टरों से किसी भी तरह के संबंध से साफ इनकार किया है। गुलशन को स्थानीय राजनीति में रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया का विरोधी माना जाता है। गुलशन यादव पर हत्या, लूट, डकैती और रंगदारी जैसे गंभीर अपराधों में कुल 53 मुकदमे दर्ज हैं। कुर्क बाग का आम बेचने के मामले के बाद से वे फरार चल रहे हैं। एडीजी जोन प्रयागराज द्वारा उन पर 1 लाख रुपए का इनाम घोषित है। इसके बावजूद पिछले एक साल से अधिक समय से पुलिस उन्हें पकड़ने में नाकाम रही है। जिले के कुंडा में एक पोस्टर लोगों के लिए कौतूहल का विषय बना हुआ है। यह पोस्टर प्रतापगढ़ जिले के समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव से जुड़ा हुआ है।

यह पोस्टर कुंडा में दीवारों पर चस्पा किए गए हैं। इंटरनेट मीडिया पर भी इसे प्रसारित किया जा रहा है। 56 मुकदमों के चलते एक लाख के इनामी घोषित किए गए सपा के कार्यवाहक जिलाध्यक्ष गुलशन यादव के पोस्टर कुंडा में कुछ दीवारों पर चिपकाए गए हैं। इस पर लिखा है इनामी अपराधी, सपा जिलाध्यक्ष भगोड़ा है, पकड़ कर लाने वाले को उचित इनाम दिया जाएगा। पोस्टर शनिवार दोपहर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने लगा। लोगों ने कौतूहल के कारण जाकर देखा तो एक्सिस बैंक के बगल दीवार पर पोस्टर लगा मिला। लोग उसकी फोटो खींचकर एक दूसरे को शेयर करने लगे। पोस्ट में कोई प्रिंट लाइन नहीं दिख रही है। सपा नेता का पोस्टर लगाने को लेकर तरह-तरह की चर्चा हो रही है। इस संबंध में कुंडा सीओ अमरनाथ गुप्ता का कहना है कि इनामी अपराधी गुलशन की गिरफ्तारी का प्रयास पुलिस लगातार कर रही है। उसका उसका पोस्टर लगने की जानकारी मिली है। इसे पुलिस ने नहीं लगवाया है, पता लगाया जा रहा है कि यह किसने किया है। गुलशन यादव के खिलाफ चल रही कार्रवाई केवल इनाम तक सीमित नहीं है। उनके खिलाफ अवैध तरीके से अर्जित संपत्तियों पर भी शिकंजा कसने की प्रक्रिया तेजी से चल रही है। अब तक उनके नाम और परिवारजनों के नाम पर मौजूद लगभग 7.15 करोड़ की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है।

गणेश विसर्जन के दौरान नाचते-नाचते गिरा 8वीं कक्षा का छात्र, हार्ट अटैक से मौत

अंबिकापुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बलरामपुर जिले के राजपुर में गणेश विसर्जन के दौरान डीजे की तेज आवाज के बीच नृत्य कर रहा स्कूली छात्र अचेत हो गया। उसे तत्काल अस्पताल ले जाया गया। लगभग 20 मिनट बाद पहुंचे चिकित्सक ने छात्र को मृत घोषित कर दिया। डीजे की तेज आवाज के कारण हृदयाघात से मौत की संभावना जताई जा रही है। राजपुर अस्पताल में चिकित्सक के नहीं रहने और स्वास्थ्य कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से बदसलूकी करने का आरोप लगा स्थानीय लोगों ने जमकर विरोध किया। पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हुआ।

राजपुर के महुआपारा निवासी ठेकेदार विकास गुप्ता का पुत्र प्रवीण गुप्ता (15) स्वामी आत्मानंद स्कूल राजपुर में कक्षा आठवीं की पढ़ाई करता था। शनिवार को वह गणेश पंडालों में पूजा - अर्चना में व्यस्त था। शाम को गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया जा रहा था। प्रवीण भी विसर्जन में शामिल हुआ। अन्य लोगों के साथ प्रवीण भी डीजे में बज रहे गाने पर नृत्य कर रहा था। अचानक उसे बेचैनी होने लगी और वह जमीन पर गिर गया।

अमेरिका के हवाई राज्य पर तूफान 'किको' का मंडराया खतरा

130किमी की स्पीड से आ रहा है; इमरजेंसी घोषित

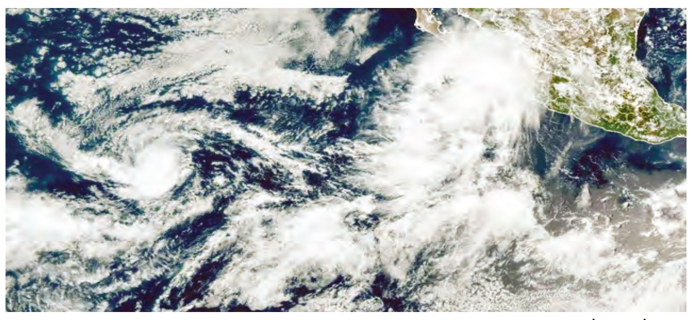

वॉशिंगटन, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिका का हवाई राज्य एक शक्तिशाली तूफान का सामना कर सकता है। श्रेणी 4 के तूफान 'किको' के द्वीप समूह के करीब आने के कारण प्रशासन ने आपातकाल की घोषणा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, राष्ट्रीय मौसम सेवा (एनडब्ल्यूएस) ने बताया कि सुबह यह तूफान होनोलूलू से लगभग 1,205 मील पूर्व-दक्षिण-पूर्व में था। इसकी हवाओं की रफ्तार 130 मील प्रति घंटे थी और यह 25 मील प्रति घंटे की गति से पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ रहा था।

मौसम विभाग का अनुमान है कि यह तूफान आइलैंड और माउई तक पहुंच सकता है। इसके सोमवार देर रात और सप्ताह के मध्य तक पूर्वी हवाई द्वीप समूह पर अपने चरम पर पहुंचने की संभावना है। कार्यवाहक गवर्नर सिल्विया ल्यूक ने आपातकाल की स्थिति घोषित करते हुए निवासियों और पर्यटकों से लगातार अपडेट्स पर नजर रखने और आधिकारिक दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अधिकारी किसी भी क्षति से निपटने के लिए संसाधनों को जुटाने, मलबा हटाने और बुनियादी ढांचे को सुरक्षित करने के लिए तैयार हैं।

कमजोर होकर तट से टकराने की उम्मीद

हालांकि, वर्तमान में यह तूफान बहुत शक्तिशाली है, लेकिन हवाई के आस-पास का ठंडा पानी इसके तट के करीब आते-आते इसे कमजोर कर सकता है। मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि बिग आइलैंड पर लैंडफॉल (तट से टकराने) से पहले यह श्रेणी 2 और 1 में बदल जाएगा और संभवतः एक उष्णकटिबंधीय तूफान में परिवर्तित हो जाएगा।

तीन दशकों बाद बड़ा खतरा

हवाई इमरजेंसी मैनेजमेंट एजेंसी (ईएमए) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि यदि यह तूफान अपनी ताकत बरकरार रखता है, तो हवाई को तीन दशकों में पहली बार किसी बड़े तूफान का सामना करना पड़ सकता है। इससे पहले सितंबर 1992 में आए तूफान 'इनिकी' ने राज्य में काफी तबाही मचाई थी, जो हवाई के इतिहास का सबसे शक्तिशाली और विनाशकारी तूफान था। उस समय इसकी हवाओं की गति 145 मील प्रति घंटे थी।

हम आतंकियों से डील नहीं करते... कहां गई अमेरिका की पुरानी अकड़

पहले तालिबान, अब हमास से कर रहा बात

वॉशिंगटन, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वॉशिंगटन फिलिस्तीनी उग्रवादी समूह हमास के साथ बहुत गहन बातचीत कर रहा है। ट्रंप का यह बयान तब आया है, जब इजरायल ने अमेरिका से हमास के कब्जे में अब भी मौजूद अपने बंधकों की रिहाई का आग्रह किया है। हालांकि, ट्रंप का यह ऐलान अमेरिका की कथनी और करनी में अंतर जरूर दिखाता है कि वह आतंकवादियों से बात नहीं करता। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब अमेरिका ने संयुक्त राष्ट्र ही नहीं, खुद के विदेश विभाग से प्रतिबंधित आतंकवादियों के साथ एक मेज पर बैठकर बातचीत की है। ट्रंप ने संवाददाताओं से कहा, हम हमास के साथ बहुत गहन बातचीत कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर हमास इजरायली बंधकों को बंधक बनाए रखता है तो स्थिति कठिन और खतरनाक होगी। उन्होंने यह भी बताया, हमने कहा था कि उन्हें अभी छोड़ दो। और उनके लिए बहुत बेहतर चीजें होंगी, लेकिन अगर आप उन्हें नहीं छोड़ते हैं, तो यह एक कठिन स्थिति होगी, यह खतरनाक होगी। उन्होंने आगे कहा कि हमास कुछ ऐसी चीजों की मांग कर रहा है जो ठीक हैं। हालांकि, ट्रंप ने इसके बारे में कुछ नहीं बताया।कागजों और जुबान से अमेरिका आतंकवाद को लेकर जीरो टॉलरेंस की नीति पर जोर देता है। वह कहता है कि आतंकवादियों के साथ किसी भी तरह की बातचीत या समझौता नहीं किया जा सकता है।

अगर पूरी दुनिया में एक साथ भूकंप आ जाए तो क्या होगा

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अगर पूरी दुनिया में एक साथ भूकंप आ जाए तो क्या होगा? ऐसे सवाल मन में उठ सकते हैं। हालांकि, ऐसा होने वाला नहीं, क्योंकि यह वैज्ञानिक रूप से संभव नहीं है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि भूकंप टेक्टोनिक प्लेट्स के खिसकने से आते हैं और हर क्षेत्र की प्लेट्स अलग-अलग समय पर चलती हैं। लेकिन अगर ऐसा हुआ, तो यह एक बड़े विनाश की तरह होगा और पृथ्वी पर तबाही मच जाएगी। अगर ऐसा हुआ तो हर महाद्वीप, हर शहर एक साथ हिलने लगेगा।

पूरी दुनिया में भूकंप आ जाए तो महासागरों में सुनामी की बाढ़ आ जाएगी। समुद्र तल से पानी की विशाल लहरें उठने लगेंगी, जो तटों को तबाह कर देंगी। इससे मुंबई, न्यूयॉर्क और टोक्यो जैसे तटीय शहर पानी में डूब जाएंगे। पानी का संतुलन बिगड़ने से समुद्री जीवों को भी भारी नुकसान होगा। पहाड़ों में भूस्खलन होगा और हिमालय जैसे पर्वत गिर सकते हैं। ज्वालामुखी सक्रिय हो जाएंगे और जहरीली गैसें हवा में फैलेंगी, जो आस-पास की जिंदगी खत्म कर देंगी।

वहीं, हिमस्खलन से बर्फीले इलाके भी तबाह हो सकते हैं। बड़ी-बड़ी इमारतें, पुल और सड़कें पल भर में टूट जाएंगी। बिजली, पानी और संचार व्यवस्था ठप हो जाएगी। इससे धरती की सतह फट जाएगी और नई घाटियां या पहाड़ बन सकते हैं, जिससे पृथ्वी का नक्शा बदल जाएगा। ज्वालामुखियों से निकलने वाली राख और गैसों से हवा जहरीली हो जाएगी और सांस लेना मुश्किल हो जाएगा।

भूकंप से उठी धूल आसमान को ढक लेगी और इससे सूरज की रोशनी कम हो सकती है, जिससे तापमान गिरेगा और इससे मौसम में बड़े बदलवा होंगे। इसकी वजह से जानवरों और पेड़-पौधों की कई प्रजातियां खत्म हो जाएंगी। पूरी दुनिया में एक साथ भूकंप आने के बाद भी पृथ्वी पूरी तरह खत्म नहीं होगी, क्योंकि ग्रह का कोर और स्ट्रक्चर बहुत मजबूत है। हालांकि, सतह पर मौजूद जिंदगियों को भारी नुकसान होगा। खाने, पानी और बिजली जैसी मूलभूत सुविधाएं खत्म हो जाएंगी, जिससे इंसानी सभ्यता खतरे में पड़ जाएगी।

रूस के निशाने पर जेलेंस्की के मंत्री

रिहाइशी इलाके में ड्रोन-मिसाइल से ताबड़तोड़ हमला

कीव, 7 सितंबर (एजेंसियां)। रूस ने रविवार को यूक्रेन की राजधानी कीव स्थित मंत्रिपरिषद भवन पर ड्रोन और मिसाइलें दागीं। इसके बाद मंत्रिपरिषद भवन की छत से धुआं उठते देखा गया। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग बुझाने में जुटे हुए हैं। इस इमारत में मंत्रियों के घर और कार्यालय दोनो हैं। रूसी हमलों में एक बच्चे समेत 4 लोगों की मौत हुई, 18 लोग घायल हैं। रूस ने कीव में बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागी हैं। राजधानी में सरकारी मुख्यालय समेत कई रिहायशी इमारतों में आग लगी है। कीव के मेयर विटाली क्लिट्स्को ने बताया कि हमले की शुरुआत शहर पर ड्रोन हमलों से हुई और उसके बाद मिसाइल हमले हुए। रूस अब तक सरकारी इमारतों को निशाना बनाने से बचता रहा है। माना जा रहा है कि रूस अब यूक्रेन पर हवाई हमले बढ़ाने वाला है।

शांति वार्ता की उम्मीद खत्म

रविवार को बीते 2 हफ्ते में कीव पर दूसरा सबसे बड़ा हमला हुआ है। अब दोनों देशों के बीच शांति वार्ता की उम्मीदें कम होती जा रही हैं। डार्नित्स्की में एक रिहायशी इमारत की 2 मंजिल में आग लग गई। कीव के पश्चिमी स्वियातोशिन्स्की जिले में भी 9 मंजिला इमारत मिसाइल हमलों की वजह से आग की चपेट में आ गई। मेयर विटाली मालेत्स्की ने बताया कि यूक्रेन के क्रेमेनचुक शहर में दर्जनों ब्लास्ट हुए हैं, जिससे कुछ इलाकों की बिजली सप्लाई रुक गई है। मिलिट्री एडमिनिस्ट्रेशन के चीफ ओलेक्सांद्र विल्कुल ने बताया क्रिवी रिह में हुए रूस ने ट्रांसपोर्ट और शहरी ढांचे को निशाना बनाया। दक्षिणी यूक्रेन के ओडेसा में रिहायशी इमारतों को नुकसान पहुंचा है।

पोलैंड ने अपने विमान सक्रिय किए

रूस ने हमलों को लेकर अभी कोई टिप्पणी नहीं की है। दोनों पक्ष जानबूझकर नागरिकों को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। इसके बावजूद जंग में हजारों नागरिकों की मौत हुई है। उधर, पोलिश आर्म्ड फोर्सेज का कहना है कि पश्चिमी यूक्रेन पर हवाई हमलों का खतरा मंडरा रहा है, इसलिए हवाई सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हमने अपने विमान सक्रिय कर दिए हैं।

चुपके-चुपके जिनपिंग से मिलने की तैयारी कर रहे ट्रंप

साउथ कोरिया में साथ बैठने का प्लान

वॉशिंगटन, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और उनके टॉप सलाहकार इस साल साउथ कोरिया जा सकते हैं। ट्रंप का यह दौरा अक्टूबर के आखिर में होगा। इस दौरान ट्रंप एशिया-प्रशांत आर्थिक सहयोग (एपेक) शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। ट्रंप चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मिल सकते हैं। मीटिंग को लेकर योजना बन रही है, हालांकि अभी तक शेड्यूल तय नहीं हो पाया है रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप और जिनपिंग के बीच एपेक समिट के दौरान द्विपक्षीय बैठक हो सकती है। ट्रंप और जिनपिंग की मुलाकात ऐसे समय होगी है, जब अमेरिका और चीन के बीच व्यापारिक तनाव बढ़ा हुआ है, खासकर ट्रंप की ओर से लगाए गए टैरिफ को लेकर। ट्रंप उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से भी मुलाकात कर सकते हैं। पिछले महीने ट्रंप और जिनपिंग के बीच फोन पर बातचीत हुई थी। इस दौरान जिनपिंग ने ट्रंप और उनकी पत्नी को चीन आने का न्योता दिया था।

ट्रंप का जवाब भी सकारात्मक रहा, लेकिन दोनों नेताओं के मुलाकात की तारीख तय नहीं पाई है। एपेक समिट के अक्टूबर के अंत में ग्योंगजू में होगा। इस यात्रा को ट्रंप के लिए अमेरिका में आर्थिक निवेश सुनिश्चित करने के अवसर के रूप में भी देख रहा है। यह भी कहा जा रहा है कि ट्रंप अपनी यात्रा में अन्य देशों के दौरे पर भी जा सकते हैं। यह भी कहा जा रहा है कि ट्रंप इस दौरे में उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग उन से भी मिल सकते हैं। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि किम एपेक समिट में शामिल होंगे या नहीं। व्हाइट हाउस के अधिकारियों के मुताबिक, ट्रंप के साउथ कोरिया दौरे का मकसद अमेरिका में आर्थिक निवेश बढ़ाना, व्यापार, रक्षा और न्यूक्लियर सहयोग पर चर्चा करना है।

ट्रंप ने पिछले हफ्ते व्हाइट हाउस में साउथ कोरिया के राष्ट्रपति ली जे म्युंग से मुलाकात की थी। म्युंग ने ट्रंप को एपेक समिट के लिए इनवाइट किया। म्युंग ने ट्रंप और किम के बीच मीटिंग का प्रस्ताव रखा था। ट्रंप अपने पहले कार्यकाल में 3 बार किम जोंग उन से मिल चुके हैं। ट्रंप ने ली से कहा कि वह किम से मिलना चाहते हैं। ट्रंप का साउथ कोरिया दौरा ऐसे समय हो रहा है, जब शी और किम के साथ उनके संबंध नाजुक दौर में हैं।

नाइजीरिया में बोको हरम ने मचाया कत्लेआम

पूरे गांव को बना दिया 'कब्रिस्तान', एक रात में 60 लोगों की बर्बर हत्या

अबुजा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बोको हरम के आतंकियों ने उत्तर-पूर्वी नाइजीरिया में भारी कत्लेआम मचाया है। बोको हरम ने एक गांव पर हमला करते हुए कम से कम 60 लोगों को मार डाला। 60 लोगों की हत्या को सिर्फ एक रात में अंजाम दिया गया है। इस दौरान कई लोगों को चोटे लगी हैं और बड़ी संख्या में घरों को जलाया गया है। बाको हरम के हमले का शिकार हुए गांव में आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों के लिए बंद शिविर से लौटे लोग रह रहे थे। यह हमला बोर्नो के दारुल जमाल गांव में हुआ। यहां के स्थानीय निवासी मोहम्मद बाबागाना ने एपी को बताया कि इसमें कम से कम 60 लोग मारे गए हैं।

बोर्नो राज्य के गवर्नर बाबागाना जुलुम नेशनिवार देर शाम घटनास्थल का दौरा करने के बाद कहा कि 60 से ज्यादा मौते हुई हैं। उन्होंने कहा कि जानमाल का नुकसान बड़े पैमाने पर हुआ है। जुलुम ने कहा कि हमें लोगों के प्रति सहानुभूति है। हमारा अनुरोध है कि वे अपने घरों को ना छोड़ें। उन्होंने कहा, 'नाइजीरियाई सेना की संख्या बल स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पर्याप्त नहीं है। फॉरेस्ट गार्ड्स नामक एक नवगठित बल को युद्धग्रस्त क्षेत्र में सुरक्षाकर्मियों को मजबूत करने के लिए तैनात किया गया है। बामा की स्थानीय सरकार के चेयरमैन मोडू गुज्जा ने कहा कि एक दर्जन से अधिक घर जला दिए गए। इससे 100 से अधिक लोगों को अपने घर छोड़ने पर मजबूर होना पड़ा है। नाइजीरियाई वायु सेना के प्रवक्ता एहिमेन एजोडेम ने कहा कि पता चला कि आतंकवादी दिखे हैं। इसके बाद उन पर हमले किए गए।

गवर्नर जुलुम ने इस साल अप्रैल में चेतावनी दी थी कि बोको हरम नए सिरे से हमले करने और राज्य के कुछ हिस्सों पर कब्जा करने के बाद वापसी कर रहा है। बोर्नो इस समूह के 15 साल के विद्रोह का केंद्र रहा है। इसने 20 लाख से ज्यादा लोगों को घर छोड़ने पर मजबूर किया है और 40,000 से ज्यादा लोगों की मौत हुई है।

दस लाख का इनामी नक्सली कमांडर अमित हांसदा मुठभेड़ में ढेर

रांची, 7 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में रविवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में एक माओवादी मारा गया। पुलिस के अनुसार, यह मुठभेड़ सुबह-सुबह गोइलकेरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र के बरजूवा पहाड़ी पर हुई। रेलापेराल जंगल में रविवार सुबह सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच भीषण मुठभेड़ हुई। इस दौरान कोबरा जवानों ने एक नक्सली को मार गिराया। मारे गए नक्सली की पहचान दस लाख के इनामी जोनल कमांडर अमित हांसदा उर्फ अपटन के रूप में हुई है। मुठभेड़ के बाद मौके से एक हथियार भी बरामद किया गया है। जानकारी के अनुसार, कोबरा जवान नक्सल प्रभावित इलाके में सर्च ऑपरेशन पर निकले थे। सुबह करीब 6.30 बजे नक्सलियों ने सुरक्षाबलों पर फायरिंग शुरू कर दी, जिसके बाद दोनों ओर से कई राउंड गोलियां चलीं।

फिलहाल इलाके में सर्च अभियान जारी है और सुरक्षाबलों ने आसपास के क्षेत्रों को घेर लिया है। अधिकारियों ने बताया कि नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना के बाद अभियान को तेज किया गया है। इस कार्रवाई से नक्सलियों के मनोबल पर असर पड़ने की उम्मीद है। कोल्हान के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) अनुरंजन किस्पोट्टा ने कहा, ''सुबह नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच एक मुठभेड़ हुई। बाद में तलाशी अभियान के दौरान एक शव बरामद किया गया है।'' पुलिस महानिरीक्षक (अभियान) एवं झारखंड पुलिस के प्रवक्ता माइकल राज एस ने बताया, ''मारे गए नक्सली की पहचान अमित हंसदा उर्फ अप्टन के रूप में हुई है, जो भाकपा (माओवादी) का स्वयंभू जोनल कमांडर था और उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था।

उन्होंने कहा कि इलाके में तलाशी अभियान अभी जारी है। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि चाईबासा के पुलिस अधीक्षक को गोइलकेरा थानाक्षेत्र के रेलापारल इलाके में नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर सुरक्षा बलों की टीम ने सुबह तलाशी अभियान चलाया और सुबह करीब छह बजे मुठभेड़ शुरू हुई। अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों के भारी पड़ने पर नक्सली घने जंगलों में भाग गए। उन्होंने बताया कि बाद में सुरक्षा बलों द्वारा तलाशी अभियान के दौरान नक्सली अमित हंसदा का शव बरामद किया गया, साथ ही वहां एक आग्नेयास्त्र भी मिला।

सेना के जवान से भिड़े पुलिसकर्मी

घर में लगे भगवा झंडे को हटवाने पहुंचे थे, मचा हड़कंप

दुर्ग, 7 सितंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग में मचानदूर गांव में आर्मी जवान और पुलिसकर्मियों के बीच विवाद का मामला गरमा गया है। आरोप है कि ईद के मौके पर पुलिस घर में लगे भगवा झंडे को हटवाने पहुंची और इस दौरान जवान के साथ अभद्र व्यवहार किया गया। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला और तूल पकड़ गया है। मचानदूर चौकी थाना क्षेत्र के मचानदूर गांव में रहने वाली नेहा निषाद ने आरोप लगाया है कि रात दो पुलिसकर्मी उनके घर पहुंचे और भगवान राम का झंडा जबरन हटाने की कोशिश की। इस दौरान उनके बेटे कौशल निषाद, जो आर्मी में पदस्थ हैं और छुट्टी पर घर आए हुए थे, उनसे झगड़ा किया गया। नेहा निषाद का कहना है कि पुलिसवालों ने उनके बेटे का कॉलर पकड़कर गाली-गलौज की और थाने ले जाने की धमकी भी दी। उन्होंने सवाल उठाया कि क्या अब हिंदू परिवारों को अपने घर पर धार्मिक प्रतीक लगाने के लिए किसी और समुदाय से इजाजत लेनी होगी। इस पूरे मामले के बाद बजरंग दल पीड़ित परिवार के समर्थन में सामने आया। संगठन के संयोजक रवि निगम ने आरोप लगाया कि मचानदूर गांव में करीब 40 से 50 मुस्लिम परिवार रहते हैं जबकि केवल दो हिंदू परिवार हैं और इन्हीं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है।

उन्होंने जिला कलेक्ट्रेट का घेराव कर पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और मांग की कि दोषी पुलिस कर्मियों को निलंबित कर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाए। मामला गरमाने के बाद दुर्ग के एएसपी अभिषेक सिंह ने सफाई दी है। उन्होंने कहा कि घटना मचानदूर चौकी क्षेत्र की है और इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। जिन पुलिस कर्मियों पर आरोप लगे हैं उनके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की सिफारिश की गई है। साथ ही गांव में अवैध रूप से रह रहे लोगों की जांच भी शुरू कर दी गई है और इसके लिए राजस्व विभाग को पत्राचार किया गया है।

अरिजीत सिंह और प्रियंका चोपड़ा समेत देश-विदेश के कलाकारों को बुलाने की तैयारी

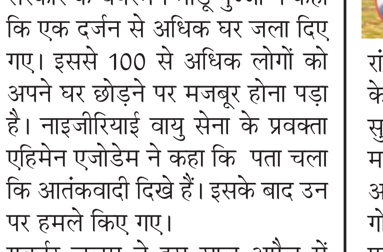

रांची, 7 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड राज्य की स्थापना को इस साल 15 नवंबर को पूरे 25 साल हो जायेंगे। राज्य की 25वीं वर्षगांठ पर भव्य उत्सव की तैयारियां की जा रही है। इस वर्ष आयोजन की गूंज भगवान बिरसा मुंडा की जन्मस्थली उलिहातू से लेकर दिल्ली तक पहुंचे, इसी सोच के साथ कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार हो रही है। राजधानी रांची के मोरहाबादी मैदान में 4 दिवसीय भव्य समारोह का आयोजन होगा। इस समारोह में देश-विदेश से कई कलाकारों को बुलाने पर भी विचार किया जा रहा है। रांची के मोरहाबादी मैदान में आयोजित होने वाले 4 दिवसीय मुख्य समारोह में कई कलाकार भी समां बांधेंगे। इसके लिए झारखंड निवासी बॉलीवुड सिंगर शिल्पा राव अभिनेता आर माधवन समेत अन्य कलाकारों को बुलाने की तैयारी की जा रही है। वहीं समारोह में बॉलीवुड सिंगर अरिजीत सिंह को भी बुलाने की योजना है। फिलहाल तिथि को लेकर बातचीत चल रही है। सिंगर से 15 से 18 नवंबर के बीच किसी एक दिन देने की मांग की गयी है। स्थापना दिवस समारोह को भव्य बनाने के लिए झारखंड सरकार की योजना है कि देश-दुनिया में पहचान बना चुके झारखंडी कलाकारों को आमंत्रित किया जाये। प्रियंका चोपड़ा, आर माधवन, तनुश्री दत्ता, इम्तियाज अली, जीशान कादरी, कृष्णा भारद्वाज और अलीशा सिंह जैसे नामों से संपर्क साधा जा रहा है।

पुलिस स्टेशन में 200 से ज्यादा गाय

झारखंड का ये थाना कैसे बना गौशाला

रांची, 7 सितंबर (एजेंसियां)। झारखंड के गढ़वा में एक पुलिस थाना अस्थायी तौर पर गौशाला में तब बदल गया जब पुलिस ने गुरुवार सुबह की गई कार्रवाई के दौरान लगभग 200 मवेशियों को जब्त किया। इन मवेशियों को रखने के लिए कोई और जगह उपलब्ध न होने के की वजह से पुलिस ने थाने के परिसर को ही कुछ समय के लिए अस्थायी गौशाला के रूप में इस्तेमाल किया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शुक्रवार रात इन मवेशियों को गढ़वा से लगभग 55 किलोमीटर दूर स्थित पलामू जिले की एक गौशाला में भेज दिया गया। बजरंग दल के जिला प्रमुख सोनू सिंह ने दावा करते हुए कहा कि उन्होंने अधिकारियों को कथित पशु तस्करी की सूचना दी थी, जिसके बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए गायों को अपने कब्ज़े में लिया।

उत्तर प्रदेश और छत्तीसगढ़ से मवेशियों की तस्करी छोटे-छोटे समूहों में की जा रही थी। करीब 250 जानवरों को इस दौरान बचाया गया। तीन लोगों को पकड़ा गया। लेकिन गढ़वा के पुलिस SP अमन कुमार ने साफ किया कि अब तक इस बात के कोई भी सबूत नहीं मिले हैं कि मवेशियों को वध के उद्देश्य से ले जाया जा रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि इस मामले में अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। हफ्ते में लगने वाले बाजार के लिए लगभग 170 मवेशी यहां लाए गए थे। मवेशियों का व्यापार आम बात है।

इनकों वध के लिए ले जाया जा रहा हो, इस बात के सबूत होने चाहिए। एसपी के अनुसार, पुलिस को जो शिकायतें प्राप्त हुई थीं, उसी के आधार पर कार्रवाई की गई है और वो किए गए दावों की पुष्टि कर रहे हैं। मामले की जांच अभी जारी है। वहीं इस मामले में बजरंग दल के नेता ने आरोप लगाते हुए कहा है कि इस रैकेट के पीछे कुछ बड़े लोगों का हाथ है।

रूस ने बनाई कोलन कैंसर की वैक्सीन, प्रीक्लिनिकल ट्रायल में 80% तक असरदार

मॉस्को, 7 सितंबर (एजेंसियां)। रूस के वैज्ञानिकों ने कोलन (बड़ी आंत) कैंसर के इलाज के लिए एक नई वैक्सीन तैयार कर ली है। यह वैक्सीन प्रीक्लिनिकल ट्रायल (प्रारंभिक चरण के परीक्षण) में पूरी तरह सफल रही है। रूस की फेडरल मेडिकल एंड बायोलॉजिकल एजेंसी (एफएमबीए) की प्रमुख वेरोनिका स्क्वॉर्त्सोवा ने यह जानकारी ईस्टर्न इकोनॉमिक फोरम (ईईएफ) के दौरान दी।

उन्होंने कहा कि वैक्सीन अब उपयोग के लिए तैयार स्क्वॉर्त्सोवा ने बताया कि इस वैक्सीन पर कई वर्षों से काम चल रहा था। पिछले तीन साल केवल अनिवार्य प्रीक्लिनिकल स्टडी में लगाए गए। इन स्टडी में यह साबित हुआ कि वैक्सीन पूरी तरह सुरक्षित है, चाहे इसे बार-बार ही क्यों न दिया जाए। इसके अलावा, यह वैक्सीन बेहद प्रभावी साबित हुई है। इससे ट्यूमर (गांठ) का आकार 60% से 80% तक कम हुआ और कैंसर की प्रगति धीमी हो गई। वहीं मरीजों की जीवन प्रत्याशा में भी सुधार देखा गया। इस वैक्सीन का पहला उपयोग कोलोरेक्टल कैंसर के इलाज में किया जाएगा।

ऐसा क्या हुआ कि ब्रिटिश पार्लियामेंट के बाहर पहुंच गए सैकड़ों प्रदर्शनकारी

लंदन, 7 सितंबर (एजेंसियां)। ब्रिटेन का पार्लियामेंट स्क्वॉयर अचानक भीड़ के सैलाब से पट गया, जब सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने संसद भवन को घेर लिया। यह देखकर लंदन पुलिस के भी हाथ-पांव फूल गए। आपको यह जान कर हैरानी होगी कि ये प्रदर्शनकारी ब्रिटिश सरकार द्वारा एक संगठन को आतंकवादी समूह घोषित किए जाने के खिलाफ इकट्ठा हुए थे। प्रदर्शनकारी ब्रिटिश सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए पार्लियामेंट के बाहर जोरदार हंगामा करने लगे। यह देखते हुए पुलिस ने एक्शन लेना शुरू कर दिया और इस दौरान 400 से ज्यादा प्रदर्शनकारियों को गिरफ्तार कर लिया। ब्रिटिश पार्लियामेंट के बाहर सैकड़ों लोगों की भीड़ देखी जा सकती है। प्रोटेस्ट के वीडियो को देखकर आप भी हैरान रह जाएंगे। आइये अब आपको बताते हैं कि ये प्रदर्शनकारी कौन थे और आखिर क्यों ब्रिटिश पार्लियामेंट के बाहर इकट्ठा हुए थे। बता दें कि संसद के बाहर बड़ी संख्या में जुटे ये लोग 'फिलस्तीन एक्शन' समूह पर लगे प्रतिबंध के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करने के लिए जुटे थे, जिन्हें पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। हालांकि पुलिस करीब 400 लोगों को ही गिरफ्तार कर सकी। अन्य प्रदर्शनकारी पुलिस के लिए चुनौती बने रहे। ब्रिटेन की सरकार ने 'फिलस्तीन एक्शन' समूह को आतंकवादी संगठन घोषित किया है। प्रदर्शनकारी संसद के बाहर सरकार के इस फैसले का विरोध करने के लिए इकट्ठा हुए थे। विरोध प्रदर्शन का आयोजन करने वाले समूह 'डिफेंड अवर ज्यूरीज' ने कहा कि लंदन में प्रदर्शन में 1,500 से ज्यादा लोग शामिल हुए और उन्होंने 'मैं नरसंहार का विरोध करता हूं, मैं फिलस्तीनी कार्रवाई का समर्थन करता हूं'

स्वतंत्र वार्ता

सोमवार, 8 सितंबर- 2025

पर्दे के पीछे से बड़े खेल

भारत में अगले अमेरिकी राजदूत के रूप में सर्जियो गोर को चुनकर डोनाल्ड ट्रंप ने जो कदम उठाया है, उसका असर अब दिखने लगा है। सर्जियो, ट्रंप और ट्रंप फैमिली के बहुत करीबी माने जाते हैं, ऐसे में यह कहने में कोई गुरेज नहीं है कि भारत-अमेरिका रिश्ते में वह सीधे ट्रंप को रिपोर्ट करेंगे। इसलिए माना जा रहा है कि वे भारत से 'दोस्ती' वाले दांव में अहम रोल निभा सकते हैं। जाहिर है ट्रंप का यह चयन दोनों देशों के रिश्तों में मौजूदा चुनौतियों और उथल-पुथल के बीच एक बड़ा बदलाव लाने में अहम भूमिका निभा सकता है। ट्रंप की निकटता का इस्तेमाल करके गोर भारत और अमेरिका की साझेदारी में मौजूदा अड़चनों को दूर करने के लिए भारत के विचारों को ट्रंप से सीधे साझा कर सकते हैं। गोर दोनों देशों के बीज एक पुल बनाने वाले की भूमिका उस दौर में निभा सकते हैं जब अमेरिकी ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो और वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लुटनिक जैसे लोगों द्वारा संबंधों को बिगाड़ने में निभाई जा रही भूमिका जगजाहिर हो चुकी है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के निवास व्हाइट हाउस में उनके व्यक्तिगत मामलों को इमानदारी से संभालने वाले गोर को अमेरिकी राष्ट्रपति का सबसे विश्वसनीय और भरोसेमंद माना जाता है। बता दें कि गोर भारत के लिए कोई अजनबी नहीं हैं और भारतीय प्रतिष्ठान के कई प्रमुख लोगों से भलीभांति परिचित हैं। जैसा कि अमेरिका में निर्णय लेने की प्रक्रिया मुख्य रूप से ट्रंप की ही होती है, इसलिए उनके करीबी की भारतीय राजदूत के रूप में नियुक्ति भारत-अमेरिका संबंधों के लिए चुनौतियों से पार पाने में फायदेमंद मानी जा रही है। गोर की ट्रंप के साथ नज़दीकी गतिरोध को 'तोड़ने' में मददगार साबित हो सकती है। क्योंकि गोर भारत की चिंताओं को सीधे राष्ट्रपति तक पहुंचा सकेंगे, जबकि एक पेशेवर राजनयिक की राष्ट्रपति तक सीधी पहुंच नहीं हो सकती है। जानकारों का कहना है कि गोर के ट्रंप परिवार, जिसमें इवांका ट्रंप, जेरेड कुशनर और डोनाल्ड ट्रंप जूनियर भी शामिल हैं, के साथ भी बहुत ही मज़बूत संबंध हैं। कुशनर ने तो एक बार खुलेआम ज़िक्र किया था कि गोर पर भरोसा न करने का कोई कारण नजर नहीं आता है। गोर अपने स्कूल और कॉलेज के दिनों से ही रिपब्लिकन राजनीति में रुचि रखते रहे हैं। 2008 में, वह रिपब्लिकन नेशनल कमेटी में जूनियर कर्मचारी बन गए थे। 2020 में ट्रंप की फंड रेजिंग वाली टीम में शामिल होने से पहले उन्होंने कई रिपब्लिकन राजनेताओं के साथ काम किया। कुछ हफ़्ते पहले नियुक्ति की घोषणा करते हुए ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल प्लेटफ़ॉर्म पर लिखा था, 'दुनिया के सबसे ज़्यादा आबादी वाले क्षेत्र के लिए, यह ज़रूरी है कि मेरे पास कोई ऐसा व्यक्ति हो जिस पर मैं अपने एजेंडे को पूरा करने और अमेरिका को फिर से महान बनाने में हमारी मदद करने के लिए पूरी तरह भरोसा कर सकूं। उन्होंने लिखा था, 'सर्जियो एक विश्वसनीय राजदूत बनेंगे। यह ट्रंप का ट्रंप कार्ड सिद्ध होगा या कुछ और जल्द ही इसका परिणाम भी सामने आने लगेगा। बहरहाल, पर्दे के पीछे से अमेरिका बडे खेल की तैयारी भी न कर रहा हो, आखिर इसकी भी क्या गारंटी हो सकती है।

अपराधियों का राजनीतिकरण बनाम राजनीति का अपराधीकरण!

मनोज कुमार अग्रवाल

एक ताजा रिपोर्ट ने भारतीय राजनीति की हकीकत को बेपर्दा कर दिया है. इस रिपोर्ट में बताया गया कि देश के 643 मंत्रियों में से 302 (47%) ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले घोषित किए हैं. इनमें से 174 मंत्री गंभीर अपराधों जैसे हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध में आरोपित हैं। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत में राजनीति के अपराधीकरण को रोकने की बात लंबे अरसे से हो रही है। चुनाव आयोग से लेकर सुप्रीम कोर्ट के तमाम प्रयासों के बावजूद देश की राजनीति में अपराधीकरण कम होने के बजाए बढ़ता ही जा रहा है। हालांकि राजनीति में अपराधी तत्वों की घुसपैठ कोई नया मुद्दा नहीं है, लेकिन जिस पैमाने पर यह बढ़ा है, वह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफार्म्स की ताज़ा रिपोर्ट इस सच्चाई को बयान करती है कि देश के लगभग आधे मंत्री ऐसे हैं, जिन पर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

इनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर मामले भी शामिल हैं।

अब सवाल यह आता है कि जब कानून बनाने और उसे लागू कराने वाले ही दागी होंगे तो क्या वे सचमुच न्याय और निष्पक्ष शासन की रक्षा कर पाएंगे? एडीआर के एक विश्लेषण के अनुसार देश के लगभग 47 प्रतिशत मंत्रियों ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है, जिनमें हत्या, अपहरण और महिलाओं के खिलाफ अपराध जैसे गंभीर आरोप शामिल हैं। यह रिपोर्ट केंद्र सरकार द्वारा उन तीन विधेयकों को संसद में पेश किए जाने के कुछ दिन बाद आई है, जिनमें गंभीर आपराधिक आरोपों में गिरफ्तारी के बाद 30 दिन तक हिरासत में रहने पर प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को पद से हटाने का प्रावधान है। हाल ही में एडीआर ने 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्रशासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 643 मंत्रियों के हलफनामों का अध्ययन किया और पाया कि 302 मंत्रियों, यानी कुल मंत्रियों के 47 प्रतिशत के खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि इन 302 मंत्रियों में से 174 पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। विश्लेषण के अनुसार भाजपा के 336 मंत्रियों में से 136 यानी 40 प्रतिशत ने अपने खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज होने की घोषणा की है और 88 यानी 26 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। कांग्रेस शासित चार राज्यों में पार्टी के 45 मंत्रियों यानी 74 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 18 यानी 30 प्रतिशत के खिलाफ गंभीर अपराध दर्ज हैं।

द्रमुक के 31 मंत्रियों में से 27 यानी लगभग 87 प्रतिशत पर आपराधिक आरोप हैं, जबकि 14 यानी 45 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं। तृणमूल कांग्रेस के भी 40 में से 13 मंत्रियों यानी 33 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जिनमें से 8 वानी 20 प्रतिशत पर गंभीर आरोप हैं। तेलुगु देशम पार्टी (तेदेपा) का अनुपात सबसे ज्यादा है, जिसके 23 में से 22 मंत्रियों यानी 96 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं और 13 यानी 57 प्रतिशत पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। आप के 16 में से 11 यानी 69 प्रतिशत पर आपराधिक मामले दर्ज हैं, जबकि पांच यानी 31 प्रतिशत पर गंभीर मामले दर्ज हैं। राष्ट्रीय स्तर पर 72 केंद्रीय मंत्रियों में से 29 यानी 40 प्रतिशत ने अपने हलफनामों में आपराधिक मामले घोषित किए हैं। आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु विहार, ओडिशा, महाराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, तेलंगाना, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली और पुडुचेरी में 60 प्रतिशत से ज्यादा मंत्रियों पर आपराधिक मामले दर्ज हैं। इसके विपरीत हरियाणा, जम्मू-कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड के मंत्रियों ने अपने खिलाफ कोई आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने की सूचना दी है। देखा जाए तो सभी पार्टियों में दागी नेता है, जबकि देश के सभी दल अपराध मुक्त राजनीति की बात करते हैं। आंकड़ों को देखने के बाद साफ है कि हिंदुस्तान की सियासत आज जिस रास्ते पर चल रही है वह भ्रष्टाचार और अपराध से लबालब है। आपको पता है चुनाव में बढ़ता धनबल, बाहुबल और अपराधीकरण लोकतंत्र को अंदर ही अंदर खा रहा है। जब कानून के निर्माता और रखवाले ही अपराध में सने होंगे तो उनसे कैसे उम्मीद की जा सकती है कि लोकतंत्र को स्वस्थ रख सकेंगे। पहले तो बिहार और उत्तर प्रदेश को ही आपराधिक राजनीति का गढ़ कहा जाता था, लेकिन पिछले दो-तीन दशकों से सभी राज्यों में ऐसी प्रवृत्ति के नेताओं की संख्या में इजाफा हुआ है।

आज नेताओं का उद्देश्य चुनाव जीतकर देश सेवा करना नहीं, बल्कि सत्ता हासिल कर हुकूमत करना है।कालेजियम व्यवस्था के रहते हमारी न्यायपालिका को भी पूर्ण पवित्र नहीं कहा जा सकता है। राजनीति का अपराधीकरण केवल संसद और विधानसभाओं को ही प्रभावित नहीं करता, वरन समाज और लोकतंत्र की जड़ें खोखली कर देता है। लेकिन चिंता की बात यह है कि राजनीतिक पार्टियों के द्वारा चुनाव जीतने के लिए दागी उम्मीदवारों को टिकट देने में कोई परहेज नहीं किया जाता है। 'हमाम में सभी नंगे हैं' की तर्ज पर सभी राजनीतिक पार्टियों की गोद में ऐसे अनेक नेताओं की किलकारियां गूंजती हैं, जो अपराध में आकंठ डूबे हैं। चुनावों में अपराधीकरण बढ़ने का बड़ा कारण चुनावी व्यवस्था की खामियां हैं। चुनाव लड़ने के लिए अपार धन की जरूरत होती है, और यही धनबल राजनीति में अपराधियों के लिए रास्ता खोल देता है। अपराध से अर्जित धन चुनावी मैदान में खर्च होता है और उसके बदले सत्ता का संरक्षण अपराधियों को मिलता है। बाहुबल और धनबल के सहारे चुनाव जीतने वाले जनप्रतिनिधि जनता के प्रति कम और अपने अपराधी गिरोह के प्रति ज्यादा जवाबदेह हो जाते हैं। हालांकि इस दिशा में पिछले कुछ समय में सुप्रीम कोर्ट और चुनाव आयोग के तरफ से कई कदम उठाए गए हैं, इनके भी हाथ बंधे हुए हैं। शीर्ष न्यायालय बार-बार कह चुका है। चुका है कि गंभीर आपराधिक मामलों में फंसे व्यक्तियों को चुनाव लड़ने से रोका जाना चाहिए। लेकिन राजनीतिक दल वोट बैंक की मजबूरी में ऐसे उम्मीदवारों को टिकट देने से बाज नहीं आते हैं।

राजनीति में अपराध को रोकने के लिए निर्वाचन आयोग को अधिक अधिकार दिए जाने चाहिए ताकि वह ऐसे उम्मीदवारों को चुनाव मैदान से बाहर कर सके। साथ ही चुनावी खर्च की सीमा का कड़ाई से पालन और पारदर्शी फंडिंग व्यवस्था भी जरूरी है। कानून से ज्यादा जरूरी है राजनीतिक दलों का आत्मसंयम और नैतिकता। यदि दल अपराधियों को टिकट न दें तो यह समस्या स्वतः कम हो जाएगी। लेकिन आज की राजनीति में सत्ता की लालसा इतनी प्रबल है कि दल अपराधियों को भी सिर-आंखों पर बिठाने से हिचकते नहीं। जब तक दल खुद यह संकल्प नहीं लेंगे कि वे स्वच्छ छवि वाले उम्मीदवारों को ही आगे बढ़ाएंगे, तब तक लोकतंत्र में शुचिता की उम्मीद करना व्यर्थ है। भारत का लोकतंत्र विश्व के लिए आदर्श माना जाता है, लेकिन यह तभी टिकेगा जब इसकी जड़ें मजबूत हों। अपराधीकरण और भ्रष्टाचार लोकतंत्र की नींव को खोखला कर रहे हैं। यदि आज ठोस कदम नहीं उठाए गए तो कल जनता का भरोसा इस व्यवस्था से पूरी तरह उठ जाएगा। लोकतंत्र केवल चुनाव जीतने का नाम नहीं है, बल्कि यह जनता के प्रति जवाबदेही, पारदर्शिता और नैतिकता का प्रतीक है। राजनीति से अपराधियों की सफाई ही लोकतंत्र को बचाने का सबसे बड़ा उपाय है। सवाल है कि क्या हमारे राजनीतिक दल और नेता इस सच्चाई को स्वीकार कर अपनी राजनीति को स्वच्छ बनाने का साहस दिखाएंगे, ऐसा तत्काल तो संभव नहीं दिख रहा है। ऐसे में राजनीति से अपराधीकरण को मुक्त करने की बात सिर्फ छलावा है।

हर व्यक्ति तक पहुंचनी चाहिए ज्ञान की रोशनी

योगेश कुमार गोयल

दुनियाभर में लोगों को साक्षरता के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को विश्वभर में 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जाता है। दुनिया से अशिक्षा को समाप्त करने के संकल्प के साथ आज 59वां 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है। पहली बार यूनेस्को (संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक वैज्ञानिक और सांस्कृतिक संगठन) द्वारा 17 नवम्बर 1965 को 8 सितम्बर को ही अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस मनाए जाने की घोषणा की गई थी, जिसके बाद प्रथम बार 8 सितम्बर 1966 से शिक्षा के प्रति लोगों में जागरूकता बढ़ाने तथा विश्वभर के लोगों का इस ओर ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रतिवर्ष इसी दिन यह दिवस मनाए जाने का निर्णय लिया गया।

वास्तव में यह संयुक्त राष्ट्र के सतत विकास लक्ष्यों का ही प्रमुख घटक है।

निरक्षरता को खत्म करने के लिए ईरान के तेहरान में शिक्षा मंत्रियों के विश्व सम्मेलन के दौरान वर्ष 1965 में 8 से 19 सितम्बर तक अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षा कार्यक्रम पर चर्चा करने के लिए पहली बार बैठक की गई थी और यूनेस्को ने नवम्बर 1965 में अपने 14वें सत्र में 8 सितम्बर को अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस घोषित किया। उसके बाद से सदस्य देशों द्वारा प्रतिवर्ष 8 सितम्बर को 'अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस' मनाया जा रहा है।

साक्षरता दिवस के अवसर पर निरक्षरता समाप्त करने के लिए जन जागरूकता को बढ़ावा देने तथा प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के पक्ष में वातावरण तैयार किया जाता है। यह दिवस लगातार शिक्षा को प्राप्त करने की ओर लोगों को बढ़ावा देने के लिए तथा परिवार, समाज और देश के लिए अपनी जिम्मेदारी को समझने के लिए मनाया जाता है।

दुनियाभर में आज भी अनेक लोग निरक्षर हैं और यह दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत, सामुदायिक तथा सामाजिक रूप से साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए विश्व में सभी लोगों को शिक्षित करना ही है। साक्षरता दिवस के माध्यम से यही प्रयास किए जाते हैं कि इसके जरिये तमाम बच्चों, व्यस्कों, महिलाओं तथा वृद्धों को भी साक्षर बनाया जाए। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार दुनियाभर में फिलहाल करीब चार अरब लोग साक्षर हैं लेकिन विड़म्बना यह है कि आज भी विश्वभर में करीब एक अरब लोग ऐसे हैं, जो पढ़ना-लिखना नहीं जानते। तमाम प्रयासों के बावजूद दुनियाभर में 77 करोड़ से भी अधिक युवा भी साक्षरता की कमी से प्रभावित हैं अर्थात प्रत्येक पांच में से एक युवा अब तक साक्षर नहीं है, जिनमें से दो तिहाई महिलाएं हैं। आंकड़े बताते हैं कि 6-7 करोड़ बच्चे आज भी ऐसे हैं, जो कभी विद्यालयों तक नहीं पहुंचते जबकि बहुत से बच्चों में नियमितता का अभाव है या फिर वे किसी न किसी कारणवश विद्यालय जाना बीच में ही छोड़ देते हैं। कोरोना काल में यह समस्या और ज्यादा गहरी हुई। करीब 58 फीसदी के साथ सबसे कम व्यस्क साक्षरता दर के मामले में दक्षिण और पश्चिम एशिया सर्वाधिक पिछड़े हैं। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए प्रतिवर्ष एक विशेष थीम चुनी जाती है और इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम है 'डिजिटल युग में साक्षरता को बढ़ावा देना', जो संचार को बेहतर बनाने और विविध संस्कृतियों के बीच आपसी समझ को बढ़ावा देने के लिए कई भाषाओं में शिक्षा प्रदान करने के महत्व पर जोर देती है। पिछले साल साक्षरता दिवस 'बहुभाषी शिक्षा को बढ़ावा देनाः आपसी समझ और शांति के लिए साक्षरता' थीम के साथ मनाया गया था। इस विशेष दिवस के लिए 2006 से लेकर अब तक निर्धारित थीम पर नजर डालें तो 2006 में सामाजिक प्रगति प्राप्ति पर ध्यान देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस का विषय 'साक्षरता सतत विकास' रखा गया था। वर्ष 2007 और 2008 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की विषय-वस्तु 'साक्षरता और स्वास्थ्य' थी, जिसके जरिये टीबी, कॉलेरा, एचआईवी, मलेरिया जैसी फैलने वाली बीमारियों से लोगों को बचाने के लिए महामारी के ऊपर ध्यान केन्द्रित करने का लक्ष्य रखा गया था। वर्ष 2009 में लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण पर ध्यान देने के लिए इसका विषय 'साक्षरता और सशक्तिकरण' रखा गया था जबकि 2010 की थीम 'साक्षरता विकास को बनाए रखना' थी।

2011 में अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के लिए थीम 'साक्षरता और महामारी' (एचआईवी, क्षय रोग, मलेरिया आदि संक्रमणीय बीमारियों) पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थी। 2012 में लैंगिक समानता और महिलाओं को सशक्त बनाने पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए थीम थी 'साक्षरता और सशक्तिकरण'। 2013 में शांति के लिए साक्षरता के महत्व पर ध्यान केन्द्रित करने के लिए 'साक्षरता और शांति', 2014 में '21वीं शताब्दी के लिए साक्षरता', 2015 में 'साक्षरता और सतत विकास', 2016 में 'अतीत पढ़ना, भविष्य लिखना', 2017 में 'डिजिटल दुनिया में साक्षरता', 2018 में 'साक्षरता और कौशल विकास' अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी। 2019 में 'साक्षरता और बहुभाषावाद', वर्ष 2020 में 'कोविड-19 संकट और उससे संबंधित शिक्षा और शिक्षण', 2021 में 'मानव-केन्द्रित पुनर्प्राप्ति के लिए साक्षरताः डिजिटल विभाजन को कम करना' (लिटरेसी फॉर ए ह्यूमन-सेंट्रड रिकवरीः नैरोइंग द डिजिटल डिवाइड), 2022 में 'ट्रांसफॉर्मिंग लिटरेसी लर्निंग स्पेसेस' (साक्षरता सीखने के स्थान को बदलना) तथा 2023 में 'संक्रमण काल में दुनिया के लिए साक्षरता को बढ़ावा देनाः टिकाऊ और शांतिपूर्ण समाजों की नींव का निर्माण' (प्रोमोटिंग लिटरेसी फॉर ए वर्ल्ड इन ट्रांजिशनः बिल्डिंग द फाउंडेशन फॉर सस्टेनेबल एंड पीसफुल सोसायटीज) अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस की थीम थी।

बहरहाल, भारत हो या दुनिया के अन्य देश, गरीबी मिटाना, बाल मृत्यु दर कम करना, जनसंख्या वृद्धि नियंत्रित करना, लैंगिक समानता प्राप्त करना आदि समस्याओं के समूल विनाश के लिए सभी देशों का पूर्ण साक्षर होना बेहद जरूरी है। दरअसल साक्षरता ही सामाजिक विकास का आधार स्तंभ बन सकती है। साक्षरता में ही वह क्षमता है, जो परिवार और देश की प्रतिष्ठा बढ़ा सकती है। आंकड़े देखें तो दुनिया में 100 से भी अधिक देश अभी भी ऐसे हैं, जो पूर्ण साक्षरता हासिल करने के लक्ष्य से अभी दूर हैं और चिंता की बात है कि भारत भी इनमें शामिल है। हालांकि आजादी के बाद देश में साक्षरता दर काफी तेजी से बढ़ी है लेकिन अभी इस दिशा में बहुत किया जाना बाकी है।

कठोर फैसलों के साये में नरम शब्द : रिश्तों का द्वंद्व

आरके जैन

वैश्विक मंच पर तूफान की तरह उभरे डोनाल्ड ट्रंप की अप्रत्याशित छवि ने भारत-अमेरिका संबंधों को अनिश्चितता के भंवर में ला खड़ा किया है। अपने दूसरे कार्यकाल में, ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर न केवल आर्थिक रिश्तों को झटका दिया, बल्कि वैश्विक कूटनीति के समीकरणों को भी उलट-पुलट कर रख दिया। फिर भी, इस तनावपूर्ण माहौल में भारत की कूटनीति ने दृढ़ता, संयम और रणनीतिक दूरदर्शिता की ऐसी मिसाल कायम की, जो इतिहास में स्वर्णाक्षरों में दर्ज होगी। ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री को "अच्छा दोस्त" कहकर रिश्तों में गर्मजोशी का इजहार किया, मगर उनके आक्रामक फैसले इस दोस्ती पर साये डालते हैं। भारत ने इस चुनौती का जवाब अपनी स्वतंत्र नीतियों और अटल संकल्प के साथ दिया, वैश्विक मंच पर अपनी स्थिति को और सुदृढ़ करते हुए कूटनीति का एक नया, प्रेरणादायी अध्याय रचा। डोनाल्ड ट्रंप की नीतियां, उनकी "अमेरिका फर्स्ट" विचारधारा से संचालित, व्यापार और कूटनीति में सौदेबाजी के आक्रामक रुख को उजागर करती हैं। भारत पर थोपा गया 50 प्रतिशत टैरिफ और रूस से तेल आयात पर उनकी खुली नाराजगी एक ऐसी रणनीति का हिस्सा है, जिसके जरिए वह अपने सहयोगियों पर दबाव बनाकर अपनी शर्तें थोपने का प्रयास करते हैं। यह भारत के लिए गंभीर चुनौती है, क्योंकि यह न केवल निर्यात को प्रभावित करता है, बल्कि कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों को भी आघात पहुंचाता है। फिर भी, भारत ने अपनी लाल रेखाएं स्पष्ट करते हुए ट्रंप की मांगों को दृढ़ता से खारिज किया, अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए कूटनीतिक ताकत का परिचय दिया। यह अडिग रुख भारत की उस कूटनीति को रेखांकित करता है, जो वैश्विक दबावों के सामने झुकने के बजाय अपने सिद्धांतों पर अटल रहती है। ट्रंप का रवैया उनके पहले कार्यकाल से कहीं अधिक आक्रामक और एकतरफा हो चला है। उनकी नीति-निर्माण प्रक्रिया अब पूरी तरह व्यक्तिगत हो चुकी है, जहां सलाहकार उनकी हर बात पर हामी भरते हैं और वैकल्पिक दृष्टिकोण रखने की हिम्मत कोई नहीं करता। भारत पर टैरिफ और रूस से तेल आयात की आलोचना इस बात का प्रमाण है कि उनके फैसले तर्क से अधिक उनकी व्यक्तिगत जिद पर टिके हैं। लेकिन भारत ने इस अनिश्चितता का जवाब एक परिपक्व, बहु-आयामी और दूरदर्शी कूटनीति के साथ दिया। शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में, भारत ने चीन और रूस के साथ द्विपक्षीय वार्ता कर यह जाहिर किया कि वह किसी एक देश की कठपुतली नहीं है। यह साहसिक कदम भारत की स्वतंत्र और संतुलित कूटनीति का प्रतीक है, जो वैश्विक मंच पर उसकी साख को नई ऊंचाइयों तक ले जाता है।

डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारत के प्रधानमंत्री को "अच्छा दोस्त" कहने का बयान भले ही रिश्तों में गर्मजोशी का आभास देता हो, लेकिन उनके आक्रामक फैसले इस दोस्ती को सतही और खोखला साबित करते हैं। भारत ने ट्रंप की मध्यस्थता की पेशकश को दृढ़ता से ठुकराया और व्यापार समझौतों में अपनी शर्तों पर अटल रहा, जिसने ट्रंप की नाराजगी को और भड़काया। फिर भी, भारत के प्रधानमंत्री ने इस जटिल परिस्थिति को असाधारण कूटनीतिक कुशलता के साथ संभाला। उन्होंने न केवल ट्रंप के बयान की कूटनीतिक सराहना की, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया कि भारत की नीतियां किसी बाहरी दबाव से डगमगाएं नहीं। जवाबी शुल्क लगाकर और विश्व व्यापार संगठन में अमेरिका की नीतियों को चुनौती देकर भारत ने अपनी अडिग स्थिति स्पष्ट कर दी। यह साहसिक कदम भारत की कूटनीति को नई ऊंचाइयों पर ले जाता है, जो वैश्विक दबावों के सामने झुकने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा को सर्वोपरि रखता है।

ट्रंप की नीतियों का भारतीय अर्थव्यवस्था, विशेष रूप से स्टील, एल्युमिनियम और कृषि क्षेत्रों पर गहरा असर पड़ा है। उनकी कठोर आव्रजन नीतियां भारतीय मूल के अमेरिकी नागरिकों, पेशेवरों और छात्रों के लिए अवसरों को संकुचित कर सकती हैं। लेकिन भारत ने इस संकट को एक सुनहरे अवसर में बदल दिया। नीति आयोग के एक पूर्व अधिकारी ने इसे "पीढ़ी में एक बार मिलने वाला अवसर" करार दिया, जिसका उपयोग भारत ने अपनी आर्थिक सुधारों को गति देने और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए किया। यह दृष्टिकोण भारत के आर्थिक और कूटनीतिक लचीलेपन को रेखांकित करता है, जो ट्रंप जैसे अप्रत्याशित नेताओं के सामने भी अपनी नीतियों को दृढ़ता और दूरदर्शिता के साथ लागू करता है, वैश्विक मंच पर अपनी साख को और मजबूत करता हुआ। भारत की कूटनीति की सबसे बड़ी शक्ति उसकी अटल स्वायत्तता और सूक्ष्म संतुलन है। ट्रंप की आक्रामक नीतियों के बावजूद, भारत ने न केवल उनके साथ रिश्तों को कुशलता से संभाला, बल्कि अन्य वैश्विक शक्तियों के साथ अपनी स्थिति को अभूतपूर्व रूप से सुदृढ़ किया।

जल की बूंद का महत्व अगली पीढ़ी को भी समझना होगा

संजीव ठाकुर

सामान्य तौर पर देखेंगे तो जल की उपलब्धता को लेकर कोई विशेष संकट नजर नहीं आता है। किंतु वास्तविकता इससे बिल्कुल अलग है।पृथ्वी की सतह का लगभग 70% भाग जल से आच्छादित है।पृथ्वी पर उपलब्ध समस्त जल का 97% समुद्र खारा पानी है, जो उपयोग के योग्य नहीं है।अतः मात्र 3% जल ही पीने के योग्य है,इससे भी कम जल नदी, तालाब, झीलों भूगर्भीय जल के रूप में मनुष्य व अन्य जीवों के पीने के योग्य मीठे पानी के रूप में उपलब्ध है, परिणामतः पीने योग्य जल का संकट और गहराता जा रहा है।

यदि मानव सभ्यता के इतिहास को खंगाले तो यह तथ्य सामने आता है कि बड़ी-बड़ी सभ्यता एवं संस्कृतियाँ नदी, घाटियों में विकसित और फलित हुई है। जल अपने स्वरूप में निर्मलता धारण किए हुए पवित्रता का प्रतीक है, लेकिन इसकी क्रमिक रूप से घटती मात्रा में जल संकट अस्तित्व को खतरा उत्पन्न कर दिया है। जल अब राज्यों तथा विभिन्न देशों के मध्य बड़े विवाद का कारण बनता जा रहा है। जल मनुष्य के जीवन का अत्यंत आवश्यक स्वरूप है जल के बिना कल नहीं है और जल ही जीवन कहलाता है। ऐसे में जल का संरक्षण अत्यंत आवश्यक है। जल का विवाद सिर्फ गांव तहसील के जिलों में नहीं बल्कि राज्य और देशों के बीच भी गहराता जा रहा है।

इसका बहुत बड़ा उदाहरण कावेरी, मांडवी जैसे अंतरराष्ट्रीय नदियों गंगा, ब्रह्मपुत्र में नील, सतलज जैसी अंतरराष्ट्रीय नदियां हैं। वैश्विक जल संकट से सर्वाधिक प्रभावित क्षेत्र एशिया, अफ्रीका, ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप, अफ्रीकी देशों में एक बड़ी आबादी जला भाव के कारण काल कब रीत हो रही है। जल संकट की यह समस्या और अंतरराष्ट्रीय स्वरूप धारण कर चुकी है एवं अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इसकी मांग उठाई जा रही है। पृथ्वी पर पीने की योग्य जल की उपलब्धता घटती जा रही है वहीं विकास एवं औद्योगिकरण की प्रक्रिया में जल का अंधाधुंध दोहन किया जा रहा है। मानव के जल दोहन का बेतरतीब उपयोग जल चक्र के संतुलन को नष्ट कर रहा है। प्रकृति में मानव के हस्तक्षेप के कारण ही ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, वनों की कटाई से ताजे जल के संकट को कगार पर लाकर खड़ा कर दिया है। शहरों में प्रति व्यक्ति जल की उपलब्धता का स्तर निरंतर कम होते जा रहा है। इसका सबसे सर्वोत्तम उदाहरण दक्षिण अफ्रीकी शहर कैपटाउन एवं भारत के बंगलुरु शहरों में असीमित जनसंख्या के दबाव में लहराते जल संकट के कारण इन शहरों में यानी नो वाटर सप्लाई दिवस तक की नौबत आ गई है। संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा प्रकाशित जल विकास रिपोर्ट 2018 में पीने योग्य जल की घटती उपलब्धता एवं गहराता संकट को लेकर महायुद्ध की संभावनाओं का खुलासा किया है। जल संकट को लेकर अगले महा युद्ध की संभावनाओं को यदि टटोलने तो यह बात सत्य प्रतीत होती है जिसमें एक तरफ जलाभाव वाले देश का होगें तथा दूसरा पक्ष जलाधिक्य वाले देशों की होगी। जल के निरंतर गिरते स्तर को लेकर ऐसी विकराल स्थितियां उत्पन्न हो सकती है जिसके कारण मानवता तार-तार हो जाएगी और जल का उपयोग करने वाले जैविक जीवन का स्थिति समाप्त हो जाएगा। अतः यह उचित होगा कि समय रहते हम इस संकट को भाप लें एवं जल जैसे हम उन संसाधन के संरक्षण को लेकर युद्ध स्तर पर उचित कदम उठाएं। यूनाइटेड नेशंस वाटर अभियान के माध्यम से जल संकट से विश्व को अवगत करवाते हुए जल संकट के संबंध में आमजन को जागरूक करने का प्रयास कर रहा है। दूसरी तरफ प्रसिद्ध non-governmental ऑर्गेनाइजेशन जल संकट से विश्व को अवगत कराते हुए जल संरक्षण के संबंध में सराहनीय प्रयास कर रहे हैं। आवश्यकता से अधिक जल प्रयोग करने से धरती का जलस्तर कृषकों की पहुंच से परे होता जा रहा है।

ऑपरेशन सिंदूर की जादुई दुनिया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक बार की बात है, हमारे देश में एक बड़ा ऑपरेशन शुरू हुआ - नाम था 'ऑपरेशन सिंदूर'। सरकार ने बड़ा सोच-समझकर इस अभियान को निकाला, ताकि देश की हर महिला के सिर पर चमकता लाल रंग ही देश की चमक बने। बड़ा ही मज़ेदार नाम था न? ऑपरेशन सिंदूर! मतलब, सिंदूर बाँटा जाएगा, घर-घर, कोना-कोना तक। अब समझिए, सिंदूर बाँटना कोई आम बात नहीं है, यह तो वही जादू है, जो हर महिला के माथे को निखारने के साथ-साथ देश को चमका देगा। तो शुरू हुआ अभियान। सिंदूर की थैलियाँ लदीं, तंबू सजे, और 'सिंदूर संचालक दल' दिन-रात मेहनत करने लगे। पहला दिन आया, और दल ने हर घर में जाकर बड़े ढोल-नगाड़ों के साथ सिंदूर बांटना शुरू कर दिया। महिलाओं के चेहरे पर खुशी, सिर पर लाल रंग, और दिल में सवाल - "अब क्या हो जाएगा?" लेकिन सवालों को तो संचालक दल ने झटका मार दिया, कारण वे सिंदूर बाँटने में ही इतने व्यस्त थे कि सोचने की फुर्सत कहीं नहीं थी। गाँव के चौपालों से लेकर शहर के गलियों तक, हर कोई यही बात कर रहा था - "अपने सिर पर सिंदूर, देश पर भरोसा। यही है समाधान।" बच्चे पूछते, "मम्मी, हमको सिंदूर क्यों चाहिए?" और मम्मियाँ कहतीं, "बेटा, ये 'ऑपरेशन' है, बड़ी मुश्किल से चला है। इसे माँ रखना है, कुर्सी पक्की करनी है।" लेकिन वो कुर्सी कहाँ थी, कोई जानता ही नहीं, क्योंकि असली मुद्दों जैसे रोजगार, शिक्षा, और स्वास्थ्य को तो ये 'सिंदूर संचालक' बिल्कुल भूल गए थे। अब ज़रा सोचिए, जब असली समस्याएँ आपके सामने हों और लोग सिर पर सिर रख कर चमकते सिंदूर की बात करें, तो दिल में कैसे आग लगे।

कुछ महिलाओं ने पूछा भी कि हम स्वास्थ्य सेवाएं कब पायेंगे, लड़कियों को पढ़ाई कब मिलेगी? मगर जब 'ऑपरेशन सिंदूर' की टोली आती, तो वह जवाब देती - पहले सिर पर सिंदूर रखो, फिर सबकुछ होगा! जैसे सिर का लाल रंग जादू से गरीबी मिटा देगा, बीमारी भगाएगा, और बस्ती में खुशहाली छा जाएगी। दिन बीतते गए और सिंदूर फटता गया। लेकिन असली फर्क? कहीं नहीं दिखा। बीमारी अपने रास्ते, भुखमरी अपने क़दम, और बेरोज़गारी अपनी गली फिरती रही। बच्चे स्कूल नहीं गए, अस्पताल खाली पड़े, लेकिन हर महिला के माथे पर सिंदूर चमकता रहा, बड़ी ताकत से! नेताओं को देखकर भी लोगों का दिल भारी होता, कि ये तो सिंदूर के जादू में इतने खो गए कि देश के ग़म भुला बैठे। फिर हुआ बड़ा तमाशा। ऑपरेशन सिंदूर की चमक में, एक-दूसरे को दोष देने का खेल शुरू हो गया। कुछ कहने लगे – "सिंदूर दिया गया तो सब सही होगा।" तो कुछ चिल्लाए – "सिंदूर स्वाभिमान नहीं देता।" पर जो सच था, वह तो धीरे-धीरे दबते गए, क्योंकि बड़ा भाई और उसका 'सिंदूर संचालक दल' अपने चमकदार लाल जादू में इतने मगन थे कि सुनवाई समझ में ही न आई। और जो सबसे बड़ी बात है, वो यह कि वो 'ऑपरेशन' आज भी चल रहा है।

हर साल, हर त्योहार, हर अवसर पर, घर-घर सिंदूर बांटने का सिलसिला जारी रहता है, ताकि जनता को लगे कि देश में कुछ हो रहा है, कुछ बदला है। सवाल फिर भी वैसा-का-वैसा रहता है – गरीब गरीब ही रहता है, लेकिन माथे लाल होते रहते हैं। क्या यही वाकई में देश की तरक्की है? या यह सब सिर्फ एक रंगीन तमाशा है, जिसमें जनता को झकझोरने के लिए 'ऑपरेशन सिंदूर' का जादू चलाया जाता है?

पितरों के निधन की तिथि नहीं है पता तो कैसे करें श्राद्ध और तर्पण ?

पितृ पक्षका प्रारंभ 8 सितंबर दिन रविवार से हो रहा है. हिंदू कैलेंडर के अनुसार पितृ पक्ष आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होकर अमावस्या तिथि तक चलता है. आश्विन माह का पूरा कृष्ण पक्ष पितरों के तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान आदि के लिए समर्पित होता है, जिसे पितृ पक्ष के नाम से जानते हैं।

पितृ पक्ष पितरों की पूजा और श्रद्धा से जुड़ा पर्व है. इसमें पितरों की तृप्ति के लिए तर्पण, दान, पिंडदान, श्राद्ध आदि करते हैं. परिवार के जिस सदस्य का निधन हो जाता है, वही उस परिवार का पितर होता है. पितरों में व्यक्ति का पिता, मां, दादा, दादी, चाचा, चाची, नाना, नानी आदि सगे-संबंधी हो सकते हैं. जिस तिथि पर व्यक्ति का निधन होता है, उसी तिथि पर पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध आदि करते हैं. सवाल यह है कि किसी को अपने पितरों के निधन की तारीख पता नहीं है तो वह पितृ पक्ष में उनके लिए श्राद्ध और तर्पण कैसे करेगा?

पितर की तिथि पता नहीं है तो क्या करें?

शास्त्रों के अनुसार, जब किसी की मृत्यु किसी भी माह के किसी भी पक्ष की किसी भी तिथि को होता है तो पितृ पक्ष की 15 ति थियों में संबंधित तिथि पर उसका श्राद्ध, तर्पण, पिंडदान किया जाता है. जैसे किसी की मृत्यु चैत्र शुक्ल द्वितीया तिथि को हुई है, तो उसके लिए तर्पण और श्राद्ध पितृ पक्ष की द्वितीया ति थि पर होगी।

जिस व्यक्ति के निधन की तिथि पता नहीं है तो उसके लिए भी शास्त्रों में व्यवस्था दी गई है. पितृ पक्ष में सर्व पितृ अमावस्या आती है, जिसे आश्विन अमावस्या भी कहते हैं. पंचांग के अनुसार, सर्व पितृ अमावस्या आश्विन माह के कृष्ण पक्ष की अमावस्या तिथि को पड़ती है।

जिस व्यक्ति के निधन की तारीख नहीं मालूम है तो पितृ पक्ष में उसके लिए तर्पण और श्राद्ध कर्म सर्व पितृ अमावस्या के दिन करते हैं। इस दिन आप उन माताओं, बहनों या स्त्री संबंधी पितरों का भी श्राद्ध कर सकते हैं, जो विधवा थीं और उनके निधन की तिथि पता नहीं है।

पितृ पक्ष में नवमी तिथि आती है, जिसे मातृ श्राद्ध या नवमी श्राद्ध कहते हैं। इस दिन उन मातृ पितरों का श्राद्ध होता है, जो सुहागन रहते ही स्वर्ग लोक चली गईं।

सर्व पितृ अमावस्या की तारीख

इस साल सर्व पितृ अमावस्या 21 सितंबर, दिन रविवार को है. सर्व पितृ अमावस्या पर भूले-विसरे, ज्ञात, अज्ञात सभी प्रकार के पितरों के लिए तर्पण, श्राद्ध, पिंडदान, दान, पंचबलि कर्म करते हैं।

पितृपक्ष में करें इनमें से किसी एक चीज का दान, आर्थिक तंगी और पितृ दोष होगा दूर

इस बार पितृपक्ष का आरंभ 7 सितंबर, रविवार से होने जा रहा है। इस दौरान लोग अपने पूर्वजों की शांति और उनका आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए पूजा व दान करते हैं। ऐसी मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान दान-पुण्य जरूर करना चाहिए। इससे पूर्वज प्रसन्न होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि आती है। साथ ही, पितृ पक्ष में कुछ विशेष चीजों का दान करने से पितृ दोष भी समाप्त हो सकता है और पूर्वजों का आशीर्वाद मिलता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानते हैं कि किन-किन चीजों का दान करना लाभदायक होता है।

इस वस्तु के दान से पितरों की कृपा होगी प्राप्त

गरुड़ पुराण और अन्य शास्त्रों में इस बात का वर्णन मिलता है कि जिस प्रकार मौसम में बदलाव का हम पर प्रभाव पड़ता है, उसी तरह हमारे पूर्वजों पर भी इसका असर होता है।

ऐसे में अगर आप पितरों के निमित्त वस्त्रों का दान करते हैं, तो इससे पितरों की कृपा सदैव जातक पर बनी रहती है और जीवन में खुशहाली आने लगती है। माना जाता है कि पितृपक्ष में दुपट्टे और धोती का दान करना सबसे फलदायी होता है।

जीवन में सुख-शांति के लिए करें यह वस्तु दान

मान्यता है कि पितृपक्ष के दौरान पितरों के नाम से छतरी का दान जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से जातक को कई बाधाओं और समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। साथ ही, इससे जीवन में सुख-शांति और खुशहाली आती है। ऐसे में अगर आप छतरी का दान करें तो इससे बेहद शुभ फल प्राप्त हो सकता है।

काले तिल का दान है सबसे महत्वपूर्ण

पितृ पक्ष में श्राद्ध के हर कर्म में काले तिल का प्रयोग किया जाता है। कहा जाता है कि पितृपक्ष के दौरान काले तिल का दान जरूर करना चाहिए। अगर आप और किसी वस्तु का दान न कर पाएं तो यह एक चीज जरूर दान करें। इससे पितरों का आशीर्वाद प्राप्त होता है और जीवन में आने वाली परेशानियों से पूर्वज हमारी रक्षा करते हैं।

इस चीज के दान से आर्थिक तंगी होगी दूर

अगर आपके घर में लंबे समय से समस्याएं चल रही हैं, परिवार के बीच छोटी-छोटी बात लड़ाई-झगड़े होते हैं और आर्थिक तंगी से भी परेशान हैं तो पितृपक्ष के दौरान एक चीज का दान जरूर करें। इसके लिए पितरों के निमित्त गुड़ और नमक का दान करके देखें। इससे घर की आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगता है और परिवार के बीच का माहौल खुशनुमा बनता है।

पितरों को प्रसन्न करने के लिए यह चीज करें दान

पितृपक्ष के दौरान चांदी का दान करना भी बहुत उत्तम माना गया है। आप अपनी क्षमता के अनुसार, चांदी का दान कर सकते हैं। पुराणों के अनुसार, पितरों का निवास चंद्रमा के ऊपरी भाग में होता है। यही कारण है कि पितरों को चांदी प्रिय मानी जाती है। ऐसे में अगर आप पितृपक्ष के दौरान दूध, चावल, चांदी आदि का दान करते हैं तो इससे पितर प्रसन्न होते हैं और बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है।

इष्ट देवी-देवता का पता कुंडली देखकर कैसे करें?

इष्ट देवी-देवता का अगर आपको पता हो तो उनकी पूजा से जीवन की कई परेशानियां दूर हो जाती हैं। हालांकि, कई ऐसे लोग हैं जिनको अपने इष्ट देवी-देवता का पता नहीं होता और इसकी वजह से परेशानियों का सामना उनको हर क्षेत्र में करना पड़ता है। आइए ऐसे में जानते हैं कि आप कैसे कुंडली देखकर अपने इष्ट देवी-देवता का पता कर सकते हैं।

कुंडली से इष्ट देवी-देवता को जानने का पहला तरीका

अगर आपको अपने जन्म की तारीख, समय और स्थान का पता है तो बहुत आसानी से आप अपने इष्ट देवी-देवता का पता कर सकते हैं। जन्म की जानकारियों के अनुसार आप कुंडली बनवा सकते हैं या फिर इंटरनेट के माध्यम से खुद भी कुंडली बना सकते हैं।

कुंडली बनाने के बाद आपको कुंडली के पंचम भाव को देखना है इस भाव में जो ग्रह स्थित होता है उससे संबंधित देवी-देवता आपके इष्ट होते हैं। उदाहरण के लिए पंचम भाव में गुरु ग्रह हैं तो आपके इष्ट देवता भगवान विष्णु होंगे। इष्ट देव को जनाने की इस प्रक्रिया को पंचम भाव पद्धति भी कहा जाता है। आपको बता दें कि पंचम भाव पूर्व जन्म का सूचक होता है इसलिए इसी भाव से इष्ट देवी-देवता का।

अगर कुंडली के पंचम भाव में कोई ग्रह नहीं है तो इस भाव की राशि के स्वामी के आधार पर भी आप इष्ट देव का पता कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, अगर कुंडली के पंचम भाव में कोई ग्रह नहीं है और वहां 3 अंक लिखा है तो तीसरी राशि मिथुन के स्वामी बुध के अनुसार इष्ट देव का पता चलेगा। यानि ऐसे लोगों के इष्ट देव गणपति होंगे क्यों बुध का संबंध गणेश जी से माना जाता है। इस आसान तरीके से आप अपने इष्ट देव को जानकर उनकी पूजा कर सकते हैं और जीवन में लाभ पा सकते हैं।

कुंडली से इष्ट देवी-देवता को जानने का दूसरा तरीका

जैमिनी ज्योतिष के अनुसार आपके इष्ट-देवता कुंडली में आपके आत्मा कारक ग्रह के अनुसार देखे जाते हैं। कुंडली का आत्मा कारक ग्रह वो होता है जो सब ग्रहों में सबसे अधिक अंश का होगा। इसका पता करने के लिए आपको किसी योग्य ज्योतिषी की मदद लेना चाहिए। इस तरीके को वर्तमान समय में अधिक प्रासंगिक माना जाता है।

मां के आंसुओं ने बदल दिया सम्राट अशोक का जीवन, कैसे टूटा जीत का घमंड ?

प्रसंग उस समय का है, जब सम्राट अशोक ने कलिंग विजय कर ली थी। उस युद्ध में लाखों लोग मारे गए थे। उस दिन मानवता कलंकित हुई थी, पर सम्राट अशोक अपने विजयी गर्व में चूर हो रहे थे। विजय उत्सव मनाया जा रहा था।

अशोक अपनी माता को विजय के अहंकार में बता रहे थे, "यह कलिंग नरेश मेरी अधीनता स्वीकार नहीं कर रहा था। मैंने उसे ही नहीं पूरे कलिंग को राख के ढेर में तबदील कर दिया।"

सम्राट अशोक सोच रहे थे कि माता उनकी इस विजय पर गर्व करेंगी, खुश होंगी। लेकिन सम्राट अशोक की अहंकारपूर्ण बातें सुनकर माता दुखी हो रही थीं। उनकी आंखों से झर-झर आंसू बहने लगे। वह इस युद्ध और उसके परिणाम से अत्यंत दुखी थीं। माता को दुखी देखकर अशोक को आश्चर्य हुआ।

उसने पूछा, "माता! आप रो रही हैं? ऐसा क्यों? आपको तो अपने वीर और विजयी पुत्र पर गर्व होना चाहिए। प्रसन्न होना चाहिए कि आपके पुत्र ने कलिंग पर विजय प्राप्त कर ली है।"

महारानी ने उत्तर में जो शब्द कहे, वे बहुत मार्मिक और झकझोरने वाले थे।

महारानी ने अशोक से कहा, "पुत्र ! तेरा नाम अशोक है, यानी दुनिया को शोकमुक्त करने वाला, लेकिन तू तो संसार में शोक का ही प्रसार कर रहा है। तनिक विचार कर कि जिन लाखों नारियों के पुत्र और पति मृत्यु को प्राप्त हुए हैं, उनमें यदि एक तू स्वयं भी होता तो तेरी माता को कितनी पीड़ा होती ?"

महारानी इससे अधिक कुछ नहीं कह पाईं लेकिन इतने से शब्द में करुणा का जो सागर लहरा रहा था, उसमें भारतवर्ष का वह सम्राट उस दिन डूब गया। माता के दर्द और करुणा भरे शब्दों ने सम्राट अशोक की सोच और जीवन की दिशा को ही बदल दिया।

कुलदेवी-देवता कौन होते हैं, कैसे पता लगाएं, इनकी पूजा क्यों है जरूरी?

कुल देवता आमतौर पर कुल देवी और कुल देवता के रूप में जाने जाते हैं। इन्हें कुल का रक्षक माना जाता है और जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों जैसे शादी, जन्म, नामकरण आदि अनुष्ठानों के समय इनकी पूजा जरूर की जाती है। कहते हैं कुल देवी-देवता की पूजा से परिवार को सुख, समृद्धि और सुरक्षा का आशीर्वाद प्राप्त होता है। साथ ही दुर्भाग्य दूर हो जाता है। कुछ मान्यताओं के अनुसार अगर कुल देवी-देवताओं को पूजा न जाए तो ये नाराज हो जाते हैं जिससे जीवन में कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। कहते हैं इनकी पूजा से पूर्वजों का भी आशीर्वाद प्राप्त होता है। चलिए जानते हैं कुल देवी-देवता का कैसे पता लगाएं।

अपने कुलदेवी या कुलदेवता का कैसे पता लगाएं?

इस बारे में अपने परिवार के बुजुर्गों से पूछें। आप अपने माता-पिता, दादा-दादी या चाचा-ताऊ से कुल देवी-देवता के बारे में जान सकते हैं।

अपने पैतृक स्थान पर जाएं और वहां उन मंदिरों का दौरा करें जहां पर आपके परिवार के लोग पूजा करते थे। वहां के मंदिर या पुजारी आपको इस बारे में बता सकते हैं।

कुंडली से या किसी जानकार पंडित से भी इस बारे में पता लगवा सकते हैं।

कुछ गोत्रों के विशिष्ट देवी-देवता भी होते हैं,

जैसे कश्यप गोत्र में कई बार भगवान विष्णु या देवी दुर्गा कुल देवता होते हैं।

कुछ ज्योतिषी विशेष अनुष्ठान के माध्यम से कुल देवता का पता लगाने का दावा करते हैं।

कुल देवी-देवताओं की पूजा कब-कब की जाती है?

कुछ परिवार रोजाना या सप्ताह में एक बार कुल देवी-देवता की पूजा करते हैं।

कुछ लोग अमावस्या, पूर्णिमा या कुछ खास तिथियों पर इनकी पूजा करते हैं।

शादी से पहले या बाद में कुल देवी-देवता की पूजा अनिवार्य मानी जाती है।

बच्चे के जन्म, नामकरण या अन्य संस्कारों के समय भी कुल देवता की पूजा जरूर की जाती है।

विशेष रूप से कई लोग अपनी कुल देवी की पूजा नवरात्रि के दौरान करते हैं।

दिवाली, होली और दशहरा जैसे प्रमुख त्योहारों पर भी कुल देवी-देवता को याद किया जाता है।

कुछ परिवारों में कुल देवी-देवता से जुड़े विशेष दिन या मेले होते हैं जहां कुल देवी-देवताओं का स्मरण किया जाता है।

परिवार में कोई कठिनाई, बीमारी या परेशानी होने पर भी कुल देवी-देवता को याद करने से लाभ मिलता है।

नए कार्य की शुरुआत के समय भी कुल देवी-देवता को याद किया जाता है।

कई परिवार अपने कुल देवी-देवता के मंदिर में साल में एक बार विशेष पूजा या अनुष्ठान करते हैं, जिसे कुल पूजा कहा जाता है। ये पूजा सामूहिक रूप से की जाती है।

सरल शब्दों में समझें तो कुल देवी-देवता की पूजा का समय परिवार की परंपरा पर निर्भर करता है। जैसे कुछ परिवार नवरात्रि के पहले दिन कुल देवी की पूजा करते हैं, तो कुछ अंतिम दिन।

अगर कुलदेवी-देवता का पता न चल पाए तो क्या करें?

अगर आपको किसी भी माध्यम से अपने कुल देवी-देवता का पता नहीं चल पाया है तो परेशान होने की जरूरत नहीं है। ऐसे में आप अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर एक सामान्य पूजा शुरू करें और धीरे-धीरे परंपराओं का निर्माण करें। कुछ विद्वानों अनुसार कुल देवी-देवता का पता न होने पर आप गणेश जी, भगवान शिव, दुर्गा माता और भगवान विष्णु किसी को भी अपना कुल देवता मानकर उनकी पूजा कर सकते हैं।

कुलदेवी या कुलदेवता की पूजा से क्या होता है?

ऐसी मान्यता है कि कुलदेवी और कुलदेवता की पूजा से परिवार पर कोई बड़ा संकट नहीं आता। साथ ही परिवार में सुख-समृद्धि सदैव बनी रहती है। बिना उनकी पूजा के किसी भी शुभ काम की शुरुआत नहीं की जाती।

आइंस्टीन ने बताया अपना गुरुमंत्र, जो हर छात्र और युवा को जरूर जानना चाहिए

वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंस्टीन से एक युवक ने पूछा, "आज सारी दुनिया में आपका नाम है। सभी आपकी प्रशंसा करते हैं। आपको महान कहते हैं। कृपया मुझे बताएं कि आखिर महान बनने का मंत्र क्या है ?"

आइंस्टीन ने इस लंबे सवाल का जवाब सिर्फ एक शब्द में दिया- लगन। 'जी, मैं कुछ समझा नहीं।' युवक ने भी तुरंत प्रतिक्रिया व्यक्त की।

आइंस्टीन मुस्कुरा उठे और बोले, "जब मैं तुम्हारी उम्र का था तब गणित से बहुत डरता था। मैं अक्सर गणित में फेल हो जाता था। मुझे सजा मिलती, मेरे दोस्त मेरे से आगे बढ़ जाते। वे मेरा मजाक उड़ाते। तुम समझ सकते हो मुझ पर क्या गुजरती होगी ?" एक दिन मैंने सोचा कि मुझमें कोई कमी तो नहीं है फिर मैं गणित से क्यों घबराता हूं? बस, उस दिन के बाद मैं गणित के सवालों से जूझने लगा। बार-बार असफल हुआ।

दोस्तों के मजाक का पात्र बना। लेकिन फिर धीरे-धीरे सवाल हल भी होने लगे। इनसे मेरा उत्साह बढ़ता, मगर फिर कठिन सवाल आने पर हिम्मत छूटने लगती। दोनों ही स्थितियों में मैं प्रयास करना नहीं छोड़ता। एक ही लगन थी कि मैं गणित के भय

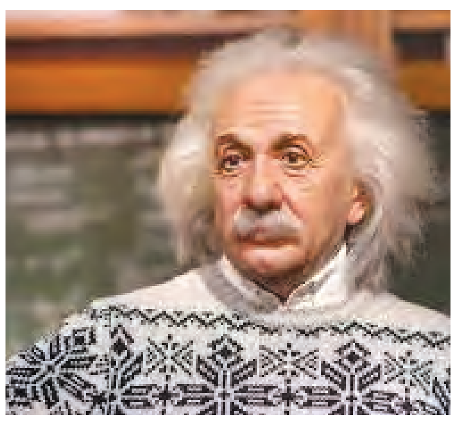

का भूत भगाकर रहूंगा। इसी लगन का यह फल है कि आज लोग मेरे सिद्धांतों को अपनाते हैं। लगन ही मेरा गुरुमंत्र है। तुम भी इस गुरुमंत्र को कभी मत छोड़ना। उसी से तुम्हारी राह बनेगी।

उस युवक को उसी दिन लगन का महत्व पता चल गया। वह अल्बर्ट आइंस्टीन को धन्यवाद करके लौट आया और उसी दिन से उसने नई लगन से पढ़ाई की शुरूआत कर दी।

मोगरे का पौधा इस दिशा में लगाकर देखें, गृह क्लेश से मिलेगी मुक्ति

मोगरे के फूल की खुशबू बेहद मनमोहक होती है और यह दिखने में भी बहुत आकर्षक लगता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इसे घर में लगाने के कई ज्योतिषी लाभ भी होते हैं। अगर आप वास्तु के अनुसार मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाते हैं तो इससे बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। मान्यता है कि घर में मोगरे का पौधा लगाने से नकारात्मकता दूर होती है और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही, इससे जातक को घर की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है। लेकिन इसके लिए मोगरे का पौधा लगाते समय वास्तु के सभी नियमों का ख्याल भी अवश्य रखना चाहिए। गलत स्थान या दिशा में इस शुभ पौधे को लगाने से अशुभ फल प्राप्त हो सकता है। ऐसे में आइए विस्तार से जानें कि मोगरे का पौधा कहां लगाना चाहिए और इससे जुड़े कुछ जरूरी वास्तु टिप्स...

मोगरे का पौधा घर में लगाना होता है बेहद शुभ

इस पौधे के सुगंधित पुष्पों को पूजा में शामिल करने का भी खास महत्व होता है। माना जाता है कि भगवान शिव, विष्णुजी और माता लक्ष्मी की पूजा के दौरान मोगरे के फूलों का इस्तेमाल करने से बेहद शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही, इससे आसपास का वातावरण भी शुद्ध होता है। अगर आप गुरुवार और शुक्रवार के दिन पूजा के दौरान इस फूलों का प्रयोग करते हैं, तो इससे भगवान विष्णु और माता

लक्ष्मी की विशेष कृपा प्राप्त हो सकती है। परिवार के सदस्यों को जीवन के कई दुखों से निजात मिल सकती है।

मोगरे का पौधा घर की इस दिशा में लगाएं

वास्तुशास्त्र के अनुसार, मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाना बहुत जरूरी होता है। अगर सभी वास्तु नियमों का ख्याल रखकर मोगरे को घर में लगाया जाए, तो इससे घर में सुख-समृद्धि आती है। वास्तु के अनुसार, मोगरे का पौधा ईशान कोण यानी उत्तर-पूर्व या उत्तर दिशा में लगाना चाहिए। इसके अलावा, आप पूर्व दिशा में भी मोगरे का पौधे लगा सकते हैं। ऐसा करने से आसपास का वातावरण शांतिपूर्ण और खुशनुमा बनता है। साथ ही, पौधे को किसी ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां उसे धूप और हवा मिलती रहे।

मोगरे का पौधा लगाने के विशेष वास्तु नियम

इस पौधे के फूल की खुशबू मनमोहक और मन को शांति प्रदान करने वाली होती है। ऐसे में आप इसे घर के प्रवेश द्वार या खिड़की के पास भी लगा सकते हैं।

मान्यता है कि मोगरे के पौधे को ऐसे स्थान पर रखना चाहिए जहां अंधेरा न रहता हो। साथ ही, उस जगह की नियमित साफ-सफाई का भी अवश्य ख्याल रखें।

अगर आपके घर में लगा मोगरे का पौधा सूख गया है तो उसे घर से तुरंत हटा दें। इस प्रकार का पौधा घर में सकारात्मकता की जगह नकारात्मकता फैला सकता है।

मोगरे का पौधा सही दिशा में लगाने के लाभ

वास्तुशास्त्र के अनुसार मोगरे के पौधे को सही दिशा में लगाने से मानसिक तनाव कम होता है और घर का माहौल शांतिपूर्ण बना रहता है। यह शुभ पौधा घर से नकारात्मक ऊर्जा को दूर रखने में मदद करता है। इसकी जगह यह पौधा आसपास सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह बढ़ाता है। साथ ही, इससे जातक को गृह क्लेश से निजात मिल सकती है और परिवार के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम बना रहता है। वास्तु के नियमों का ख्याल रखकर मोगरे का पौधा लगाने से घर में सुख-समृद्धि आती है और रिश्तों में संतुलन बना रहता है।

नेहा कक्कड़ के नए गाने 'तू प्यासा' ने मचाई धूम

सिंगर और डिनो मोरिया की केमिस्ट्री पर फिदा हुए फैंस

पॉप सिंगर नेहा कक्कड़ ने अपना नया गाना 'तू प्यासा है' रिलीज कर दिया है, जिसे सुनकर उनके फैंस बेहद उत्साहित हैं. यह ट्रैक अब सभी म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स पर उपलब्ध है और सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है. गाने की धुन और नेहा की आवाज ने एक बार फिर साबित कर दिया कि वे इंडस्ट्री की सबसे लोकप्रिय और टैलेंटेड सिंगर्स में से एक हैं.

गाना 'तू प्यासा है मैं पानी सनम

नेहा कक्कड़ की आवाज में गाना 'तू प्यासा है' 5 सितंबर को यूट्यूब पर रिलीज हुआ. इस पार्टी सॉन्ग को टोनी कक्कड़ ने प्रोड्यूस किया है और आदिल शेख ने डायरेक्ट किया है. इस गाने में नेहा बॉलीवुड एक्टर डिनो मोरिया के साथ नजर आ रहीं हैं. दोनों की जोड़ी को फैंस फायर बता रहे हैं. ऑनस्क्रीन दोनों में कमाल की केमिस्ट्री दिख रही है.

म्यूजिक और बीट्स युवाओं को खूब पसंद आ रहे हैं

'तू प्यासा है, मैं पानी सनम' एक रोमांटिक और एनर्जेटिक सॉग है, जिसमें नेहा का सिजलिंग लुक देखने लायक है. गाने का म्यूजिक और बीट्स यंग जनरेशन को खूब पसंद आ रहे हैं. डिनो मोरिया की मौजूदगी ने गाने को और भी अट्रैक्टिव बना दिया है. फैंस इस गाने को अपने प्लेलिस्ट में शामिल कर रहे हैं और वीडियो भी यूट्यूब पर तेजी से देखा जा रहा है. यूट्यूब पर अब तक इस गाने को 4 मिलियन से ज्यादा बार देखा जा चुका है.

फैंस ने की तारीफ

नेहा कक्कड़ का गाना रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर छा गया है. फैंस को नेहा कक्कड़ और डीनो मोरिया की सिजलिंग केमेस्ट्री काफी पसंद आई है. यूजर ने कॉमेंट्स के जरिए नेहा की जमकर तारीफ की. एक यूजर ने लिखा, "क्या कमबैक है! नेहा की रॉ वॉइस + टोनी के बोल + डिनो की पर्सनालिटी = ब्लॉकबस्टर एनर्जी" वहीं एक अन्य फैन ने कहा, "ऐसे कमबैक के लिए बस एक शब्दलेजेंडरी."

डिनो मोरियो की एल्बम सॉन्ग्स में वापसी

डीनो मोरियो ने इस गाने के जरिए में म्यूजिक दुनिया में शानदार वापसी की है. 'राज', 'गुनाह', 'अक्सर', 'हाउसफुल 5' और 'एजेंट' जैसी फिल्मों में एक्टिंग से पहले वह कई म्यूजिक वीडियो में भी काम कर चुके हैं. उनके इस कमबैक से फैंस काफी एक्साइटेड हैं.

एमएस धोनी क्रिकेटर से एक्टर बने

फिल्म द चेज में दिखेंगे, आर. माधवन के साथ फायरिंग करते दिखे कैप्टन कूल

टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तान महेंद्र सिंह धोनी अब एक्टिंग की दुनिया में अपनी नई पारी शुरू करने जा रहे हैं। जल्द ही वह एक्टर आर. माधवन के साथ फिल्म 'द चेज' में दिखेंगे। इसमें धोनी और माधवन ब्लैक आउटफिट और सन ग्लासेस पहने हैं और हाथों में गन लेकर ताबड़तोड़ फायरिंग करते नजर आ रहे हैं। आर. माधवन ने फिल्म का टीजर शेयर किया। इस फिल्म को वासन बाला ने डायरेक्ट किया है। वासन आलिया भट्ट की मूवी जिगरा के भी डायरेक्टर थे।

इस फिल्म में रणवीर सिंह, अक्षय खन्ना और संजय दत्त भी नजर आएंगे। इसे 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के डायरेक्टर आदित्य धर ने डायरेक्ट किया है। फिल्म को आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

धोनी के जीवन पर फिल्म 'एम.एस. धोनीः द अनटोल्ड स्टोरी' बन चुकी है। यह साल 2016 में रिलीज हुई थी। फिल्म में सुशांत सिंह राजपूत ने धोनी का किरदार निभाया था। इसके अलावा दिशा पाटनी, कियारा आडवाणी, अनुपम खेर और भूमिका चावला जैसे कलाकार भी इसमें अहम भूमिकाओं में दिखे थे। करीब 104 करोड़ रुपए के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर करीब 216 करोड़ रुपए कमाए थे।

धोनी फिलहाल इंटरनेशल क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं और IPL में CSK की ओर से खेलते हैं। धोनी ने 2004 में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था। 2007 में कप्तान बनकर उन्होंने भारत को टी-20 वर्ल्ड कप जिताया। 2011 में उन्होंने भारत को वनडे वर्ल्ड कप भी जिताया। उन्होंने 2020 में इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

IPL में सबसे ज्यादा मैच खेलने वालों में महेंद्र सिंह धोनी पहले पायदान पर हैं। वह अब तक 278 मैच खेल चुके हैं। धोनी ने चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार खिताब जिताया है। उन्होंने 38.30 की औसत से 5439 रन बनाए हैं। इस दौरान धोनी ने 24 अर्धशतक भी लगाए। उन्होंने विकेटकीपिंग में 47 स्टंपिंग और 154 कैच भी लपके हैं।

धोनी IPL में 100 मैच जीतने वाले एकमात्र कप्तान हैं। उन्होंने IPL में सबसे ज्यादा 235 मैचों में कप्तानी की है। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर रोहित शर्मा हैं। उन्होंने 158 मैचों में कप्तानी की है। धोनी ने अपनी कप्तानी में CSK को 2023 में आखिरी बार चैंपियन बनाया था। धोनी अपनी कप्तानी में टीम को 136 मैचों में जीत दिला चुके हैं, जबकि 97 में टीम को हार मिली।

सईमा अवॉड्र्स में फैंस को निर्देशक सुकुमार ने दिया 'पुष्पा 3' का तोहफा

दुबई में आयोजित हुए सईमा अवॉड्र्स 2025 इस बार पूरी तरह से 'पुष्पा 2ः द रूल' के नाम रहे। निर्देशक सुकुमार और उनकी टीम ने एक साथ पांच बड़ी कैटेगिरी में जीत हासिल की। इस जीत के बाद सुकुमार ने मंच से ही वो एलान कर दिया जिसका इंतजार दर्शक बेसब्री से कर रहे थे। डायरेक्ट ने 'पुष्पा 3ः द रैम्पेज' के बनने पर मुहर लगा दी।

'पुष्पा 2' के नाम अवॉर्ड्स की झड़ी

कार्यक्रम के दौरान अल्लू अर्जुन को बेस्ट एक्टर, रश्मिका मंदाना को बेस्ट एक्ट्रेस, सुकुमार को बेस्ट डायरेक्टर, देवी श्री प्रसाद को बेस्ट म्यूजिक डायरेक्टर और शंकर बाबू कंदुकुरी को बेस्ट प्लेबैक सिंगर (मेल) का अवॉर्ड मिला। जीत के बाद अल्लू अर्जुन ने सोशल मीडिया पर लिखा कि लगातार तीसरी बार सईमा अवॉर्ड जीतना उनके लिए गर्व का पल है। उन्होंने इसका श्रेय अपने डायरेक्टर, पूरी टीम और सबसे बढ़कर अपने फैन्स को दिया।

पुष्पा 3 की आधिकारिक पुष्टि

दरअसल अवार्ड फंक्शन के दौरान होस्ट ने मजाकिया अंदाज में पूछा- 'पार्टी नहीं है पुष्पा?' इसके बाद सवाल आया कि क्या तीसरा पार्ट बनेगा या नहीं। सुकुमार ने पहले अर्जुन और प्रोड्यूसर की ओर देखा और उनके इशारे पर हंसते हुए कहा- 'बिल्कुल, पुष्पा 3 आ रही है।' अब इसका वीडियो सोशल मीडिया पर ट्रेंड हो रहा है।

पुष्पा' फ्रेंचाइजी का अब तक का सफर

2021 में आई 'पुष्पाः द राइज' ने महामारी के बीच लगभग 350 करोड़ की कमाई कर साल की सबसे बड़ी फिल्म बनने का रिकॉर्ड बनाया। इसके बाद 2024 में रिलीज हुई 'पुष्पा 2ः द रूल' ने तो 1871 करोड़ रुपये की वर्ल्डवाइड कमाई कर भारतीय सिनेमा में नया इतिहास रच दिया। यह फिल्म तेलुगु सिनेमा की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी और ऑल इंडिया स्तर पर सिर्फ दंगल से पीछे रही। फिल्म में अल्लू अर्जुन का किरदार पुष्पा राज लोगों को बेहद भाया।

कहानी का अगला अध्याय

'पुष्पा 2' का अंत एक बड़े क्लिफहैंगर पर हुआ था, जिसने फैन्स को यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि आगे की कहानी कहां जाएगी। बहुतों को शक था कि तीसरा पार्ट शायद न बन पाए, क्योंकि निर्देशक सुकुमार की दूसरी फिल्में भी लाइनअप में हैं और अर्जुन इस वक्त एटली की साई-फाई फिल्म में दीपिका पादुकोण के साथ काम कर रहे हैं। लेकिन अब पुष्पा 3 की पुष्टि ने सभी शंकाओं को खत्म कर दिया है।

राधिका आप्टे ने 'अंधाधुन' और 'पैडमैन' जैसी शानदार फिल्मों से जीता दिल

राधिका ने थिएटर से अपने करियर की शुरुआत की और कभी अपने परिवार से आर्थिक मदद नहीं ली। शुरुआती दिनों में वह शेयरिंग रूम में रहती थीं और पैसे बचाने के लिए बस से सफर करती थीं। उनकी मेहनत और टैलेंट ने उन्हें इंडस्ट्री में एक खास मुकाम दिलाया। हाल ही में, वह अपनी फिल्म 'साली मोहब्बत' और 'लस्ट स्टोरीज' के तीसरे सीजन को लेकर चर्चा में हैं। इसके अलावा, राधिका अब निर्देशन की दुनिया में भी कदम रख रही हैं, जिससे उनकी बहुमुखी प्रतिभा और बढ़ रही है।

राधिका आप्टे का जन्मदिन 7 सितंबर 1985 को तमिलनाडु के वेल्लोर में एक मराठी परिवार में हुआ था। उनके पिता डॉ. चारुदत्त आप्टे एक न्यूरोसर्जन हैं और पुणे के सह्याद्री हॉस्पिटल के अध्यक्ष रहे हैं। राधिका ने पुणे के फर्ग्युसन कॉलेज से गणित और अर्थशास्त्र में पढ़ाई पूरी की।

उन्होंने 2013 में ब्रिटिश म्यूजिशियन बेनेडिक्ट टेलर से शादी की। दोनों की मुलाकात 2011 में लंदन में हुई थी, जब राधिका वहां कंटेम्पररी डांस सीख रही थीं। उनकी शादीशुदा जिंदगी काफी निजी रही है। वह इसे सुर्खियों से दूर रखना पसंद करती हैं। पिछले साल (2024) राधिका मां बनीं और उन्होंने अपनी बेटी की झलक सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा की।

राधिका की शानदार फिल्में

राधिका ने अपने करियर की शुरुआत 2005 में फिल्म 'वाह! लाइफ हो तो ऐसी' से की। इस फिल्म में उन्होंने छोटा-सा रोल निभाया। इसके बाद उन्होंने हिंदी, तमिल, मराठी, तेलुगु, बंगाली और मलयालम फिल्मों में काम किया।

उनकी कुछ मशहूर फिल्में हैं- 'अंधाधुन', 'पैडमैन', 'मांझी', और 'फोबिया'। इसके अलावा, वह वेब सीरीज जैसे 'सेक्रेड गेम्स', 'लस्ट स्टोरीज' और 'मोनिका ओ माय डार्लिंग' में भी नजर आईं।

गणपति विसर्जन के बाद मुंबई बीच को साफ करने पहुंचे अक्षय कुमार, यूजर्स बोले - 'आपको सैल्यूट है'

बीते दिन पूरे देश में धूमधाम से गणपति विसर्जन किया गया. जिसके बाद मुंबई के जुहू चौपाटी पर संडे की सुबह सफाई अभियान चलाया गया. इस दौरान एक्टर अक्षय कुमार भी वहां मौजूद रहे. एक्टर ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी के साथ मिलकर बीच की सफाई की. इसका एक वीडियो सोशल मीडिया पर खासा वायरल हो रहा है. जिसे देख यूजर्स भी एक्टर की तारीफ करते दिखे.

अक्षय कुमार ने की बीच की सफाई

सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे इस वीडियो में अक्षय कुमार कुछ वॉलेंटियर्स के साथ मिलकर बीच पर फैले कूड़े को थैलों में डालते हुए नजर आ रहे हैं. अक्षय ने कहा कि, 'ज्ञान हमें सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी इसी बात पर जोर देते हैं, ये सिर्फ बीएमसी की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि यह जनता की भी जिम्मेदारी है..'

यूजर्स ने की जमकर की अक्षय कुमार की तारीफ

अक्षय के इस वीडियो को देखकर अब यूजर्स कमेंट सेक्शन में उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं. एक ने लिखा कि, 'आपको सैल्यूट..' दूसरे ने कहा, 'अक्षय कुमार के लिए रिस्पेक्ट है..'

एक यूजर ने कहा कि, 'अच्छी बात है, ऐसा सबको करना चाहिए..' हालांकि इसी बीच कुछ लोग एक्टर को ट्रोल करते भी दिखे. उन्होंने कहा कि, 'लगता है किसी मूवी का ट्रेलर आने वाला है..' एक ने लिखा, 'सब ढोंग है..कैमरे के सामने दिखावा..'

इस फिल्म में नजर आएंगे अक्षय कुमार

वर्कफ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार को आखिरी बार फिल्म 'हाउसफुल 5' में देखा गया था.

ये एक मल्टी स्टारर फिल्म थी. जिसने बॉक्स ऑफिस पर अच्छा कलेक्शन किया था. अब एक्टर बहुत जल्द फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' में नजर आएंगे. फिल्म में उनके साथ अरशद वारसी की टक्कर देखने को मिली.

'दारू-सिगरेट पीती है'- शिल्पा शेट्टी पर ऐसा था ससुर का रिएक्शन, अब पति ने खोला राज

राज कुंद्रा ने हाल ही में खुलासा किया कि शिल्पा से शादी के लिए उनके पेरेंट्स पहले बिल्कुल भी तैयार नहीं थे. उन्हें लगता था कि वो दारू पीती है, सिगरेट पीती हैं.

बॉलीवुड एक्ट्रेस शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा इन दिनों अपनी पंजाबी फिल्म 'मेहर' को लेकर सुर्खियों में हैं. जिसमें उनके काम को काफी पसंद किया जा रहा है. इसी बीच फिल्ममेकर फराह खान अपने कुकिंग व्लॉग के लिए राज और शिल्पा के घर पहुंची. इस दौरान राज ने फराह को अपनी शादी का एक हैरान कर देने वाला किस्सा बताया. जिसे सुनकर हर कोई दंग रह गया.

शिल्पा के लिए कैसा था ससुर का रिएक्शन?

राज कुंद्रा ने बताया कि, जब वो शिल्पा से पहली बार मिले थे. तभी उनपर दिल हार बैठे थे. लेकिन जब उनके पिता को शिल्पा के बारे में पता चला तो वो इस बात से बिल्कुल भी खुश नहीं थे उन्होंने मुझसे कहा था कि, 'अरे यार, क्या एक्ट्रेसेस के साथ लग गया है? दारू पीती है, सिगरेट पीती है..' लेकिन मैंने उन्हें समझाया कि आप किसी भी नतीजे पर पहुंचने से पहले एक बार शिल्पा से मिल लें. फिर जब वो शिल्पा से मिले तो उनकी राय एकदम बदल गई.

शिल्पा शेट्टी की ससुरालवालों से पहली मुलाकात

राज ने आगे बताया कि, 'जब मेरी फैमिली शिल्पा से मिली तो वो एक नजर में ही उनको पसंद आ गई. आज वो लोग मुझसे भी ज्यादा उससे प्यार करते हैं.' बता दें कि राज कुंद्रा और शिल्पा शेट्टी की शादी साल 2009 में हुई थी. आज ये कपल दो बच्चों एक बेटे और एक बेटी के पेरेंट्स हैं.

इस फिल्म में नजर आई थीं शिल्पा शेट्टी

वर्कफ्रंट की बात करें तो राज कुंद्रा हालिया रिलीज पंजाबी फिल्म 'मेहर' में नजर आए हैं. फिल्म में उनके साथ गीता बसरा लीड रोल में हैं. वहीं शिल्पा आखिरी बार फिल्म 'कमीने' में दिखाई दी थी. इन दिनों वो एक डांस रिएलिटी शो जज कर रही हैं. जहां कई बार रेट्रो लुक में नजर आ चुकी हैं. इसके अलावा वो सोशल मीडिया पर भी खूब एक्टिव हैं.

बड़े बाप की बेटी हैं लोकाह चैप्टर 1 में नजर आई लीड हीरोइन कल्याणी प्रियदर्शन

मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन इन दिनों खूब सुर्खियां बटोर रही हैं. लोग उनके बारे में जानने को उतावले हो रहे हैं. साउथ इंडस्ट्री की टैलेंटेड एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन अपनी मासूमियत और ग्लैमरस अंदाज के लिए जानी जाती हैं. दिग्गज फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी होने के बावजूद उन्होंने अपनी मेहनत से खास पहचान बनाई है. हाल ही में फिल्म लोकाह चैप्टर 1 में नजर आईं कल्याणी ने अपने अंदाज से फैंस का दिल जीत लिया.

मशहूर फिल्ममेकर प्रियदर्शन की बेटी कल्याणी प्रियदर्शन ने अपने करियर की शुरुआत ऋतिक रोशन की फिल्म कृष 3 से असिस्टेंट डायरेक्टर के तौर पर की. इसके बाद उन्होंने 2017 में फिल्म 'हेलो' से फिल्मी पर्दे पर कदम रखा. इसके बाद 2019 में 'हीरो', 2020 में मलयालम फिल्म 'वरने अवश्यमंद', 'ब्रो डैडी', 'हृदयम' जैसी हिट फिल्मों में काम किया.

एक्ट्रेस ने हालिया रिलीज फिल्म 'लोकाहः चैप्टर 1' में लीड

रोल निभाया है. इस फिल्म में एक्ट्रेस ने चंद्रा का किरदार निभाया है. इस फिल्म ने इंडस्ट्री में एक्ट्रेस को अलग पहचान दिलाई है.

फिल्म लोकाह चैप्टर 1ः चंद्रा की इन दिनों खूब चर्चा है. फिल्म की कहानी और एक्टर्स की एक्टिंग की खूब तारीफ की जा रही है. फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर भी काफी अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. फिल्म के साथ-साथ एक्ट्रेस कल्याणी प्रियदर्शन की भी बहुत चर्चा हो रही है.

32 साल की कल्याणी सोशल मीडिया पर इस वक्त कल्याणी छाई हुई हैं. लोग उनके बारे में जानने को उतावले हो रहे हैं. आपको बता दें एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहतीं हैं, इसी के साथ कल्याणी के इंस्टाग्राम पर भी अच्छी फैन फॉलोइंग है. अपनी दमदार एक्टिंग के साथ एक्ट्रेस अपने स्टाइलिश और ग्लैमरस अंदाज से भी फैंस को दीवाना बना देती हैं. एक्ट्रेस के लुक्स और पर्सनेलिटी की बात करें तो वो किसी से कम नहीं चाहे वेस्टर्न हो या एथिनिक कल्याणी का हर अंदाज बेहद यूनिक है.

कामकाजी माहौल को हल्का-फुल्का और मजेदार बनाएं, ताकि टीम का जुड़ाव बढ़े और तनाव कम हो

आजकल काम का दबाव अधिक होने से अधिकत्तर पेशेवरों या लीडर्स का व्यवहार काफी गंभीर हो जाता है और वे टीम के बाकी सदस्यों से कटे-कटे से रहते हैं। वे अक्सर सोचते हैं कि क्या कार्यस्थल पर मजाकिया अंदाज सही है? तो इसका जवाब है हां, लेकिन सही तरीके से। यह एक ऐसा गुण है, जो महज हंसी-मजाक तक सीमित नहीं है, बल्कि यह लोगों को आपस में जोड़ने का काम करता है।

शोध बताते हैं कि सही समय पर ऐसा करना न सिर्फ टीम को एकजुट करता है, बल्कि तनाव कम करके विश्वास भी मजबूत कर सकता है। हालांकि, एक गलत मजाक आपकी छवि खराब भी कर सकता है, तो सवाल यह है कि कार्यस्थल पर ऐसे व्यवहार की सीमाएं क्या हों? इसी के बारे में यहां चर्चा की जा रही है। इनकी मदद से आप काम के दौरान खुद को और टीम के बाकी सदस्यों को ऊर्जावान बनाए रख सकते हैं।

क्यों है जरूरी?

हंसी सिर्फ माहौल हल्का नहीं करती, बल्कि ऐसा करते वक्त एंडोर्फिन नामक हार्मोन भी स्रावित होता है, जो तनाव को कम करता है और फोकस बढ़ाता है। सेल्फ-डिप्रिसेटिंग ह्यूमर (यानी खुद से जुड़ा हल्का मजाक) आपको और अधिक मानवीय तथा मिलनसार दिखाता है। उदाहरण के लिए, आप किसी प्रेजेंटेशन की शुरुआत अपनी किसी असफलता की मजेदार कहानी से कर सकते हैं। इससे लोग आपको ज्यादा प्रामाणिक मानेंगे।

जुड़ाव की भावना को जाहिर करें

हंसी रिश्तों में सहजता लाकर आत्मविश्वास व भरोसे को बढ़ाती है। इसे एक मजबूत नेतृत्व गुण माना जाता है। अक्सर लीडर्स सोचते हैं कि नेतृत्व में गंभीर रहना चाहिए, लेकिन सहकर्मियों से जुड़ने के लिए मजाकिया लहजा भी जरूरी है। हालांकि, यह ध्यान रखना चाहिए कि आपको जबर्दस्ती मजाकिया नहीं बनना है, बल्कि अपने भीतर छिपी जुड़ाव की भावना को लोगों के सामने लाना है।

हास्य की कई जुबानें

हंसी के भी कई प्रकार होते हैं। सबसे पहले, जब कोई अप्रत्याशित बात सामने आकर सबको चौंका दे, तो माहौल खुशगवार हो जाता है। दूसरा तरीका है व्यंग्य, जिसमें आपको ध्यान रखना चाहिए कि मजाक किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचाए। तीसरा है, शब्दों का खेल, जिसमें कहानियों के जरिये आप दूसरों के साथ गहरा रिश्ता बना सकते हैं।

आइसब्रेकर गतिविधियां

आप ऑफिस मीटिंग्स में माहौल को सहज करने के लिए इसकी शुरुआत किसी छोटे चुटकुले से कर सकते हैं या फिर टीम को 'आइसब्रेकर' जैसी गतिविधियों में शामिल करें। इसके तहत आप उनसे 'दो सही, एक झूठ' या 'उनसे जुड़ा सबसे मजेदार किस्सा सुनाने' के लिए कह सकते हैं। इससे टीम के सदस्य खुलकर बात करने में सहज महसूस करते हैं और मीटिंग का परिणाम भी सकारात्मक रहता है।

भारतीय छात्रों को नहीं भा रहा अमेरिका : आवेदन में 13 फीसदी की गिरावट, जर्मनी में 32.6% की रिकॉर्ड बढ़त

एक रिपोर्ट में बताया गया कि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में भारतीय छात्रों के आवेदनों में साल-दर-साल 13% की गिरावट आई है। दूसरी ओर, जर्मनी भारतीय छात्रों की नई पसंद बनकर उभरा है, जहां 2024-25 सत्र में 32.6% की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज की गई।

एडटेक कंपनी अपग्रेड की ट्रांसनेशनल एजुकेशन रिपोर्ट 2024-25 में कहा गया है कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब भारतीय छात्रों के लिए पसंदीदा गंतव्य नहीं रहा, क्योंकि अमेरिकी विश्वविद्यालयों में आवेदनों में साल-दर-साल 13 प्रतिशत की गिरावट आई है, जबकि जर्मनी (2022 में 13.2 प्रतिशत से बढ़कर 2024-25 में 32.6 प्रतिशत) और संयुक्त अरब अमीरात (जहां 42 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय छात्र भारतीय हैं) जैसे यूरोपीय गंतव्यों में शानदार वृद्धि देखी जा रही है।

मध्य पूर्व बना भारतीय छात्रों का नया हब

रिपोर्ट में कहा गया है कि मध्य पूर्व तेजी से भारतीय छात्रों के लिए एक व्यावहारिक और सुलभ विदेश अध्ययन स्थल बनता जा रहा है, जहां वैश्विक परिसरों से डिग्री कार्यक्रम उपलब्ध हैं।

दुबई और कतर के एजुकेशन सिटी में, जॉर्जटाउन, जॉन्स हॉपकिन्स, आरआईटी, कार्नेगी मेलन और वेइल कॉर्नेल जैसे प्रतिष्ठित अमेरिकी विश्वविद्यालयों के सैटेलाइट परिसर अपने घरेलू संस्थानों के समान ही डिग्री प्रदान करते हैं, रिपोर्ट में कहा गया है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2022 में अमेरिका (19 प्रतिशत) और कनाडा (18 प्रतिशत) भारतीय छात्रों के लिए शीर्ष गंतव्य थे।

अमेरिका और कनाडा में कम हुआ भारतीय छात्रों का रुझान

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2023 तक अमेरिका में यह संख्या लगभग 60 प्रतिशत तक बढ़ गई थी, जो कई कारकों के कारण 47 प्रतिशत पर स्थिर हो गई। दो साल बाद परिदृश्य बदल गया क्योंकि यह करियर के लिहाज से उपयुक्त था। ट्रांसनेशनल एजुकेशन (टीएनई) रिपोर्ट 2024-25, जनवरी 2024 से मई 2025 तक आयोजित एक लाख से अधिक उत्तरदाताओं, जिनमें से अधिकांश भारत से थे, के सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट में आगे बताया गया है कि कनाडा में भी आवेदनों में कमी आई है, जो 2022 में 18 प्रतिशत से घटकर वित्त वर्ष 2025 में 9 प्रतिशत रह गया।

ब्रिटेन-आयरलैंड बने भारतीय छात्रों की पसंद

इस बीच, रिपोर्ट में कहा गया है कि नीतिगत बदलावों को लेकर चिंताओं के बावजूद, ब्रिटेन अभी भी हर साल भारत से हजारों छात्रों को आकर्षित करता है, जिसका श्रेय उसके विश्व स्तर पर रैंक किए गए विश्वविद्यालयों, छोटी स्नातकोत्तर डिग्रियों और विस्तृत विषय-प्रस्तुतियों को जाता है।

एथिकल हैकिंग में बनाएं करियर

आजकल के समय को टेक्नोलॉजी का समय कहना गलत नहीं होगा. हर छोटा बड़ा काम तकनीकी से जुड़ा है. इस तकनीकी के जहां बहुत से फायदे हैं वहीं जब इसका इस्तेमाल गलत हाथों में होने लगता है तो ये बड़े लेवल पर नुकसान भी पहुंचा सकता है. बड़ी-बड़ी कंपनियों का डेटा सुरक्षित रखना,

नेटवर्किंग को सेंध लगने से बचाना जैसे बहुत से काम होते हैं जो एथिकल हैकर करते हैं. जैसा कि नाम से ही साफ है कि ये है तो हैकिंग का काम लेकिन सही उद्देश्य से किया जाता है तो एथिकल हैकिंग बन जाता है.

अच्छी है ग्रोथ

हाल ही में हुए एक सर्वे में पता चलता है कि क्लाउड कम्प्यूटिंग की फील्ड में सर्टिफाइड एथिकल हैकर की डिमांड तेजी से बढ़ने वाली है. इससे एक बात तो पक्की है कि इस फील्ड में करियर बनाना आपके लिए कहीं से भी घाटे का सौदा नहीं साबित होगा.

कौन सा कोर्स कर सकते हैं

इस फील्ड में आने के लिए कैंडिडेट्स साइबर सिक्योरिटी, इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी या कंप्यूटर साइंस जैसे विषयों में बैचलर्स प्रोग्राम कर सकते हैं. इन कोर्सेस के अंतर्गत उन्हें बहुत सी चीजें सिखायी जाती हैं जैसे अलग-अलग सॉफ्टवेयर के बारे में जानकारी, पेंटरेशन तकनीक, एथिकल हैकिंग वगैरह. ये वे तकनीक सीखते हैं जिसके माध्यम से अलग-अलग टूल्स और टेक्नोलॉजीस का इस्तेमाल करके कंप्यूटर सिस्टम की समस्याओं को हल किया जाता है साथ ही सॉफ्टवेयर की समस्याओं को दूर किया जाता है.

कहां मिलता है काम

कंपनियों को साइबर अटैक से बचाना और उनका डाटा सेफ रखना इनका मुख्य काम होता है. ये कंपनी के ऑनलाइन बिजनेस का पूरा ध्यान रखते हैं और बहुत सी आईटी फर्म्स इन्हें नौकर पर रखती हैं. एचसीएल, विप्रो, इंफोसिस, आईबीएम, टीसीएस, टेक महिंद्रा, रिलायंस और एयरटेल जैसी कंपनियों में काम किया जा सकता है.

कितनी होती है सैलरी

इस एरिया में एवरेज सैलरी शुरुआत में साल के तीन से साढ़े चार लाख तक है. बाद में अनुभव बढ़ने के साथ-साथ ये साल के दस से बारह लाख तक आराम से पहुंच जाती है. आप डाटा सिक्योरिटी स्पेशलिस्ट, एप्लीकेशंस सिक्योरिटी एग्जीक्यूटिव, सिक्योरिटी ऑडिटर, सिक्योरिटी सर्टिफाइड प्रोग्रामर और वेब सिक्योरिटी मैनेजर जैसे बहुत से पद पर काम कर सकते हैं.

यहां से करें कोर्स

इस फील्ड में आने के लिए बैचरल इन साइबर सिक्योरिटी, डिप्लोमा इन साइबर सिक्योरिटी नेटवर्क जैसे बहुत से कोर्स किए जा सकते हैं. इस फील्ड में 12वीं पास कैंडिडेट्स एंटर कर सकते हैं.

सफल लोगों की क्या विशेषताएं होती हैं

प्रत्येक व्यक्ति जीवन में सफलता की कामना करता है लेकिन कम लोग ही ऐसे होते हैं जिन्हें सफलता हासिल कर अपनी उपलब्धियों से संतुष्ट होने का अवसर मिलता है।

सफलता में बहुत से गुणों का योगदान होता है। कौन-सी विशेषताएं एक व्यक्ति को सफल बनाती हैं, व्यवहार विज्ञानियों द्वारा काफी समय से इस पर अध्ययन किया जाता रहा है। सफल लोगों की सोच, प्रवृत्तियों और जीवन शैली पर विभिन्न प्रकार के सर्वेक्षण भी किए जाते रहे हैं।

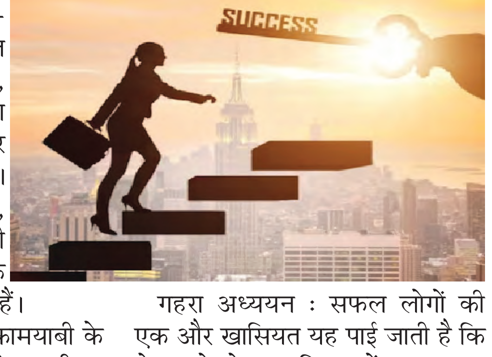

यह आवश्यक नहीं कि कामयाबी के शिखर पर पहुंचे सभी लोगों का जीवन एक जैसा रहा हो लेकिन कुछ ऐसी विशेषताएं जरूर हैं जिन्हें अधिकांश सफल व्यक्तियों में मौजूद पाया गया है। आइए हम भी जानें कि ये विशेषताएं कौन सी हैं, जिन्हें अपनाकर हम और आप सफलता के मार्ग पर अपने कदम बढ़ा सकते हैं।

सहज बुद्धि का प्रयोगः सफल लोगों पर किए गए एक अध्ययन से यह बात उभर कर सामने आई कि सहज बुद्धि, जिसे हम कामनसैंस कहते हैं को वे अपनी सफलता का एक अत्यंत प्रमुख कारण मानते हैं। मानसिक रूप से स्वस्थ प्रत्येक व्यक्ति सहज बुद्धि से युक्त होता है। हां, यह किसी में कम और किसी में ज्यादा हो सकती है लेकिन सहज बुद्धि का कम या अधिक होना उतना महत्वपूर्ण नहीं है जितना यह कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है। ऐसा करने के लिए स्थिति और समस्याओं की गहरी समझ विकसित करना तथा पूर्वाग्रहों से मुक्त होना आवश्यक है। अनुभवी लोगों की संगत में रहकर, अपनी तथा दूसरों की गलतियों से सबक लेकर हम अपनी सहज बुद्धि को प्रखर बना सकते हैं।

गहरा अध्ययन : सफल लोगों की एक और खासियत यह पाई जाती है कि वे अपने क्षेत्र या विषय में पूरा दखल रखते हैं।

इसलिए आपने अपने अध्ययन या कुशलता के लिए जो भी क्षेत्र चुना हो, के स्ताव का ज्ञान क्षेत्र सेना SUC करने के लिए जो भी कीमत चुकानी पड़े चुकानी चाहिए। ज्ञान प्राप्त करने की यह कोशिश पूरे मन से भी जुड़ी होनी चाहिए। बेमन से किए गए प्रयासों में आपका समय तो व्यर्थ होता ही है आपको वांछित परिणाम हासिल करने में बाधाएं भी आती हैं।

स्पष्ट लक्ष्य : सफलता के लिए आवश्यक है कि हम उद्देश्य के प्रति स्पष्ट हों और साथ ही यह समझने में समर्थ हों कि इस उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए हमारी कार्य योजना क्या होनी चाहिए। दृढ़ इच्छाशक्ति सफल लोगों का अनिवार्य गुण रहा है। अपने उद्देश्य के प्रति जागरूक और प्रतिबद्ध रहकर ही इसे पाया जा सकता है।

नौकरी के साथ लें ऑनलाइन एमबीए की डिग्री, करियर में आएगा उछाल

ग्रेजुएशन के बाद एमबीए की डिग्री आपको करियर में आगे बढ़ने में बहुत मदद कर सकती है. हालांकि कई बार ऐसा होता है कि बहुत से कैंडिडेट्स एमबीए की डिग्री के लिए कॉलेज ज्वॉइन नहीं कर पाते. ऐसे में ऑनलाइन एमबीए की डिग्री एक ऑप्शन है जिसका फायदा उठाया जा सकता है. ये ऑप्शन जॉब करने वालों या न करने वालों, दोनों के लिए खुला है. इससे आपको करियर में आगे बढ़ने में तो मदद मिलती ही है साथ ही और भी बहुत से फायदे होते हैं.

क्या हैं ऑनलाइन एमबीए के फायदे

ऑनलाइन एमबीए में आपको फ्लेक्सबिलिटी मिलती है. आप अपनी सुविधा के हिबास से कोर्स, वीडियो लेसन, क्विज वगैरह ज्वॉइन कर सकते हैं. क्लास का टाइम खुद तय कर सकते हैं. ताकि नौकरी या दूसरे कामों के साथ भी एमबीए हो जाए.

ये पैसा बचाने में भी मदद करता है. अगर आपको कॉस्ट कटिंग करनी है तो ऑनलाइन एमबीए एक ऑप्शन हो सकता है. ऑन-कैम्पस एक्सपेंसेस के साथ ही कम्यूटिंग तक इससे बहुत से क्षेत्रों में पैसा बचता है. नौकरी कर रहे हैं तो सैलरी भी मिलती है और पढ़ाई भी साइड में चलती रहती है. आपकी नॉलेज बढ़ती है और जिसका फायदा आपको नौकरी से लेकर प्रमोशन तक में मिलता है. फाइनेंस, एकाउंटिंग, मार्केटिंग की जानकारी बढ़ती है और बिजनेल एनालिटिक्स, इंटरनेशनल बिजनेस की जानकारी होने से और क्षेत्रों में फायदा पहुंचता है. ये आपके प्रमोशन के चांस बढ़ाता है,

सैलरी बढ़िया मिलने लगती है और इससे जॉब सिक्योरिटी भी बढ़ती है. ऑनलाइन एमबीए के बाद आप आसानी से नौकरी पा भी सकते हैं और करियर स्विच भी कर सकते हैं.

इन जगहों से कर सकतें हैं कोर्स

आईआईएम कोझिकोड, एमाइटी ऑनलाइन यूनिवर्सिटी, आईआईएम इंदौर, एलियांस स्कूल ऑफ बिजनेस, एक्सएलआरआई वगैरह से बहुत से कोर्स किए जा सकते हैं. आप अपनी जरूरत के मुताबिक चुनाव कर सकते हैं.

कोर्स का चुनाव करते समय इंस्टीट्यूट या यूनिवर्सिटी का ब्रैंड, फैकल्टी की प्रोफाइल, कोर्स का क्यूरिकुलम और ड्यूरेशन, प्राइस, प्लेसमेंट या करियर सपोर्ट, पियर ग्रुप प्रोफाइल, स्पेशियलाइजेशन ऑप्शंस और टाइम कमिटमेंट कुछ एरिया हैं जिन्हें जरूर चेक कर लें.

यूपी पुलिस के 4543 पदों पर बंद होने वाली है आवेदन विंडो

11 तारीख से पहले फटाफट भर दें फॉर्म

यूपी पुलिस भर्ती बोर्ड दारोगा के 4543 पदों के लिए आवेदन प्रक्रिया जल्द ही आवेदन विंडो बंद कर देगा। इच्छुक और पात्र उम्मीदवरा जिन्होंने अभी तक आवेदन नहीं किया है, वे आधिकारिक वेबसाइट uppbpb.gov.in पर जाकर 11 सितंबर तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन प्रक्रिया 12 अगस्त से चालू है। जमा किए गए शुल्क को समायोजित करने की अंतिम तिथि 13 सितंबर, 2025 निर्धारित की गई है।

शैक्षिक योग्यता

उम्मीदवार के पास भारत में किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक की डिग्री होनी चाहिए। सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त समकक्ष डिग्री वाले उम्मीदवार भी आवेदन कर सकते हैं।

आयु सीमा

न्यूनतम आयुः 21 वर्ष

अधिकतम आयुः 28 वर्ष

जन्म तिथिः अभ्यर्थी का जन्म 2 जुलाई 1997 से पहले और 1 जुलाई 2004 के बाद नहीं होना चाहिए।

आयु की गणनाः 1 जुलाई 2025 के आधार पर होगी।

आरक्षण और छूट

आरक्षित श्रेणी के उम्मीदवारों को नियमों के अनुसार ऊपरी आयु सीमा में छूट मिलेगी।

इसके अलावा, इस बार भर्ती बोर्ड ने सभी श्रेणी के उम्मीदवारों को विशेष रूप से 3 वर्ष की अतिरिक्त छूट दी है।

चयन प्रक्रिया

लिखित परीक्षाः उम्मीदवारों का चयन सबसे पहले लिखित परीक्षा के आधार पर होगा। यह परीक्षा 400 अंकों की होगी, जिसमें कुल 160 प्रश्न पूछे जाएंगे। परीक्षा की अवधि 2 घंटे (120 मिनट) तय की गई है। इसमें सामान्य हिंदी, मूल विधि/संविधान/सामान्य ज्ञान, संख्यात्मक एवं मानसिक योग्यता, मानसिक अभिरूचि, बुद्धिलब्धि और तार्किक क्षमता से जुड़े प्रश्न शामिल होंगे।

दस्तावेज और शारीरिक परीक्षणः लिखित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया जाएगा। इसके बाद अंतिम चरण में शारीरिक परीक्षण कराया जाएगा। इन तीनों चरणों में सफल होने वाले उम्मीदवारों का चयन उप निरीक्षक (SI) पद के लिए किया जाएगा।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले UP Police की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं।

होमपेज पर दिए गए UP Police SI Recruitment 2025 लिंक पर क्लिक करें।

अब नया रजिस्ट्रेशन (New Registration) करें और अपनी बेसिक जानकारी भरें।

रजिस्ट्रेशन पूरा होने के बाद लॉगिन करें और एप्लीकेशन फॉर्म को ध्यान से भरें।

अपनी शैक्षिक योग्यता, व्यक्तिगत जानकारी और अन्य विवरण सही-सही दर्ज करें।

मांगे गए दस्तावेज (शैक्षिक प्रमाणपत्र, फोटो, हस्ताक्षर आदि) अपलोड करें।

श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क ऑनलाइन जमा करें।

सबमिट करने से पहले आवेदन फॉर्म को रीव्यू करें।

अंतिम चरण में फॉर्म सबमिट कर लें और उसका प्रिंट आउट सुरक्षित रख लें।

रेलवे में पैरा-मैडिकल स्टाफ भर्ती के 434 पदों पर आज आखिरी मौका

रेलवे में नौकरी की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए यह बड़ा मौका है। रेलवे भर्ती बोर्ड (RRB) द्वारा जारी नोटिफिकेशन के अनुसार, पैरा-मैडिकल स्टाफ के 434 पदों पर भर्ती के लिए आवेदन की प्रक्रिया 9 अगस्त 2025 से चल रही है। इसका ऑनलाइन आवेदन करने की अंतिम तिथि 8 सितंबर 2025 उम्मीदवार आवेदन कर सकेंगे। इच्छुक और योग्य उम्मीदवार समय रहते rrbapply.gov.in पर जाकर आवेदन पूरा कर लें।

पदों का विवरण

पद का नाम कुल पद

नर्सिंग सुपरिटेंडेंट 272

डायलिसिस टेक्नीशियन
4

हेल्थ एंड मलेरिया इंस्पेक्टर
33

फार्मासिस्ट (एंट्री ग्रेड)
105

रेडियोग्राफर (एक्स-रे टेक)
4

ईसीजी टेक्नीशियन 4

कुल पद434

कौन कर सकता है आवेदन?

इन पदों पर आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों की न्यूनतम आयु पदानुसार 18, 19 और 20 वर्ष निर्धारित की गई है। वहीं, अधिकतम आयु सीमा भी पद के अनुसार अलग-अलग तय की गई है, जो कि 33, 35 और 40 वर्ष तक हो सकती है। अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि वे आवेदन करने से पूर्व संबंधित पद की विस्तृत पात्रता, शैक्षणिक योग्यता और आयु सीमा की जानकारी आधिकारिक नोटिफिकेशन में जरूर पढ़ लें।

चयन प्रक्रिया

उम्मीदवारों का चयन कंप्यूटर आधारित परीक्षा (CBT), डॉक्युमेंट वेरिफिकेशन और मेडिकल टेस्ट के आधार पर किया जाएगा। परीक्षा में प्रत्येक सही उत्तर के लिए 1 अंक मिलेगा जबकि गलत उत्तर पर 1/3 अंक की कटौती होगी।

ऐसे करें आवेदन

सबसे पहले रेलवे भर्ती बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट indian-railways.gov.in पर जाएं।

वेबसाइट पर जाकर उस RRB रीजन को चुनें जहां आप आवेदन करना चाहते हैं (जैसे RRB Allahabad, RRB Mumbai आदि)।

CEN No...के तहत पैरामेडिकल भर्ती 2025 का नोटिफिकेशन लिंक खोजें।

Apply Online या New Registration लिंक पर क्लिक करके अपना नाम, मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी आदि भरकर रजिस्ट्रेशन करें।

पंजीकरण के बाद मिले लॉगिन क्रेडेंशियल्स से लॉगिन करें और आवेदन फॉर्म को सावधानीपूर्वक भरें।

अपनी पासपोर्ट साइज फोटो, सिग्नेचर और आवश्यक प्रमाण पत्र निर्धारित प्रारूप और साइज में अपलोड करें।

अपनी श्रेणी के अनुसार आवेदन शुल्क ऑनलाइन माध्यम से जमा करें।

सभी विवरण की जांच करें और बटन पर क्लिक करें।

सफलतापूर्वक आवेदन करने के बाद आवेदन फॉर्म का प्रिंट आउट अपने पास रख लें।

शेयर बाजार में बजाज, अंबानी, भारती का जलवा

7 कंपनियों ने जोड़े एक लाख करोड़ से ज्यादा

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। पिछले हफ्ते देश की 7 दिग्गजों का कंपनियों का जलवा देखने को मिला. देश की टॉप 10 कंपनियों में से 7 कंपनियों के मार्केट कैप में ज्वाइंटली 1,06,250.95 करोड़ रुपए का इजाफा देखने को मिला. जिसमें सबसे ज्यादा कमाई बजाज फाइनेंस और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज की हुई. वैसे एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक और एलआईसी को भी बड़ा फायदा हुआ है. वहीं दूसरी ओर तीन कंपनियां ऐसी भी रहीं जिन्हें के मार्केट कैप से ज्वाइंटली 29,731.4 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है. जिसमें टीसीएस, इंफोसिस और हिंदुस्तान यूनिलीवर शामिल है. जानकारों की मानें तो जीएसटी रिफॉर्म के बाद कई एफएमसीजी और ऑटो कंपनियों को फायदा होता हुआ दिखाई दे सकता है. अगर बात पिछले हफ्ते शेयर बाजार की करें तो बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स में 901.11 अंक यानी 1.12 फीसदी का उछाल देखने को मिला. जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के प्रमुख सूचकांक निफ्टी 50 में 314.15 अंक यानी 1.28 फीसदी की बढ़ोतरी देखने को मिली. वैसे पिछले हफ्ते मार्केट कैप में हुए बदलाव के बाद भी रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे अधिक मूल्यवान कंपनी रही, उसके बाद एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, हिंदुस्तान यूनिलीवर, इंफोसिस, बजाज फाइनेंस और एलआईसी का स्थान रहा. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस कंपनी के मार्केट कैप में इजाफा देखने को मिला है और किस कंपनी को कितना नुकसान हुआ है.देश की सबसे बड़ी एनबीएफसी कंपपनी बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 37,960.96 करोड़ रुपए बढ़कर 5,83,451.27 करोड़ रुपए हो गया.देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज का मूल्यांकन 23,343.51 करोड़ रुपए बढ़कर 18,59,767.71 करोड़ रुपए हो गया.

देश का सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर एचडीएफसी बैंक का बाजार पूंजीकरण (एमकैप) 17,580.42 करोड़ रुपए बढ़कर 14,78,444.32 करोड़ रुपए हो गया. वहीं दूसरी देश की सबसे बड़ी इंश्योरेंस कंपनी भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का बाजार पूंजीकरण 15,559.49 करोड़ रुपए बढ़कर 5,54,607.42 करोड़ रुपए हो गया. देश के सबसे बड़े सरकारी लेंडर भारतीय स्टेट बैंक का बाजार पूंजीकरण 4,246.09 करोड़ रुपए बढ़कर 7,44,864.69 करोड़ रुपए देखने को मिला. वहीं देश की बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में शुमार भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण 4,134.02 करोड़ रुपए बढ़कर 10,81,347.25 करोड़ रुपए हो गया. देश का दूसरा सबसे बड़ा प्राइवेट लेंडर आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 3,426.46 करोड़ रुपए बढ़कर 10,01,717.42 करोड़ रुपए हो गया. इसके विपरीत देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) का बाजार मूल्यांकन 13,007.02 करोड़ रुपए घटकर 11,02,955.89 करोड़ रुपए रह गया.

गौतम अडानी इस सेक्टर पर बरसाएंगे पैसा

बना लिया 5 .30 लाख करोड़ का प्लान

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)।गौतम अडानी अब हर सेक्टर में अपनी स्थिति को मजबूत करने में जुट गए हैं. यही वजह है कि हर सेक्टर में मोटा निवेश भी कर रहे हैं. अब उन्होंने पॉवर सेक्टर खासकर रिन्युएबल एनर्जी में मोटा निवेश करने का प्लान बनाया है. जानकारी के अनुसार एशिया के सबसे अमीर कारोबारी गौतम अडानी की अगुवाई वाला अडानी ग्रुप वित्त वर्ष 2031-32 तक पॉवर सेक्टर खासकर रिन्युएबल एनर्जी, उत्पादन और ट्रांसमिशन/डिस्ट्रीब्यूशन में, लगभग 60 अरब अमेरिकी डॉलर यानी 5.30 लाख करोड़ रुपए का निवेश करने की योजना बना रहा है. आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर ग्रुप की ओर से किस तरह की जानकारी दी गई है.

अडानी पावर का प्रेजेंटेशन

एक इंवेस्टर प्रेजेंटेशन में अडानी पावर ने कहा कि समूह वित्त वर्ष 2029-30 तक 21 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश की योजना बना रहा है ताकि रिन्युएबल एनर्जी क्षमता को 2024-25 के 14.2 गीगावाट से बढ़ाकर 50 गीगावाट तक पहुंचाया जा सके. अडानी समूह की यूनिट अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड (एजीईएल) यूटिलिटी-स्केल ग्रिड से जुड़ी सोलर और विंड एनर्जी फार्म परियोजनाओं का विकास, निर्माण, स्वामित्व, संचालन और रखरखाव करती है. समूह अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस लिमिटेड (एईएसएल) के माध्यम से पारेषण और वितरण क्षमता के निर्माण में 17 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा. एईएसएल एक बहुआयामी संगठन है जिसकी ऊर्जा क्षेत्र के विभिन्न खंड जैसे विद्युत पारेषण, वितरण, स्मार्ट मीटरिंग और शीतलन समाधान क्षेत्र में उपस्थिति है.

ट्रांसमिशन लाइन की प्लानिंग

कंपनी वित्त वर्ष 2029-30 तक भारत की बढ़ती ऊर्जा ज़रूरतों को पूरा करने के लिए 30,000 किलोमीटर लंबी ट्रांसमिशन लाइन स्थापित करने की योजना बना रही है. यह 31 मार्च, 2025 तक 19,200 किलोमीटर थी. समूह वित्त वर्ष 2031-32 तक अडानी पावर के माध्यम से 22 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है ताकि इसे 2024-25 के 17.6 गीगावाट

से बढ़कर 41.9 गीगावाट क्षमता तक पहुंचाया जा सके. अडानी पावर भारत की सबसे बड़ा निजी ताप बिजली उत्पादक कंपनी है. इसकी क्षमताएं गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, झारखंड और तमिलनाडु में फैली हुई हैं और गुजरात में 40 मेगावाट की सौर ऊर्जा परियोजना है.

कितना बड़ा है पावर सेक्टर

अडानी ग्रुप ने कहा कि भारत दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बिजली बाजारों में से एक है, जहां कुल स्थापित क्षमता 11 प्रतिशत की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़कर 2024-25 के 475 गीगावाट से 2031-32 तक 1,000 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है. यह क्षेत्र 500 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश के अवसर प्रदान करता है. रिन्युएबल एनर्जी के क्षेत्र में, भारत 172 गीगावाट की कुल रिन्युएबल एनर्जी की स्थापित क्षमता के साथ विश्व स्तर पर चौथे स्थान पर है. यह क्षेत्र वित्त वर्ष 2031-32 तक 300 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक के निवेश के अवसर प्रदान करता है और 571 गीगावाट के स्तर तक पहुंच सकता है.

थर्मल पॉवर में भी संभावनाएं

तापीय बिजली क्षमता वित्त वर्ष 2024-25 के 247 गीगावाट से बढ़कर 2031-32 तक 309 गीगावाट तक पहुंचने की उम्मीद है, जबकि 2031-32 तक 80 गीगावाट अतिरिक्त कोयला क्षमता की आवश्यकता है. यह क्षेत्र 91 अरब अमेरिकी डॉलर के निवेश के अवसर प्रदान करता है. अडानी पावर ने कहा कि बढ़ती मांग और रिन्युएबल एनर्जी में बदलाव के बीच कोयला भारत की बिजली उत्पादन की रीढ़ बना हुआ है और स्थिर, बड़े पैमाने पर सप्लाई प्रदान करता है. यह बढ़ती अधिकतम मांग को पूरा करने के लिए महत्वपूर्ण है.

हर इंसान तक पहुंचे जीएसटी रेट कट का फायदा

22 सितंबर से वित्त मंत्री का इसी पर फोकस

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)।जीएसटी रेट कट 22 सितंबर से देश में लागू होगा।वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि कंपनियों को जीउसटी रेट में हुई कटौती का लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाना जाना चाहिए।उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र सरकार अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों को राहत देने के लिए एक पैकेज पर काम कर रही है

वित्त मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के निर्देश पर लाए गए जीएसटी रिफॉर्म्स का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि जीएसटी रेट में कटौती का लाभ आम आदमी, किसानों और छोटे कारोबारियों तक पहुंचे।उन्होंने कहा कि फाइनेंस मिनिस्ट्री उद्योग जगत के साथ मिलकर काम कर रही है ताकि इसका फायदा पूरी तरह से उपभोक्ताओं तक पहुंचे।उन्होंने सरकारी बीमा कंपनियों और एक प्रमुख भारतीय ऑटो कंपनी जैसी कई कंपनियों का भी हवाला दिया, जिन्होंने कीमतें कम करने के अपने प्लान का जिक्र किया है।

सांसदों ने भी मुझे अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसा करने की बात कही है। 22 सितंबर से मेरा पूरा फोकस इस पर रहेगा। इस दिन से फेस्टिव सीजन की भी शुरुआत हो रही है और उपभोक्ताओं को सामानों पर जीएसटी रेट कट का सीधा लाभ पहुंचेगा। नए रिफॉर्म्स के तहत

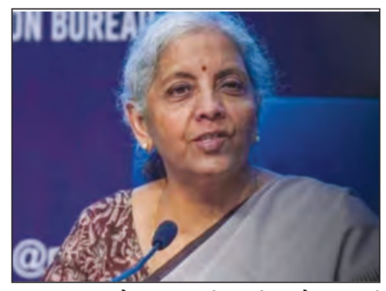

375 वस्तुओं पर जीएसटी दरें घटाई जाएंगी।जबकि सिर्फ 13 वस्तुएं लग्जरी और सिन गुड्स की कैटेगरी में हैं। इस दौरान वित्त मंत्री ने कुछ गैर-एनडीए राज्यों के जीएसटी रिफॉर्म्स से रेवेन्यू को नुकसान पहुंचने की बात का भी जिक्र किया।

उन्होंने कहा, यह सच नहीं है कि केवल राज्यों का राजस्व ही प्रभावित हो रहा है, केंद्र भी इसमें समान रूप से भागीदार है। लेकिन जब पैसा लोगों की जेब में जा रहा है, तो क्या मुझे केवल अपने राजस्व की चिंता करनी चाहिए?

यह संभव नहीं है." इन सबके बीच केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड के चेयरमैन संजय कुमार अग्रवाल ने भी यह कहा कि कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि जीएसटी रेट कट का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचे।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

पूर्व - कांच मे मुंह देखकर घर से निकले
प्रतिपदा 21-12 तक उपरान्त द्वितीया
आश्विन कृष्ण ,सोमवार 08 September
पूर्वभाद्रपद 20-02 तक उपरान्त उ.भाद्रपद
धृति 06-29 तक शूल
बालव 10-27 तक उप कौलव
प्रतिपदा तिथि
एकम का श्राद्ध

राहुकाल 07-37 से 09-09 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया	रात का चौघड़िया
अमृत 06-06 - 07-37 शुभ	चंचल 18-23 - 19-51 शुभ
काल 07-37 - 09-09 अशुभ	रोग 18-51 - 21-18 अशुभ
शुभ 09-09 - 10-41 शुभ	काल 21-18 - 22-46 अशुभ
रोग 10-41 - 12-14 अशुभ	लाभ 22-46 - 00-14 शुभ
उत्पात 12-14 - 13-46 अशुभ	उत्पात 00-14 - 01-41 अशुभ
चंचल 13-46 - 15-18 शुभ	शुभ 01-41 - 03-09 शुभ
लाभ 15-17 - 16-51 शुभ	अमृत. 03-09 - 04-37 शुभ
अमृत 16-51 - 18-23 शुभ	चंचल. 04-37 - 06-06 शुभ

1 लाख की कमाई, 6 लाख का कर्ज : 'ज्वालामुखी' पर बैठा है अमेरिका, क्या खतरे के निशान के करीब है?

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। जाने-माने हेज फंड मैनेजर रे डेलियो ने अमेरिका के बढ़ते कर्ज को लेकर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा है कि अमेरिका एक ऐसे वित्तीय 'मोड़' पर पहुंच रहा है, जहां कर्ज की आपूर्ति मांग से ज्यादा हो सकती है। इससे एक ऐसा संकट आ सकता है जिसे ठीक करना मुश्किल होगा।

डेलियो ने सीधे शब्दों में कहा कि इस साल सरकार लगभग 7 ट्रिलियन डॉलर खर्च करेगी और लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर कमाएगी। इसलिए यह अपनी कमाई से 40% ज्यादा खर्च करेगी। कर्ज अब उसकी कमाई का लगभग छह गुना है। इसका मतलब है कि अगर कोई व्यक्ति 1 लाख रुपये कमाता है, तो उस पर 6 लाख रुपये का कर्ज है।

अमेरिका खतरे के निशान के करीब

डेलियो के अनुसार, अमेरिका को अगले साल अकेले 12 ट्रिलियन डॉलर का कर्ज चुकाना होगा या उसे फिर से जारी करना होगा। इसमें लगभग 9 ट्रिलियन डॉलर परिपक्व हो रहे कर्ज हैं और 2 ट्रिलियन डॉलर नए कर्ज हैं जो घाटे को पूरा करने के लिए जारी किए जाएंगे।

इसके अलावा 1 ट्रिलियन डॉलर सिर्फ ब्याज चुकाने में जाएंगे, जो बजट घाटे का आधा है। उन्होंने चेतावनी दी, 'आपको बहुत सारा कर्ज बेचना होगा। हम अब एक ऐसे बिंदु पर हैं जहां बहुत सारा कर्ज जुड़ जाएगा, जो एक लेवल के करीब है।' इसका मतलब है कि अमेरिका कर्ज के मामले में खतरे के निशान के करीब है।

एक्सपर्ट ने बताया राजनीतिक समस्या

डेलियो ने फेड के पूर्व अध्यक्षों, केंद्रीय बैंक के प्रमुखों और ट्रेजरी अधिकारियों के साथ हुई बातचीत का हवाला दिया. फिर भी, उन्होंने इसे एक 'राजनीतिक समस्या' बताया। कानूनविद निजी तौर पर मानते हैं कि घाटे को स्थिर करने के लिए टैक्स में वृद्धि और खर्च में कटौती की आवश्यकता है।

क्या है इसका समाधान?

डेलियो ने अमेरिका को कर्ज से बचाने के लिए 3% समाधान का सुझाव दिया। इसके अनुसार घाटे को सकल घरेलू उत्पाद के लगभग 3% तक लाना, जो वर्तमान में 6-7% है।

उन्होंने कहा कि इसके लिए करों में 4% की वृद्धि और खर्च में 4% की कटौती करनी होगी।उन्होंने कहा कि यह अमेरिका को पूरी तरह से वहां नहीं पहुंचाएगा, लेकिन इससे कर्ज की आपूर्ति-मांग की तस्वीर में सुधार होगा ताकि ब्याज दरें कम हो जाएं।

कम ब्याज दरें कर्ज चुकाने को आसान बना देंगी, लेकिन उन्हें कम करने से बॉन्ड खरीदार डर सकते हैं। बॉन्ड एक तरह का लोन होता है जो सरकार या कंपनियां जारी करती हैं।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो,ला, ली, लू, ले, लो, अ,) आज का दिन मौज मस्ती के नाम रहेगा । आज सगे सम्बन्धियों से मुलाकात हो सकती है ,फोन या मेल के द्वारा भी संपर्क हो सकता है । वर्त्तमान समय अपने सामाजिक कौशलों को निखारने तथा आने वाली पार्टियों के लिए खुद को तैयार करने का बिलकुल सही समय है । दिन के आगे बढ़ने के साथ साथ वित्तीय परेशानियां अपने आप दूर होती जायेंगी ।

वृष (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे, वो) आप आज किसी मनोरंजक व्यक्ति के साथ सम्बन्ध स्थापित करेंगे । उसके साथ मजेदार बातचीत से समय अच्छा गुजरेगा । इस आदमी से सीखने और प्रेरणा लेने की कोशिश करें । इससे आपको और लोगों की मन स्थिति समझने में भी मदद मिलेगी । परिवार की यात्रा में अगर अपनी मनपसंद जगह जाना है तो योजना बनाने के समय सबसे आगे रहें ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ङ, छ, के, को, ह,) आपको कोई अप्रत्याशित खुशखबरी मिलेगी । यह आपके करियर या निजी जीवन से जुडी हो सकती है लेकिन इससे आपको वित्तीय लाभ भी होंगें । इससे आपको भविष्य में भी इसी प्रकार के लाभ उठाने का रास्ता दिखाई देगा । आप आज बहुत अच्छे मूड में हैं और आपकी आशावादिता और खुशमिजाजी से सभी प्रभावित होंगे ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) आज आप जो भी करेंगे ,उसमे एक नयी उर्जा और नया लक्ष्य दिखाई देगा । आपकी बातचीत का स्तर अविश्वसनीय रूप से बेहतर हो गया है और आप ऐसे किसी व्यक्ति से भी मिल सकते हैं जो आपकी जिंदगी को वित्तीय या आध्यात्मिक रूप से काफी प्रभावित करेगा । आप खुद को ज्यादा अच्छे से समझ पायेंगे।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) आपका अत्यधिक भावनात्मक होना और लोगों के लिए तो मददगार है लेकिन इससे आप कई बार मुश्किल में फँस जाते हैं । ऐसी स्थिति से बाहर आने में अपने पार्टनर की मदद लें । यह कुछ निजी और गुप्त बातचीत करने का समय है । वित्तीय लाभ होने की उम्मीद है लेकिन अधिक जोखिम से बचें।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) आपको कुछ घटनाओं की तह तक जाना पड़ेगा । वर्तमान की कुछ घटनाओं के लिए वही पुराने कारण जिम्मेदार हैं । इससे आपकी इज्जत को काफी ठेस पहुंची है ।आपको काफी आरक्षित और सावधान रहने की जरूरत है क्योकि कुछ लोग आपके रास्ते में बाधा बनने की कोशिश कर सकते हैं ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) आज का दिन आपके लिए विशेष हो सकता है । आपके दृष्टिकोण में आज कोई नया आयाम जुड़ेगा या आप किसी अपरिचित व्यक्ति के दृष्टिकोण से अत्यधिक प्रभावित होंगे । आपको यह सीख मिलेगी कि अपना भविष्य तय करने में तथा अपनी जिंदगी में फिलहाल चल रही समस्या से जूझने में सबसे महत्वपूर्ण भूमिका आप०को ही निभानी है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) इस समय आपके जीवन में अजीब ही घटनाएँ हो रही हैं । जिससे भी आप मिलते हैं,आपके मन में उसी के लिए कोमल भावनाएं पैदा हो जाती हैं ,विशेषत विपरीत लिंग को आप बहुत आकर्षित करेंगे । साथ ही आप उस काम के बारे में भी जागरूक रहेंगे जो आपको दूसरों के लिए घर और कार्यस्थल पर करना है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) आज आपकी किस्मत आपके साथ है । आप अपने समस्या को सुलझा लेने की कुशलता से सबको अचरज में डाल देंगे । सहकर्मी आपसे प्रभावित होंगें । आपका आत्मविश्वास देकने लायक होगा और आपको एक नया काम मिलेगा । खुश रहें और अपनों के साथ ख़ुशी बाँटें । आज कोई दोस्त मिल सकता है । दिन कुल मिलाकर मजेदार रहेगा ।

मकर (भो, ज, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) आपकी शांतिपूर्ण मन स्थिति में औरों के सवालों से बाधा पहुचेगी । वे सब यह जानने के लिए बहुत उत्सुक हैं कि आपकी निजी और व्यवसायिक जिंदगी में क्या चल रहा है । आपके किसी करीबी ने ही उन लोगों तक आपकी भविष्य की योजनाओं की जानकारी पहुचाई है लेकिन आप इन सबकी उपेक्षा कर दें और केवल अपने काम पर ध्यान दें ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) ग्रहों की स्थिति कुछ ऐसी बन रही है की आपको सुधार करने एवं स्वस्थ होने का विशेष अवसर मिलने वाला है । आप भूतकाल में की हुई अपनी किसी गलती को स्वीकार कर लेंगे और सामने वाले को संतुष्ट करने में कामयाब रहेंगे । ऐसा करके आप अपने दिल से काफी बड़ा बोझ उतार पायेंगे ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) आप उर्जा से भरे हैं और आशावादी सोच रखते हैं । कुछ दिन पहले तक जो भी चीजें बिलकुल व्यर्थ लग रही थी,आज उतनी नही दिखेंगी । आपके दृष्टिकोण की दृढ़ता और जीवनशक्ति से आपको इस स्थिति से निपटने में मदद मिलेगी । आज का दिन अपनी सोच,विचारों और इच्छाओं को खुलकर व्यक्त करने के लिए भी बहुत उपयुक्त है ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

आईटीआर फाइल करने में हो रही है दिक्कत? ये ऐप ऐसे करेंगे आपकी मदद

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)।केंद्र सरकार ने आईटीआर भरने की तारीख को बढ़ाकर 15 सितंबर कर दिया है, जिसमें अब 10 दिन से भी कम समय बचा है. ऐसे में विभाग ने टैक्सपेयर्स के लिए दो ऐसे ऐप जारी किए हैं, जो कि आईटीआर फाइल करने में मदद कर सकते हैं. आइए आपको इसके बारे में डिटेल से बताते हैं.वित्त वर्ष 2024-25 के लिए आयकर विभाग के ऑफिशियल ऐप्स 'एआईएस ऐप' और 'इनकम टैक्स डिपार्टमेंट ऐप' के जरिए टैक्सपेयर्स मोबाइल से भी टैक्स फाइल कर सकते हैं ये ऐप आईटीआर दाखिल करने में करदाता की मदद करते हैं. इससे टैक्सपेयर्स को सीधे आयकर रिटर्न फाइल करने की सुविधा दी गई है. ये ऐप टैक्स फाइलिंग को आसान और सुलभ बनाने के लिए डिजाइन किए गए हैं. खासकर नौकरीपेशा, पेंशनर्स और साधारण इनकम

प्रोफाइल वाले छोटे करदाताओं के लिए इन्हें डेवल प किया गया है.

कैसे ऐप करेगा मदद

लॉगिन और एक्सेस

ऐप्स में जिन भी टैक्सपेयर्स को आईटीआर फाइल करना है उसे आधार आईडी, पैन और पासवर्ड डाल कर लॉगिन कर सकते हैं.

पहले से भरे डेटा की जांच

जब आप ऐप में लॉग इन कर लेते हैं तो आपको ऐप में ही एनुअल इंफॉर्मेशन स्टेटमेंट और टैक्सपेयर इंफॉर्मेशन समरी का डेटा मिलता है. इसमें कंपनी, बैंक, म्यूचुअल फंड्स जैसी जगहों से पहले से भरा डेटा होता है, जिससे मैन्युअल एंट्री कम करनी पड़ती है.

सही आईटीआर फॉर्म चुनने में मदद

ऐप आपकी इनकम जैसे सैलरी, पेंशन, कैपिटल गेन या दूसरी इनकम के आधार पर ऐप सही आईटीआर फॉर्म चुनने में मदद करता है.

डिटेल ऐड करने में मदद

अगर कोई डेटा गलत है या छूट गया है, तो उसे ठीक या जोड़ा जा सकता है. मिसाल के तौर पर, फिक्स्ड डिपॉजिट या किराए की आय का ब्याज मैन्युअल डालना पड़ सकता है.

ई-वेरिफिकेशन और सबमिट

रिटर्न भरने के बाद, आधार ओटीपी, नेट बैंकिंग या डिजिटल सिग्नेचर से ई-वेरिफिकेशन हो जाता है. रिटर्न तुरंत सबमिट हो जाता है.ये मोबाइल ऐप्स डेस्कटॉप या बिचौलियों की जरूरत को कम करते हैं. ये उन लोगों के लिए बहुत फायदेमंद हैं जो अपनी टैक्स फाइलिंग जल्दी, आसानी और सुरक्षित तरीके से करना चाहते हैं.

भारत-रूस को लेकर आपस में भिड़ गए ट्रंप के 'राइट' और 'लेफ्ट' हैंड, क्यों बौखला रहा है अमेरिका?

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारत और रूस के बीच हो रहे व्यापार को देख अमेरिका का खाना हजम नहीं हो रहा है। भारत पर 50 फीसदी टैरिफ लगाने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के करीबी भारत पर लगातार हमला कर रहे हैं।

अब भारत को लेकर ट्रंप के व्यापार और निर्माण मामलों के सलाहकार पीटर नवारो और दुनिया के सबसे अमीर शख्स व अमेरिकी कारोबारी एलन मस्क के बीच 'झगड़ा' शुरू हो गया है। यह झगड़ा तब हुआ जब मस्क के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत द्वारा रूसी तेल खरीदने के बारे में एक पोस्ट को नवारो ने गलत बताया गया। बता दें कि नवारो को ट्रंप का राइट हैंड माना जाता है।

वहीं मस्क भी कभी ट्रंप के लेफ्ट हैंड रह चुके हैं। हालांकि अब मस्क और ट्रंप की राहें अलग हो चुकी हैं। नवारो ने मस्क की पोस्ट को बकवास बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि एलन मस्क 'प्रचार' को बढ़ावा दे रहे हैं। नवारो ने फिर से कहा कि भारत रूसी तेल सिर्फ मुनाफा कमाने के लिए खरीद रहा है। साथ ही नवारो ने अपनी पोस्ट में भारत पर आरोप लगाया कि वह अमेरिका के लोगों की नौकरियां छीन रहा है। नवारो ने कुछ समय पहले एक्स पर पोस्ट की थी। अपनी उस पोस्ट में भारत पर रूसी तेल से मुनाफा कमाने का आरोप लगाया था। साथ ही, उन्होंने यह भी कहा था कि भारत के टैरिफ से अमेरिकियों की नौकरियां जा रही हैं। ट्रंप प्रशासन के भारत के साथ संबंधों को सुधारने के प्रयासों में विरोधाभास के बारे में बताया गया था।

इसके बाद नवारो की पोस्ट पर एलन मस्क की कंपनी एक्स ने प्रतिक्रिया दी। एक्स ने लिखा, 'भारत का रूस से तेल खरीदना सिर्फ मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि ऊर्जा सुरक्षा के लिए है। यह किसी भी प्रतिबंध का उल्लंघन नहीं करता है। भारत में कुछ टैरिफ हैं, लेकिन अमेरिका का भारत के साथ सेवाओं में व्यापार अधिशेष (सरप्लस) है। अमेरिका भी रूस से कुछ चीजें आयात करता है, जो कि ढोंग है।'

एक्स की इस पोस्ट ने नवारो भड़क गए। उन्होंने एक्स की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा, 'वाह! लोगों की पोस्ट में प्रचार आने दे रहे हैं।

फेस्टिव सीजन से पहले बड़ा झटका

ऑनलाइन फूड ऑर्डर करना होगा महंगा

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। फेस्टिव सीजन से पहले जोमैटो, स्विगी और मैजिकपिन जैसे ऑनलाइन फूड एग्रीगेटर्स ने आम लोगों को बड़ा झटका दे दिया है। इन प्लेटफॉर्म्स ने प्लेटफॉर्म फीस महंगा करने का ऐलान कर दिया है। देशभर के लाखों लोगों के लिए ऑनलाइन खाना ऑर्डर करना महंगा हो जाएगा। 22 सितंबर से डिलिवरी चार्ज पर 18 फीसदी जीएसटी लगने के कारण यह और भी बढ़ सकता है।

स्विगी ने चुनिंदा बाजारों में अपना प्लेटफॉर्म चार्ज जीएसटी सहित 15 रुपए कर दिया है। प्रतिद्वंद्वी जोमैटो ने अपना शुल्क बढ़ाकर 12.50 रुपये (जीएसटी को छोड़कर) कर दिया है, जबकि तीसरी सबसे बड़ी खाने की डिलिवरी करने वाली कंपनी मैजिकपिन ने भी व्यापक उद्योग रुझानों के अनुरूप, अपना मंच शुल्क संशोधित करके 10 रुपये प्रति ऑर्डर कर दिया है।

माना जा रहा है कि 22 सितंबर से डिलिवरी शुल्क पर लगाए जाने वाले 18 फीसदी जीएसटी के कारण जोमैटो यूजर्स के लिए प्रति ऑर्डर लगभग दो रुपये और स्विगी ग्राहकों के लिए 2.6 रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

अभी तक इस बारे में स्विगी और जोमैटो की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

क्रेडिट कार्ड यूजर्स सावधान... फेस्टिव सीजन पर एक्टिव हुए स्कैमर्स

'बिग सेल' ऑफर देकर बना रहे निशाना, जानें कैसे बचें

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। जल्द ही फेस्टिव सीजन शुरू होने वाला है। इनमें नवरात्रि, दशहरा, रामलीला, करवा चौथ, दीपावली, गोवर्धन पूजा, भाई दूज जैसे एक के बाद कई बड़े फेस्टिवल हैं। जाहिर है बाजार रफ्तार पकड़ेगा। मगर, आने वाले त्योहारों के लिए अभी से साइबर अपराधियों ने धमाकेदार ऑफर के साथ बिग सेल की वर्चुअल दुकानें सजा दी हैं। अच्छे खासे डिस्काउंट का दावा करके इनके टारगेट पर क्रेडिट कार्ड यूजर्स हैं, जो ऐसे ऑफर को जल्दी लपकते हैं। इनका सिंडिकेट जाल देश भर में फैला हुआ है। साइबर सेल के मुताबिक, इस तरह के फ्रॉड से बचने के लिए अगर थोड़ी सी सावधानी बरतें तो आप मुसीबत से बच सकते हैं।

ऑनलाइन शॉपिंग करनी है तो भरोसेमंद ई कॉमर्स साइट पर ही करें। किसी भी ई-मेल, वॉट्सऐप या टेलिग्राम जैसे प्लेटफॉर्म पर आए लिंक या अटैचमेंट को सोच-समझ कर ही खोलें। ई-मेल रिक्वेस्ट पर अपने अकाउंट नंबर, पासवर्ड, सीवीवी नंबर जैसी डिटेल्स बिल्कुल न बताएं। साइबर ठगों के लिए यह तरीका सबसे आसान है। इसमें डिस्काउंट या कार्ड मुफ्त में बनाने जैसा ऑफर दिया जाता है। भरोसा जीतकर फाइनेंशियल डिटेल्स और कार्ड का पासवर्ड तक जान लेते हैं। फिर उसका मनचाहा इस्तेमाल करके उस शख्स को फर्जी ट्रांजेक्शन के जरिए चपत लगाते हैं। पुलिस के मुताबिक, क्रेडिट कार्ड का पिन नंबर बदलते रहें। अपना पासवर्ड समय-समय पर बदलते रहें और हमेशा बड़े डिजिट का पासवर्ड रखें। जिस ई-मेल अकाउंट पर क्रेडिट कार्ड से संबंधित सूचनाएं आती हैं, उसकी सुरक्षा भी उतनी ही जरूरी है। अपने कार्ड का स्टेटमेंट समय पर चेक करते रहें। कार्ड पर मोबाइल अलर्ट सुविधा जरूर एक्टिवेट कराएं। पेपर स्टेटमेंट लेने की बजाय ई-मेल के जरिए स्टेटमेंट मंगवाएं या ऑनलाइन अकाउंट चेक करते रहें। अगर आपको वॉट्सऐप, इंस्टाग्राम या ईमेल, फेसबुक पर डिस्काउंट ऑफर, सेल या फ्री गिफ्ट वाउचर्स का एड लिंक मिलता है तो उसे क्लिक करने से बचें। फिलहाल फेस्टिव सीजन से जुड़े अलग-अलग मौकों के वॉट्सऐप यूजर्स को मैसेज के जरिए लिंक मिलने शुरू हो रहे हैं।

पूर्व सीएम गहलोत बोले- वसुंधरा को मौका नहीं देना बीजेपी की गलती

'भागवत' दें मोहब्बत का संदेश

अजमेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार सुबह अजमेर सर्किट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर केंद्र और प्रदेश की राजनीति पर तीखे बयान दिए। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा वसुंधरा राजे फिर से मुख्यमंत्री बनतीं तो मजा आता, लेकिन उनकी ही पार्टी उन्हें यह मौका नहीं दे रही है। यह भाजपा की सबसे बड़ी गलती है। गहलोत ने कहा कि वसुंधरा अनुभवी नेता हैं, उन्हें क्यों दरकिनार किया जा रहा है, यह सवाल बीजेपी से पूछा जाना चाहिए।

मोहन भागवत को लेकर जानें क्या बोले गहलोत

गहलोत ने कहा कि भाजपा की नेचुरल चॉइस वसुंधरा राजे होनी चाहिए थीं, लेकिन उन्हें अवसर नहीं मिला। उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, वसुंधरा राजे के किससे क्या संबंध हैं, यह मुझसे क्यों पूछा जा रहा है? गहलोत से यह सवाल वसुंधरा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की जोधपुर में RSS प्रमुख मोहन भागवत से मुलाकात को लेकर पूछा गया था। पूर्व मुख्यमंत्री ने संघ प्रमुख मोहन भागवत के जोधपुर दौरे पर कहा कि यह हमारे लिए सौभाग्य है कि उन्होंने जोधपुर को चुना। उम्मीद है कि वहां से मोहब्बत, भाईचारे और एकता का संदेश जाएगा। गहलोत ने कहा कि जोधपुर की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि बहुत समृद्ध है, इसलिए वहां से सकारात्मक संदेश दिया जाना चाहिए।

'अगर स्वयंसेवक को छूट है, तो वही तो RSS है'

उन्होंने भागवत के बयानों पर सवाल उठाते हुए कहा कि वह अच्छी बातें करते-करते अचानक ऐसे मुद्दे उठा देते हैं, जिससे विवाद खड़ा हो जाता है। काशी और मथुरा के संदर्भ में उन्होंने स्वयंसेवकों को छूट देने की बात कही। गहलोत ने कहा कि अगर स्वयंसेवक को छूट है, तो वही तो RSS है। फिर ऐसी बयानबाजी क्यों की जाती है, जिससे देश में भ्रम की स्थिति पैदा हो। उन्होंने कहा कि पूरा देश चुप है। लेकिन चिंतित है और इंतजार कर रहा है कि यह दिशा आखिर कहां जाएगी।

'मेरी फोटो वाली किट बंद कर दी'

गहलोत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की आयुष्मान भारत योजना को लेकर भी बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि यह योजना दरअसल मनमोहन सिंह सरकार के समय हुए सोशल इकोनॉमिक कास्ट सेंसस सर्वे पर आधारित है। उसी सर्वे में पात्र पाए गए लोगों के लिए यह योजना बनी। लेकिन जनता को समझ नहीं आ रहा है कि यह सबकी योजना नहीं है। गहलोत ने दावा किया कि उनकी सरकार की स्वास्थ्य योजना पूरे राजस्थान के लिए थी। यह सबसे बड़ी जनकल्याणकारी योजना थी, जिसे अब कमजोर किया जा रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि "मेरी फोटो वाली किट बंद कर दी, भजनलाल शर्मा की फोटो लगा देते, लेकिन योजना क्यों बंद की गई?"

आखिरकार बोलना तो पड़ेगा...?

गहलोत ने कहा कि वह व्यक्तिगत रूप से प्रधानमंत्री के विरोधी नहीं हैं, बल्कि विपक्ष के नाते सवाल उठाना उनकी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि दिल्ली, राजस्थान और गांव-गांव में क्या हो रहा है, यह प्रधानमंत्री को खुद देखना चाहिए। गहलोत ने कहा, "हम उन्हें कब तक छोड़ेंगे, आखिरकार बोलना तो पड़ेगा। विपक्ष की भूमिका निभा रहे हैं, व्यक्तिगत तौर पर विरोध नहीं कर रहे। यह बात प्रधानमंत्री और बीजेपी नेताओं को समझनी चाहिए।"

अजमेर में प्रेस वार्ता के बाद गहलोत जयपुर के लिए रवाना हो गए। उन्होंने अजमेर दौरे के दौरान स्वास्तिक नगर सहित कई प्रभावित इलाकों का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की थी।

जन्मदिन पर सांवरिया सेठ के दरबार में पहुंचे सचिन पायलट, कहा - 3 साल बाद कांग्रेस आ रही

चित्तौड़गढ़, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री और कांग्रेस नेता सचिन पायलट का 7 सितंबर को जन्मदिन है। पायलट इस बार अपना जन्मदिन मेवाड़ के सांवरिया सेठ में मना रहे हैं। इससे पहले पायलट उदयपुर के डबोक एयरपोर्ट पहुंचे, जहां बड़ी संख्या में आए कांग्रेस कार्यकर्ता और पदाधिकारी ने उनका गर्म जोशी के साथ स्वागत किया।

पायलट आई लव यू के लगे नारे

वहीं, कार्यकर्ताओं ने सचिन पायलट का माला पहनकर दुपट्टा उड़ा कर स्वागत किया। इस दौरान 'सचिन पायलट आई लव यू'... प्रदेश का मुख्यमंत्री कैसा हो सचिन पायलट जैसा हो, जब-जब सचिन पायलट बोला है राज सिंहासन डोला है जैसे नारे कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ता लग रहे थे।

बाढ़ पीड़ितों के लिए की प्रार्थना

डबोक एयरपोर्ट पायलट ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि आज मेरा सौभाग्य है कि इस पवित्र भूमि पर सांवरिया सेठ के दर्शन करने का सौभाग्य मिलेगा। पायलट ने कहा कि पूरे प्रदेश कई जिलों में बाढ़ के हालात है ऐसे में भगवान से कामना करता हूं, सब लोग सुरक्षित रहें और जो लोग कठिनाइयों में उनकी मदद ऊपर वाला करें इसकी भगवान से प्रार्थना कर रहा हूं। प्रदेश और देशवासियों में सुखचैन अमन की कामना करता हूं।पायलट ने कहा कि युवाओं को अवसर मिलते रहे हम सब मिलकर इस प्रदेश की उन्नति की लिए काम करते रहें।

मेवाड़ में सदैव कांग्रेस मजबूत रही है-पायलट

पायलट ने कहा कि कार्यकर्ताओं ने जिस तरह का जोश प्रकट करके किया उसके लिए आभार। पायलट ने कहा कि मेवाड़ में सदैव कांग्रेस मजबूत रही है और इतनी बड़ी संख्या में कार्यकर्ता आए हैं यह दिखाता है कि आने वाले समय में हम और मजबूती से अपने कार्यकर्ताओं को ताकत देंगे जनता का विश्वास और मन जीतेंगे। पायलट ने कहा कि 3 साल बाद में फिर से कांग्रेस पार्टी की बंपर वापसी होगी।

बीकानेर पुलिस ने लॉरेंस गैंग के 2 गुर्गों को हथियार सहित किया गिरफ्तार, बड़ी वारदात टली

बीकानेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान पुलिस ने लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर बड़ी कार्रवाई की है। बीकानेर पुलिस ने लॉरेंस गैंग के दो कुख्यात गुर्गों को हथियार सहित दबोच लिया है। इस सफलता के बाद शहर में होने वाली बड़ी वारदात को टाल दिया गया। दोनों आरोपियों पर 25-25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। पुलिस ने इनके कब्जे से 5 देशी पिस्टल, एक मैगजीन और 12 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग की गतिविधियों पर लगातार नजर रखते हुए आईजीपी हेमंत शर्मा और एसपी कवींद्र सिंह सागर ने इस विशेष अभियान की मॉनिटरिंग की। उनके निर्देश पर एडिशनल एसपी सिटी सौरभ तिवारी, एएसपी सदर विशाल जांगिड़, साइबर सेल प्रभारी दीपक यादव और एमपी नगर थाना पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई की। देर रात की गई इस कार्रवाई में दोनों गुर्गों को दबोच लिया गया।

श्रवण सिंह सोढा पुत्र लक्ष्मण सिंह, निवासी बज्जू कुख्यात हथियार तस्कर, सोढा गैंग के नाम से गिरोह चलाता है। हाल ही में खाजूवाला में इसकी गैंग के जुड़े दो गुर्गे गिरफ्तार हुए थे और जिनसे पुलिस ने दो पिस्टल बरामद की थीं। श्रवण सिंह गुजरात राज्य के गांधीनगर थाने में अपहरण व फिरौती के मामले में भी वांछित है।वहीं दूसरा आरोपी राजेश तरड पुत्र रामेश्वर, निवासी खाजूवाला थाने का हिस्ट्रीशीटर है।

राजेश के खिलाफ विभिन्न राज्यों और राजस्थान के अलग-अलग थानों में करीब 25 मुकदमे दर्ज हैं।दोनों आरोपी गजनेर थाना क्षेत्र में हुई मारपीट की एक गंभीर वारदात में भी शामिल रहे हैं। पुलिस पूछताछ में खुलासा हुआ कि दोनों आरोपी लॉरेंस गैंग के सक्रिय सदस्य हैरी बॉक्सर के संपर्क में थे और बीकानेर में बड़ी वारदात की साजिश रच रहे थे। समय रहते पुलिस की तत्परता से इस बड़ी घटना को टाल दिया गया। गिरफ्तार दोनों आरोपियों और उनके नेटवर्क के खिलाफ पुलिस ने संगठित अपराध बीएनएस व आर्म्स एक्ट की गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बेकाबू कार ने 7 पदयात्रियों को कुचला

3 की मौत; 3 की हालत गंभीर

दौसा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के दौसा जिले में लालसोट-धौलपुर एनएच 23 पर हुए भीषण सड़क हादसे में अब तक 3 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसा पक्का धोरा गांव के पास हुआ। गोवंश को टक्कर मारने के बाद अनियंत्रित हुई एक कार ने रामगढ़ पचवारा से खुर्रा बीजासणी माता जा रहे पदयात्रियों को कुचल दिया। हादसे एक जने की मौत हो गई। वहीं, दो और घायलों ने रविवार सुबह दम तोड़ दिया। हादसे में घायल अन्य लोगों का अस्पताल में उपचार जारी है।

लालसोट सीओ दिलीप मीना ने बताया कि पक्का धोरा गांव के पास एक कार ने पहले गोवंश को टक्कर मारी, जिसके बाद अनियंत्रित होकर रोड से गुजर रहे पदयात्रियों को टक्कर मार दी। घटना में विक्की कुमार मीणा (35) पुत्र जुगराज मीणा निवासी मीनाखेड़ी सवाई माधोपुर को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

वहीं, मनीष पुत्र कैलाश चंद मीणा निवासी अमराबाद, केशंता देवी पत्नी बाबूलाल मीणा निवासी रामगढ़ पचवारा, भागीरथ पुत्र जगदीश मीणा, लोकेश पुत्र पप्पूलाल मीणा निवासी बिडौली, कमली देवी पत्नी सुखदेव मीणा निवासी चक पृथ्वीसिंहपुरा, कृष्ण पुत्र हरकेश मीणा निवासी रामगढ़ पचवारा घायल हो गए।

रियल एस्टेट कॉलोनाइजर्स पर तगड़ा एक्शन

6 करोड़ नकद और 20 करोड़ रुपए की ज्वैलरी जब्त

जयपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त मामले में शहर के छह प्रमुख रियल एस्टेट कॉलोनाइजर्स के यहां चल रही आयकर कार्रवाई पांचवें दिन भी जारी रही। इस छापेमारी में 6 करोड़ की नकदी और 20 करोड़ रुपए की ज्वैलरी बरामद हुई है। सूत्रों के अनुसार यह प्रदेश की पहली ऐसी कार्रवाई है, जहां रियल एस्टेट कारोबारियों के यहां से इतनी भारी मात्रा में ज्वैलरी और नकदी बरामद की गई हो।

कार्रवाई अभी जारी है, यह आंकडा और बढ़ सकता है। आयकर सूत्रों के अनुसार ये ज्वैलरी इन कॉलोनाइजर्स के परिवारों द्वारा खरीदी नहीं गई है। सवाल यह है कि आखिर इन्हें जवैलरी को फर्श के नीचे छिपाने या किसी और के नाम से लॉकरों में रखने की क्या जरूरत पड़ी।

सूत्रों के अनुसार इन कॉलोनाइजर्स ने पिछले पांच सालों में आम जनता को खुद की छत का सपना दिखाकर रिंग रोड के आस-पास दर्जनों प्रोजेक्ट लॉन्च कर हजारों प्लॉट बेचे हैं। जिनमें आधे तो जीडीए अप्रूव्ड भी नहीं है। फागी रोड पर ही इनके 15 से ज्यादा प्रोजेक्ट हैं। इनमें से एक कॉलोनाइजर्स के यहां काम करने वाले सेल्स मैनेजर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि इस तरह के प्लॉटस पर 50 से 60 फीसदी ही लोन मिल पाता है, बाकी कंस्ट्रक्शन के बाद मिलता है, ऐसे में ग्राहक से भारी मात्रा में कैश या ज्वैलरी के रूप में डाउनपेमेंट लिया जाता है। इन्होंने अपने ऑफिसों में नोट गिनने की मशीनें तक लगा रखी हैं।

कोटा में 10 करोड़ का गुटखा जब्त

आयकर विभाग की एक टीम ने इन कॉलोनाइजर्स के साथ-साथ कोटा के एक पान मसाला कारोबारी के यहां चल रही कार्रवाई में 10 करोड़ रुपए का गुटखा बरामद किया है। यह कार्रवाई गणपतपुरा, भांकरोटा स्थित एक गोदाम पर की गई है। इस खेप को केस बनाकर सीजीएसटी विभाग के हवाले कर दिया है।

टोल बैरियर तोड़ते निकली बेकाबू कार

8 किमी आगे परिवार पर चढ़ी, मासूम की मौके पर मौत, 4 गंभीर घायल

बीकानेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। जिले के श्रीडूंगरगढ़ क्षेत्र में रविवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। बीकानेर-जयपुर नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार कार ने पहले लखासर टोल नाके का बैरियर तोड़ा और उसके बाद करीब 8 किलोमीटर आगे जोधासर बस स्टैंड के पास सड़क किनारे बैठे एक परिवार पर चढ़ गई। इस हादसे में डेढ़ साल के मासूम वंश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, सुबह करीब 7 बजे दिल्ली नंबर की यह कार दिल्ली की तरफ से आ रही थी, जिसमें पांच युवक सवार थे। गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि टोल नाके का बैरियर तोड़ने के बाद भी कार अनियंत्रित होकर आगे बढ़ती रही। कुछ देर बाद यह सड़क किनारे तंबू लगाकर बैठे परिवार को कुचलती हुई निकल गई। हादसे में एक पशु की भी मौत हो गई।

घटना के बाद स्थानीय लोग तुरंत मौके पर पहुंचे और घायलों को एक पिकअप वाहन से बीकानेर के पीबीएम अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में सभी की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना मिलते ही शेरुणा थाने से एएसआई पूर्णमल मौके पर पहुंचे। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है और उसमें सवार सभी युवकों को हिरासत में लिया है। प्रारंभिक जांच में कार के अंदर कुछ बोतलें बरामद हुई हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि चालक नशे की हालत में गाड़ी चला रहा था। हालांकि पुलिस यह भी जांच कर रही है कि घटना झपकी आने के कारण हुई या शराब पीकर लापरवाही से गाड़ी चलाने के कारण। फिलहाल आरोपियों को गिरफ्तार नहीं किया गया है, लेकिन हिरासत में लेकर पूछताछ जारी है। हेड कॉन्स्टेबल पूर्णमल ने बताया कि कार में कुल पांच युवक सवार थे और सभी से विस्तृत पूछताछ की जा रही है। मासूम बच्चे की मौत और परिवार के अन्य सदस्यों की गंभीर हालत ने पूरे इलाके को झकझोर दिया है।

चौंकाने वाला खुलासाः *कनाडा से चल रहा बाड़मेर सीमा का ऑपरेशन*

पाकिस्तान बना है अफगान हेरोइन का ट्रांजिट हब

बाड़मेर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारत-पाकिस्तान सीमा पर राजस्थान की रेतीली सरहद अब अंतरराष्ट्रीय ड्रग नेटवर्क का नया गलियारा बन चुकी है। पंजाब, पाकिस्तान और कनाडा के बीच सक्रिय तस्करों की तिकड़ी ने सीमावर्ती बाड़मेर को अपने अंतरराष्ट्रीय ऑपरेशन का अड्डा बना लिया है।

साल 2025 में अब तक दो बड़ी घटनाएं सामने आ चुकी हैं। जनवरी में हथियारों की खेप और जून में 60 किलोग्राम हेरोइन की डंपिंग। जांच के दौरान ड्रग्स मामले में पंजाब और कनाडा में बैठे तस्कर सीधे तौर पर जुड़े पाए गए।

पाकिस्तान बना अफगान हेरोइन का ट्रांजिट हब

जांच एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक यह हेरोइन अफगानिस्तान में तैयार होती है और पाकिस्तानी इंटेलीजेंस एजेंसी आइएसआइ की मदद से सीमा तक पहुंचती है। पाकिस्तान के तस्कर इसे बीकानेर-जैसलमेर-बाड़मेर सेक्टर में डंप करते हैं, जहां से यह खेप आगे पंजाब भेजी जाती है।

30 साल में 249 किलो हेरोइन बरामद

तारबंदी के बावजूद 1995 से अब तक सीमावर्ती इलाकों से 249 किलोग्राम हेरोइन पकड़ी जा चुकी है।

तारबंदी हुई बेअसर

भारतीय सीमा पर कंटीली तारबंदी, सीसीटीवी कैमरे और चौकसी के तमाम इंतजामों के बावजूद पाकिस्तानी तस्कर ड्रग्स की खेप लगातार डंप कर रहे हैं। जनवरी में भभूते की ढाणी के पास रेत में चार पिस्टल, आठ मैगजीन और 78 कारतूस मिले थे, वहीं 19 जून को पंजाब पुलिस ने बाड़मेर सीमा के पास 60 किलो हेरोइन की बरामदगी की थी।

चौंकाने वाला खुलासा

ताजा जांच में चौंकाने वाला खुलासा हुआ कि बाड़मेर सीमा के जरिये भारत में हेरोइन की सप्लाई कनाडा से बैठे ड्रग तस्करों के इशारों पर हो रही है। पिछले दिनों पंजाब पुलिस की कार्रवाई में जो हेरोइन बरामद हुई, वो पाकिस्तान के तनवीर शाह और कनाडा के जोबन कालेर के नेटवर्क से जुड़ी थी। यह खेप पंजाब के गुरसाहिब सिंह तक पहुंचनी थी, जो जेल में रहते हुए भी अंतरराष्ट्रीय तस्करों के संपर्क में था।

भौगोलिक परिस्थितियां भी एक वजह

बाड़मेर बॉर्डर पर तस्करी में भौगोलिक परिस्थितियां भी एक बड़ी वजह है। क्योंकि यहां धोरे होने के साथ ढाणियां नजदीक हैं। इसके अलावा तारबंदी होने से पहले यहां तस्करी बड़े स्तर पर होती थी। उस समय के तस्कर आज भी जिंदा हैं। वह लालच देकर नए तस्कर पैदा कर रहे हैं। एटीएस व बाड़मेर रहते हुए मैंने खूब ऑपरेशन किए। पंजाब व पाकिस्तान तस्करों का गठजोड़ भी है। पंजाब से बाड़मेर तक बाइक पर हेरोइन की खेप लेने पहुंच गए थे, हमने कार्रवाई कर उन्हें वर्ष- 2021 में पकड़ा था। बॉर्डर पर नफरी बढ़ाई जाए।

दोस्त ने ही किया दोस्त का कत्ल

चाकू से गला रेता शहर में फैली सनसनी

भीलवाड़ा, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भीलवाड़ा शहर के सदर थाना क्षेत्र के ओम नगर में आपसी विवाद को लेकर बैंक फाइनेंसर युवक चाकू से गला रेत कर हत्या कर दी। घटना से शहर में सनसनी फैल गई। आरोपी ने सोशल मीडिया के जरिए दोपहर में कई जनों को धमकियां दी थी।

पुलिस ने आरोपी को हिरासत में ले लिया। देर रात अस्पताल के बाहर लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने शव को मोर्चरी में रखवाया है। आरोपी और मृतक दोनों आपस में दोस्त थे।

पुलिस के अनुसार आजादनगर निवासी कमलेश सुथार निजी फाइनेंस कंपनी में काम करता है। आरोपी ओम नगर निवासी रणवीर उर्फ बबलू सिसोदिया से विवाद चल रहा था। रणवीर ने सोशल मीडिया पर कमलेश को धमकी दी थी।

चाकू से गला रेता

कमलेश आपत्ति जताने ओमनगर में रणवीर के घर गया। वहां आरोपी रणवीर और कमलेश में झगड़ा हो गया। आवेश में आए रणवीर ने कमलेश का चाकू से गला रेत दिया। गंभीर हालत में कमलेश को महात्मा गांधी अस्पताल लाया गया। यहां चिकित्सक ने उसे मृत घोषित किया।

अस्पताल के बाहर जमा हुई भीड़

बड़ी संख्या में लोग और परिजन अस्पताल में जमा हो गए। हंगामा से माहौल गरमा गया। एएसपी पारस जैन और सदर थाना प्रभारी कैलाश मौके पर पहुंचे। घटनाक्रम की जानकारी लेकर आरोपी की तलाश कर हिरासत में लिया।

दोनों बचपन के दोस्त

प्रारंभिक जानकारी में सामने आया है कि दोनों एक ही कॉलोनी में साथ रहते थे। बाद में रणवीर अलग कॉलोनी में चला गया।

फलोदी में चार किलो एमडी का सप्लायर अनिल गिरफ्तार

पहले पकड़े गए आरोपियों ने खोला राज

जोधपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत फलोदी पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। डीएसटी फलोदी और थाना मतोड़ा पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 4 किलो एमडी सप्लायर अन्नाराम उर्फ अनिल को दबोच लिया। आरोपी बालोतरा जिले के पचपदरा थाना क्षेत्र के खट्टू गांव का निवासी है।

जिला पुलिस अधीक्षक कुंदन कंवरिया (आईपीएस) ने बताया कि पुलिस लंबे समय से इस मामले पर नजर रखे हुए थी। 25 अगस्त को थाना लोहावट और डीएसटी फलोदी ने संयुक्त कार्रवाई कर दीनाराम निवासी पल्ली और श्रवण कुमार निवासी भेड़ को गिरफ्तार किया था। उनके पास से 4.03 किलो एमडी और 40 ग्राम अफीम बरामद की गई थी, साथ ही प्रयुक्त एसयूवी कार भी जब्त हुई थी। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने खुलासा किया था कि नशीले पदार्थ उन्हें अन्नाराम उर्फ अनिल से सप्लाई होते हैं।

इस खुलासे के बाद पुलिस ने अनिल की गतिविधियों पर बारीकी से निगरानी शुरू की। तकनीकी विश्लेषण के आधार पर 5 सितंबर को पुख्ता सूचना मिली कि आरोपी 6 सितंबर की सुबह बालोतरा से बायतू जाने वाला है। सूचना पर थाना मतोड़ा प्रभारी दाऊद खान और डीएसटी प्रभारी अमाना राम मय जाब्ता ने बालोतरा-बाड़मेर हाईवे पर नाकाबंदी कर दी। यहां आरोपी को बस से पकड़ा गया।

गिरफ्तार आरोपी अन्नाराम उर्फ अनिल (24) पुत्र नारायणराम जाट का आपराधिक इतिहास भी पुलिस रिकॉर्ड में दर्ज है। वह पूर्व में भी कई वारदातों में शामिल रहा है।

गिड़ा और सिवाना थाना क्षेत्रों में उसके खिलाफ लूट, मारपीट, राजकार्य में बाधा, आर्म्स एक्ट और एनडीपीएस एक्ट के तीन मामले पहले से दर्ज हैं। पूछताछ में अनिल ने माना कि वह कम समय में अधिक धन कमाने की लालच में मादक पदार्थों की तस्करी कर रहा था।

जिला पुलिस ने आमजन से अपील की है कि नशे से दूर रहें क्योंकि यह स्वास्थ्य के लिए अत्यंत हानिकारक है। साथ ही यह भी कहा कि यदि किसी को तस्करी, भंडारण या परिवहन की जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस को सूचित करें। सूचना देने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा।

भाभी ने ग्राम-विकास-अधिकारी देवर की कार में अफीम रखा

झुंझुनूं, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भाभी ने अपने प्रेमी के साथ मिलकर ग्राम विकास अधिकारी के पद पर तैनात अपने देवर को एनडीपीएस मामले में फंसाने की कोशिश की। प्रेमी के साथ मिलकर उसकी कार में अफीम रख दी। इसके बाद प्रेमी ने ही पुलिस को मुखबिर बन कॉल किया और ट्रैप करवा दिया। पुलिस ने ग्राम विकास अधिकारी के कहने पर मुखबिर बनकर कॉल करने वाले प्रेमी से पूछताछ की तो पूरे मामले का खुलासा हुआ। आरोपी भाभी और उसके प्रेमी ने पूछताछ में बताया कि देवर को दोनों के अफेयर के बारे में पता था इसलिए उसे रास्ते से हटाने के लिए पूरा प्लान रचा। मामला झुंझुनूं के कोतवाली थाना इलाके का शनिवार का है। रविवार को पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले का खुलासा किया। झुंझुनूं के एसपी बृजेश ज्योति उपाध्याय ने बताया- ग्राम विकास अधिकारी मंगलचंद को एनडीपीएस एक्ट के झूठे मामले में फंसाने के आरोप में संपत्ति देवी (35) और उसके बॉयफ्रेंड जितेन्द्र मीणा (33) को गिरफ्तार किया है। दोनों ने ग्राम विकास अधिकारी को फंसाने के लिए उसकी कार में अफीम 282.08 ग्राम अफीम रख दिया था।

बांध के ओवरफ्लो पानी से बचने के लिए एक्सप्रेस-वे पर आई, ट्रक ने जेठानी-देवरानी और मां-बेटी को कुचला

सवाई माधोपुर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। सवाईमाधोपुर जिले के बौंली उपखंड में दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर दर्दनाक हादसे में मां-बेटी सहित चार महिलाओं की मौत हो गई। टायर फटने से बेकाबू हुए ट्रक ने पैदल चल रही महिला श्रद्धालुओं को कुचल दिया। हादसे में अन्य दो महिलाएं घायल हो गईं। बारिश के चलते मोरेल बांध से ओवरफ्लो हो रहे पानी से बचने के लिए महिलाएं एक्सप्रेस-वे पर चढ़ गई।

अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रामकुमार कस्वां ने बताया कि घटना दोपहर करीब 3:45 बजे की है। महिलाएं खुर्रा माताजी के दर्शन कर लौट रही थी। इस दौरान शार्टकट और मोरेल बांध से ओवरफ्लो हो रहे पानी से बचने के लिए वे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर चढ़ गईं। पापड़ा की ढाणी के पास पीछे से आ रहे ट्रक ने टक्कर मार दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवा शव परिजन को सौंप दिए। वहीं घायल महिला संगीता का इलाज लालसोट में चल रहा है। वहीं मंजू को जयपुर रैफर किया गया है। हादसे में विजयपुरा निवासी लाली देवी (45) पत्नी रामभजन मीणा व उसकी बेटी चायना मीणा तथा चिमनपुरा की ढोली देवी (35) पत्नी ताराचंद उसकी देवरानी उगन्ती (30) पत्नी मोहर सिंह की मौत हुई है। वहीं संगीता (15) निवासी विजयपुरा और मंजू (15) निवासी चिमनपुरा घायल है।

टायर फटने से अनियंत्रित हुआ ट्रक

पुलिस के अनुसार ये महिलाएं एक्सप्रेस-वे के किनारे चल रही थीं, लेकिन अचानक पीछे से आ रहे ट्रक का आगे का टायर फटने से ट्रक अनियंत्रित होकर रैलिंग की साइड में जा घुसा और किनारे पर चल रही ये महिलाएं हादसे का शिकार बन गई।

रवि नारायण रेड्डी ने निजाम शासक को थर्रा दिया था : डॉ.के. नारायण

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाकपा के राष्ट्रीय सचिव डॉ.के. नारायण ने रविवार को कम्युनिस्ट नेता रवि नारायण रेड्डी को उन वीर योद्धाओं में से एक बताया, जिन्होंने तेलंगाना के महान सशस्त्र किसान संघर्ष के दौरान निजाम राजा मीर उस्मान अली खान की पीठ थपथपा दी थी। उन्होंने कहा कि इस संघर्ष ने न केवल लोगों को निजाम के अत्याचारी शासन और जमींदारों के शोषण से बचाया, बल्कि उन्हें जमीन, भोजन और बेगार से मुक्ति भी दिलाई।

'पद्म विभूषण' रवि नारायण रेड्डी की 34वीं जयंती रविवार को हैदराबाद के बंजारा हिल्स स्थित रवि नारायण रेड्डी सभागार में तेलंगाना शहीद स्मारक ट्रस्ट के सचिव कंडीमल्ला प्रताप रेड्डी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। इससे पहले, डॉ.के. नारायण, भाकपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चड्डा वेंकट रेड्डी, राष्ट्रीय समिति सदस्य पल्ला वेंकट रेड्डी, तेलंगाना राज्य भाकपा सचिव और पार्टी विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव, राज्य सचिवालय सदस्य वी.एस. बोस, राज्य कार्यकारिणी सदस्य बोम्मगनी प्रभाकर और राजी रेड्डी, स्मारक ट्रस्ट के सदस्य उज्जिनी रत्नाकर राव और रवि नारायण रेड्डी के परिवार के सदस्यों ने रवि नारायण रेड्डी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर एक सभा को संबोधित करते हुए, डॉ.के. नारायण ने कहा कि भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना 1925 में "दुन्ने वाडी दे भूमि" (भूमि जोतने वाले की है) के नारे के साथ हुई थी, और उन्होंने कहा कि इसी नारे को ध्यान में रखते हुए रवि नारायण रेड्डी ने भूमि, भोग और गरीबों की मुक्ति के लिए संघर्ष शुरू किया था। उन्होंने कहा कि रवि नारायण रेड्डी ने मखदूम मोहिउद्दीन और बड्डम येल्ला रेड्डी के साथ निजाम के खिलाफ तेलंगाना के किसानों के सशस्त्र संघर्ष में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। उन्होंने यह भी बताया कि तेलंगाना किसान सशस्त्र संघर्ष के तहत रेड्डी ने अपनी 700 एकड़ जमीन में से 500 एकड़ ज़मीन गरीबों में बाँट दी और कहा कि इसी भावना से आचार्य विनोबा भावे ने भूमि दान आंदोलन शुरू किया था। उन्होंने याद दिलाया कि आजादी के बाद 1951-52 में देश में हुए पहले लोकसभा चुनाव में, नारायण रेड्डी ने नलगोंडा निर्वाचन क्षेत्र से पीपुल्स डेमोक्रेटिक फ्रंट (पीडीएफ़) पार्टी के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा और देश में सबसे ज़्यादा बहुमत हासिल करके संसद सदस्य के रूप में एक कीर्तिमान स्थापित किया। नारायण ने आज के युवाओं से रेड्डी के जीवन को प्रेरणा के रूप में लेने और समाज में हो रहे अन्याय और अनियमितताओं के ख़िलाफ संघर्ष करने का आग्रह किया। विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने कहा कि तेलंगाना सशस्त्र संघर्ष में रवि नारायण रेड्डी जैसे कम्युनिस्टों के बलिदान के कारण ही हैदराबाद राज्य का भारतीय संघ में विलय हुआ। उन्होंने याद दिलाया कि इस संघर्ष में हिंदू और मुसलमान एकजुट थे और उन्होंने तानाशाह निज़ाम के ख़िलाफ़ लड़ाई लड़ी और निज़ाम के राज्य को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ लोग धर्म की आड़ में राजनीतिक लाभ उठाने की साजिश रच रहे हैं और चेतावनी दी कि वे इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। राव ने कहा कि रवि नारायण रेड्डी की सेवाएं इस धरती पर अमर हैं और रेड्डी भावी पीढ़ियों के लिए एक आदर्श हैं। इस कार्यक्रम में भाकपा नेता पी. प्रेम पावनी, विजयलक्ष्मी पंडित, रामास्वामी, प्रभुलिंगम, के. नरसिम्हा रेड्डी, अरुतला राज कुमार और अन्य शामिल हुए।

दो ब्रेन डेड व्यक्तियों के अंग दान से जरूरतमंदों को मिला जीवन

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की जीवनदान अंगदान पहल के तहत दो ब्रेन डेड व्यक्तियों के परिवारों ने जरूरतमंद मरीजों को उनके अंग दान करने की अनुमति दी। रविवार को जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, सर्जरों ने दोनों व्यक्तियों से प्रत्येक के तीन-तीन अंग निकालकर रोगियों को प्रत्यारोपित किए।

पहले मामले में, आंध्र प्रदेश के नेल्लोर निवासी 28 वर्षीय सॉफ्टवेयर कर्मचारी मारेला अभिलाष का 30 अगस्त को सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। उन्हें हैदराबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती किया गया, लेकिन हालत में सुधार न होने पर 6 सितंबर को उन्हें ब्रेन डेड घोषित किया गया। उनकी माँ ने उनके एक लिवर और दो किडनियां दान करने की सहमति दी।

दूसरे मामले में, निजामाबाद के दिचपल्ली निवासी 33 वर्षीय बुर्रा राजेश (जो पिछले दो वर्षों से उच्च रक्तचाप से पीड़ित थे) 5 सितंबर को तेज सिरदर्द के बाद अस्पताल में भर्ती हुए। हालत गंभीर होने पर उन्हें 6 सितंबर को ब्रेन डेड घोषित किया गया। उनकी पत्नी ने अंग दान की अनुमति दी, और सर्जरों ने उनका एक लिवर और दो किडनियां निकालकर जरूरतमंदों को प्रत्यारोपित किया। इन अंगदानों से छह मरीजों को नया जीवन मिला है, और यह पहल राज्य में अंगदान की बढ़ती जागरूकता का उदाहरण बन रही है।

भारत ने आठ साल बाद जीता एशिया कप खिताब

कोरिया को हराया, विश्व कप के लिए किया क्वालिफाई

राजगीर, 7 सितंबर (एजेंसियां)। बिहार के राजगीर में आयोजित हॉकी एशिया कप 2025 के खिताबी मुकाबले में रविवार को भारत ने पांच बार की विजेता दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। भारतीय हॉकी टीम आठ साल बाद एशिया कप की चैंपियन बनी है। यह उसकी टूर्नामेंट में चौथी खिताबी जीत है।

विश्व कप के लिए किया क्वालिफाई :

हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी में भारतीय टीम ने मौजूदा चैंपियन कोरिया को पराजित कर न सिर्फ ट्रॉफी जीती, बल्कि अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड की संयुक्त मेजबानी में होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालिफाई कर लिया। इससे पहले भारत ने 2003, 2007 और 2017 में भी खिताब जीता था। खास बात यह है कि 2007 और अब 2025 दोनों बार भारत ने कोरिया को हराकर खिताब जीता है। भारत 1982, 1985, 1989, 1994 और 2013 में उपविजेता (रनर-अप) रहा।

भारत ने शुरूआत से बनाया दबाव :

मैच की शुरूआत से ही भारतीय खिलाड़ियों ने आक्रामक खेल दिखाया और बढ़त हासिल की। पहले ही मिनट में सुखजीत सिंह ने गोल दागकर भारत को बढ़त दिला दी। हालांकि आठवें मिनट में जुगराज सिंह पेनाल्टी स्ट्रोक का फायदा उठाने से चूक गए। पहला क्वार्टर भारत के नाम 1-0 से रहा।

दूसरे क्वार्टर में भी भारत ने अपना दबदबा बनाए रखा। दिलप्रीत सिंह ने 27वें मिनट में गोल करते हुए बढ़त को 2-0 कर दिया।

हाफ-टाइम तक भारत 2-0 से आगे था। तीसरे क्वार्टर में कोरिया ने वापसी की कोशिश की और लगातार पेनल्टी कॉर्नर भी हासिल किए, लेकिन भारतीय डिफेंस के आगे उनकी एक न चली। वहीं 44वें मिनट में दिलप्रीत सिंह ने अपना दूसरा और भारत का तीसरा गोल दागकर स्कोर 3-0 कर दिया।

अंतिम क्वार्टर में भारत की ओर से अमित रोहिदास ने 49वें मिनट में शानदार फील्ड गोल किया। हालांकि एक मिनट बाद ही कोरिया के डैन सन ने गोल दागकर अंतर 4-1 कर दिया, लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने मैच पर पूरी तरह नियंत्रण बनाए रखा। चारों क्वार्टर में दबदबा बनाने वाले भारतीय खिलाड़ियों ने यह खिताबी जीत अपने नाम की और एक बार फिर साबित किया कि हॉकी में भारत एशिया की सबसे मजबूत टीम है।

साल का दूसरा और आखिरी चंद्रग्रहण

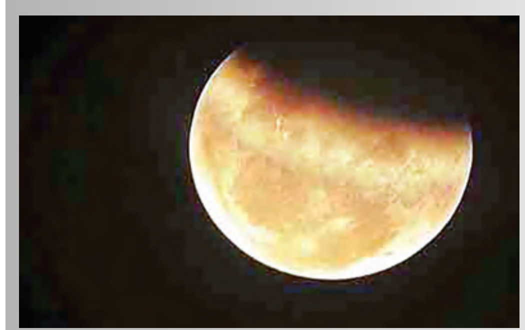

चंद्रग्रहण सबसे पहले तमिलनाडु में दिखा : जयपुर, दिल्ली, वाराणसी में चांद ढका, 3 घंटे 28 मिनट तक, ब्लड मून 82 मिनट तक रहा

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साल का दूसरा और आखिरी चंद्रग्रहण 9:56 शुरू हुआ। यह पूर्ण ग्रहण यानी ब्लड मून रहा जिसे भारत में कहीं से भी देखा जा सका। साल 2022 के बाद भारत में दिखने वाला यह सबसे लंबा पूर्ण चंद्रग्रहण है।

चंद्रग्रहण रात 9:56 बजे शुरू हुआ, जो 3 घंटे 28 मिनट तक था। इसमें से 82 मिनट पूर्ण चंद्रग्रहण था। इस दौरान पृथ्वी सूर्य और चांद के बीच आ गई, जिससे चांद पर उसकी छाया पड़ी और चांद लाल-नारंगी रंग का दिखाई दिया। इसे ही ब्लड मून कहा जाता है।

यह 27 जुलाई, 2018 के बाद पहली बार है जब ग्रहण को देश के सभी हिस्सों से देखा गया। इसे सीधे आंखों से देखा जा सकता था। इसके लिए किसी चश्मे या फिल्टर की जरूरत नहीं थी। हालांकि, दूरबीन या टेलिस्कोप से देखने पर इसे साफ देखा गया।

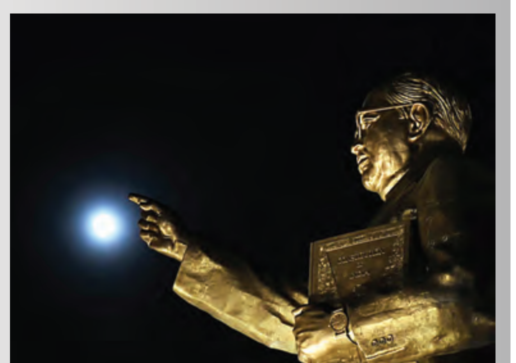

उस्मानिया विश्वविद्यालय लॉ कॉलेज की इमारत में गंभीर क्षति

छत रिसाव और जीर्णोद्धार की कमी से छात्रों, शिक्षकों और शैक्षणिक संसाधनों को खतरा

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उस्मानिया विश्वविद्यालय परिसर में स्थित यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लॉ की 65 साल पुरानी इमारत गंभीर संरचनात्मक क्षति का सामना कर रही है। हाल ही में हुई मूसलाधार बारिश के दौरान छत की दरारों से पानी लाइब्रेरी में घुस गया, जिससे किताबें, अलमारियां और बिजली के स्विचबोर्ड भीग गए। लगातार रिसाव की समस्या के कारण कई जगहों पर छतें उखड़ गई हैं और लोहे की बीमें बाहर निकल आई हैं। भवन में पानी के रिसाव ने शैवाल और घास सहित वनस्पतियों के विकास के लिए भी अनुकूल माहौल बना दिया है। छात्रों और अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि पहली मंजिल गिरने का जोखिम बना हुआ है। कई महीनों तक जीर्णोद्धार कार्य ठप रहने के कारण स्थिति और बिगड़ी है।

कॉलेज प्रशासन ने यूजी और पीजी कार्यक्रमों के लिए नए शैक्षणिक ब्लॉक के निर्माण की योजना बनाई है और विश्वविद्यालय प्रशासन से मंजूरी मिलने के बाद मरम्मत और निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। कुलपति प्रो.एम. कुमार ने बताया कि नए भवन और छात्रावास के निर्माण के लिए बजट में राशि रखी गई है और पूर्व छात्रों के योगदान के साथ मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी द्वारा घोषित 1,000 करोड़ रुपये के अनुदान का भी उपयोग किया जाएगा।

सीरवी समाज शमसाबाद बडेर में श्री गणपति महाराज का विसर्जन किया गया। लड्डू के बोली दाता भेराराम परिहारीया, हरिराम परिहारिया एवं परिहारिया परिवार लड्डू के लाभार्थी रहे। श्री खेतलाजी भैरुजी के भजन संध्या में शानदार भजनों की प्रस्तुति की गई।

डीआरएम, हैदराबाद ने 'संडे ऑन साइकिल' कार्यक्रम को हरी झंडी दिखाई

खिलाड़ियों, रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों ने चलाई साइकिल

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन के मंडल रेल प्रबंधक, संतोष कुमार वर्मा ने रविवार को रेलवे स्पोर्ट्र्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में अधिकारियों की एक टीम के साथ "फिटनेस का डोज, आधा घंटा रोज़" थीम पर आयोजित एक फिटनेस अभियान को हरी झंडी दिखाई और साइकिल चलाई। यह कार्यक्रम एससीआर स्पोर्ट्र्स एसोसिएशन द्वारा खेलो इंडिया योजना की फिट इंडिया पहल के तहत आयोजित किया गया था और इसका उद्देश्य रेलवे कर्मचारियों और समुदायों में फिटनेस की संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए फिटनेस को हमारी दिनचर्या में शामिल करना था।रेलवे स्पोर्ट्र्स कॉम्प्लेक्स, सिकंदराबाद में आयोजित इस साइकिलिंग कार्यक्रम में खिलाड़ियों, रेलवे कर्मचारियों और अधिकारियों सहित लगभग 150 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

हैदराबाद के मंडल रेल प्रबंधक संतोष कुमार वर्मा के साथ-साथ दक्षिण मध्य रेलवे खेल संघ के महासचिव (एफए एवं सीएओ), खेल सचिव, कोषाध्यक्ष और ओएसडी पी. कोटेश्वर राव ने भी इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया, जिससे इस अवसर की महत्ता और बढ़ गई। इस अवसर पर बोलते हुए, संतोष कुमार वर्मा ने दक्षिण मध्य रेलवे में इस उपयुक्त और महत्वपूर्ण पहल को अपनाने के लिए खेल संघ की सराहना की। उन्होंने फिट रहने के महत्व पर ज़ोर दिया, जो बहुत महत्वपूर्ण और समय की माँग है। फिट इंडिया मूवमेंट अभियान ने वास्तव में सभी को फिट और स्वस्थ रहने में बड़ी मदद की है। साइकिलिंग स्वास्थ्य के लिए बहुत अच्छी गतिविधि है और आजकल दूसरे देशों में भी कई लोग फिटनेस बनाए रखने के लिए साइकिलिंग की ओर रुख कर रहे हैं। साइकिलिंग पर्यावरण के अनुकूल गतिविधि है और स्वास्थ्य को भी बेहतर बनाती है। उन्होंने सभी रेलकर्मियों से इस फिट इंडिया अभियान में भाग लेने का आह्वान किया। भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय ने फिट इंडिया साइकिलिंग अभियान की शुरुआत की है।

श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण सम्पन्न

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। श्री आईमाताजी बडेर सीरवी समाज तेलंगाना पारसीगुट्टा हैदराबाद समाज बन्धुओं के तत्वावधान में भादव मास की चौदस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण पुजा-अर्चनाकर शनिवार 6 सितंबर रात्रि 9.15 बजे से आयोजित किया गया।

जारी प्रेस विज्ञप्ति में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने बताया कि हर वर्ष की भांति भादवा सुदी चौदस के पावन अवसर पर श्री खेतलाजी भैरुजी का जागरण आयोजित किया गया। जिसमें आस्था चैनल फेम सिंगर कन्हैया वैष्णव ने भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका समाज बन्धुओं ने नाचते-गाते हुए देर रात तक लाभ लिया। पधारे भक्तों के लिए प्रसाद की विशेष व्यवस्था कार्यक्रम स्थल पर की गयी।

अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़ ने कार्यक्रम में पधारे समाज बन्धुओं का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए बताया कि जो भक्त भादवा सुदी दूज माई के दर्शनकर आशीर्वाद प्राप्त करते है उन भक्तों को खेतलाजी भैरुजी के जागरण मे पधारकर दर्शन करने से ही मनोकामना पूर्ण होती है। सचिव नारायणलाल काग एवं महिला मंडल अध्यक्षा सुशीला देवड़ा ने विडियों कॉन्फेरेंस से भक्तों को खेतलाजी-भैरुजी के जागरण की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के सफल आयोजन में अध्यक्ष मोहनलाल हाम्बड़, उपाध्यक्ष रमेश पँवार, सहसचिव हिराराम खंडाला, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सलाहकार जसवंत देवड़ा, मनोनित सदस्य रामलाल परिहार, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम पंवार, सचिव चेलाराम भायल, खेल मंत्री हिमताराम हाम्बड़, महिला मंडल उपाध्यक्षा इन्द्रादेवी आगलेचा, सचिव निर्मला देवड़ा, कोषाध्यक्षा नीलू लचेटा, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य व समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा। मंच का संचालन मोहनलाल हाम्बड़ ने किया। महाआरती के पश्चात् कार्यक्रम का समापन्न हुआ।

आईसीएआर-सीआरआईडीए में शिक्षक दिवस मनाया गया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईसीएआर-केंद्रीय शुष्कभूमि कृषि अनुसंधान संस्थान (सीआरआईडीए), हैदराबाद ने 6 सितंबर को बड़े उत्साह के साथ शिक्षक दिवस मनाया और भारत के पूर्व राष्ट्रपति और प्रख्यात शिक्षक-दार्शनिक डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को श्रद्धांजलि अर्पित की।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ.पी.एल. गौतम कुलाधिपति राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, पूसा तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ.डी. राजी रेड्डी, कुलपति, कोंडा लक्ष्मण बागवानी विश्वविद्यालय, हैदराबाद उपस्थित रहे । डॉ.एस.बी. बारबुद्धे, निदेशक, राष्ट्रीय मांस अनुसंधान संस्थान (एनआरएमआई), हैदराबाद, डॉ. गोपाल लाल (कार्यवाहक), निदेशक, राष्ट्रीय अनुसंधान प्रबंधन अकादमी (एनएएआरएम) भी समारोह में उपस्थित थे।

अकादमिक समन्वयक (पीजी) डॉ.जी. रविन्द्र चारी ने सभी का स्वागत किया तथा युवा मस्तिष्कों को आकार देने और भावी पीढ़ियों के पोषण में शिक्षकों के अमूल्य योगदान पर प्रकाश डाला। निदेशक डॉ.वी.के. सिंह ने पिछले वर्ष के दौरान आईएआरआई-क्रीडा हैदराबाद हब के समग्र प्रदर्शन और गतिविधियों का विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने हमारे जीवन में गुरु की भूमिका और महत्व के बारे में बताया। उन्होंने इस आयोजन को यादगार बनाने के लिए संकाय सदस्यों और छात्रों के प्रयासों की सराहना की और शिक्षा, अनुसंधान और विस्तार में उत्कृष्टता के लिए आईसीएआर-क्रीडा की प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

डॉ.एस.बी. बारबुद्धे ने छात्रों से किसानों और देश के कल्याण के लिए ज्ञान का प्रयोग करने का आग्रह किया। उन्होंने सभी छात्रों को उनके प्रदर्शन के लिए बधाई भी दी।

डॉ. गोपाल एनएएआरएम के कार्यवाहक निदेशक डॉ. लाल ने शिक्षक के महत्व और समाज एवं राष्ट्र के विकास में शिक्षक की भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने छात्रों से शिक्षकों के साथ संबंध बनाए रखने और राष्ट्र के विकास के लिए कार्य करने का आग्रह किया। डॉ.डी. राजी रेड्डी ने शिक्षक दिवस के महत्व के बारे में बताया।

डॉ.पी.एल. गौतम ने भारत में ग्रामीण कृषि विश्वविद्यालयों की स्थापना में भारत के पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के योगदान की व्यापक जानकारी दी। मुख्य अतिथि ने लोगों को प्रेरित किया कि शिक्षक केवल ज्ञान प्रदाता ही नहीं, बल्कि आदर्श भी हैं जो छात्रों में मूल्यों, अनुशासन और दूरदर्शिता का संचार करते हैं।

इस अवसर पर छात्रों के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। छात्रों की उत्साहपूर्ण भागीदारी, शिक्षण समुदाय के प्रति उनके सम्मान और प्रशंसा को दर्शाती है। सराहना के प्रतीक के रूप में, प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार और पारितोषिक प्रदान किए गए।

कार्यक्रम का समापन मतदान के साथ हुआ। डॉ.के. नागश्री, अकादमिक समन्वयक (यूजी), आईएआरआई हैदराबाद हब, सीआरआईडीए द्वारा धन्यवाद दिया गया।

केबीआर पार्क में इच्छापूर्ति गणेशजी की अनंत चौदस की पूजा आरती में शामला पहनकर 500 भक्तों ने दूध देने वाली पूजा आरती वीए प्रसाद में दाल बाटी चूरमा का आनंद उठाया। इसमें राजेंद्र कुमार अग्रवाल, सुरेंद्र कुमार अग्रवाल, गोपाल बलदवा, माया अग्रवाल, संध्या रानी अग्रवाल, विजया रानी संतोष अग्रवाल, विजया रेड्डी, दीपा अशोक अग्रवाल, सरायवाला प्रमोद अग्रवाल, सरायवाला अशोक लाखोटिया व अन्य लोक उपस्थित थे।

न्यू हरियाना फ्रेट कैरियर्स, स्पीडस्टर ट्रांस सॉल्यूशंस, एनएचएफसी लॉजिस्टिक्स, एनकेएस ट्रांस लॉजिस्टिक्स, एनकेएस इंफ्रा डेवलपर्स का स्थापना दिवस पर सत्यनारायण व्रत कथा एवं गणेश पूजा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर पूजा ने भाग लेते हुए चेयरमैन एन.के. सिंह, श्रीमती मालथी देवी, निदेशक नंद किशोर सिंह, श्रीमती दीपिका सिंह, सूर्यांश, गायत्री, छवि, कंपनी स्टाफ पी. सुरेश, राजेंद्र तिवारी, पवन चैतन्य शामिल हुए। पूजा सुखेन्द्र महाराज शास्त्री ने कराया।

कार-पुलिस वाहन टक्कर, एक महिला की मौत

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह लंगर हाउस में एक कार ने तेज गति से पुलिस वाहन को टक्कर मार दी, जिसमें कार में सवार एक महिला की मौके पर ही मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए।

पुलिस के अनुसार, कार में दो पुरुष और तीन महिलाएं यात्रा कर रहे थे। हादसे में काशवी नामक महिला की मृत्यु हुई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हुए। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया और मृतका का शव पोस्टमार्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया गया।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

क्यों बदलता रहता है एशिया कप का फॉर्मेट

कब से हुई इस बदलाव की शुरुआत?

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप क्रिकेट की दुनिया के बड़े टूर्नामेंट्स में से एक है। जैसा इस टूर्नामेंट के नाम से पता चलता है, इस टूर्नामेंट में सिर्फ एशिया की टीमें खेलती हैं। भारत, बांग्लादेश, श्रीलंका, अफगानिस्तान, यूएई, हॉन्ग कॉन्ग इसमें हिस्सा लेती हैं। टूर्नामेंट जब से शुरू हुआ है तब से काफी कुछ बदल चुका है। क्रिकेट भी और इसका खेलने का तरीका भी। इन बदलावों का असर एशिया कप पर भी पड़ा है।

1984 में पहली बार एशिया कप खेला गया था। इस टूर्नामेंट का कर्ता-धर्ता एशियन क्रिकेट काउंसिल है। इसी पर जिम्मेदारी होती है कि एशिया कप का आयोजन हर दो साल में किया जाए। टूर्नामेंट की शुरुआत जब हुई थी तब टेस्ट क्रिकेट और वनडे क्रिकेट ही थे। ऐसे में वनडे फॉर्मेट में ये टूर्नामेंट खेला जाता था।

2016 में बदल गया सब कुछ

फिर आया साल 2016 जब इस टूर्नामेंट का आयोजन पहली बार टी20 फॉर्मेट में किया गया है। तब से ये टूर्नामेंट अल्टरेनेट तौर पर एक बार वनडे और एक बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाता है। दरअसल, 2015 में आईसीसी में कई बदलाव हुए और ये बदलाव इसके कार्य करने की शैली में हुए। इस दौरान एसीसी की ताकत को कम किया गया, हालांकि एशिया कप की मेजबानी का जिम्मा अभी भी एसीसी के पास ही रखा गया था।

आईसीसी में जब बदलाव हुए तब तय किया गया कि एशिया कप का फॉर्मेट अब रोटेशनल होगा। जो गाइडलाइंस जारी की गईं तब ये तय गया है कि एक बार ये फॉर्मेट वनडे फॉर्मेट में होगा तो अगली बार टी20 फॉर्मेट में खेला जाएगा और इस बात का फैसला एशिया कप के बाद होने वाले आईसीसी इवेंट के आधार पर किया जाएगा।

यानी अगर एशिया कप के कुछ महीनों बाद या अगले साल वनडे वर्ल्ड कप है तो ये टूर्नामेंट 50 ओवरों का होगा। वहीं अगर टी20 वर्ल्ड कप है तो एशिया कप भी इसी फॉर्मेट में खेला जाएगा। ये फैसला इसलिए किया गया था ताकि एशिया की टीमों को वर्ल्ड कप की तैयारी के लिए एक बड़ा मंच मिल जाए। इसी कारण 2016 में एशिया कप पहली बार टी20 फॉर्मेट में हुआ था क्योंकि कुछ ही महीने बाद भारत की मेजबानी में टी20 वर्ल्ड कप होना था।

तीसरी बार होगा टी20 एशिया कप

2016 में पहली बार एशिया कप क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप में खेला गया था। इसके बाद 2018 में वनडे में खेला गया था क्योंकि 2019 में वनडे वर्ल्ड कप था। 2022 में भी एशिया कप टी20 फॉर्मेट मेंखेला गया। 2025 में ये तीसरी बार है जब इस टूर्नामेंट का आयोजन इस फॉर्मेट में हो रहा है।

वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका ने लगातार दूसरा यूएस ओपन जीता

अनिसिमोवा को सीधे सेटों में हराया

न्यूयॉर्क, 7 सितंबर (एजेंसियां)। आर्यना सबालेंका ने लगातार दूसरा यूएस ओपन खिताब जीतकर अपने नाम कर लिया है. उन्होंने फाइनल में अमांडा अनिसिमोवा को 6-3, 7-6(3) से शिकस्त दी. इसी के साथ सबालेंका 2014 में सेरेना विलियम्स के बाद फ्लशिंग मीडोज में अपना एकल खिताब बरकरार रखने वाली पहली महिला बन गईं. अनिसिमोवा लगातार दूसरे ग्रैंड स्लैम फाइनल में खेल रही थीं. शुरुआती सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच पांच सर्विस ब्रेक हुए, जिसमें सबालेंका ने अंततः बढ़त हासिल कर ली. उन्होंने तीसरी बार अनिसिमोवा की सर्विस ब्रेक की और 5-3 की बढ़त बना ली. कुछ मिनट बाद अनिसिमोवा का फोरहैंड वाइड लगने से सेट अपने नाम कर लिया.

दूसरे सेट में, सबालेंका 5-4 के स्कोर पर सर्विस ब्रेक करते हुए मैच जीतने की स्थिति में नजर आ रही थीं, लेकिन 30-30 के स्कोर पर ओवरहेड चूकने से अनिसिमोवा के लिए वापसी करने और सेट को टाईब्रेकर तक ले जाने का रास्ता खुल गया. हालांकि, सबालेंका ने संयम से जवाब दिया, शुरुआत से ही टाईब्रेकर पर नियंत्रण बनाए रखा और अपने तीसरे चैंपियनशिप प्वाइंट के साथ जीत पक्की कर ली.

शीर्ष वरीयता प्राप्त और गत विजेता खिलाड़ी ने आठवीं वरीय अमेरिकी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ दमदार और संयमित खेल दिखाते हुए 2025 सीजन का अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब और करियर की चौथी बड़ी ट्रॉफी जीत ली. इसके साथ ही सबालेंका ने ग्रैंड स्लैम मेन-ड्रॉ में अपने करियर की 100वीं और इस सीजन की 56वीं जीत दर्ज की, जो इस साल टूर में सबसे अधिक है.

सबालेंका इस साल की शुरुआत में ऑस्ट्रेलियन ओपन और रोलां गैरो दोनों के फाइनल तक पहुंची थीं, लेकिन वहां खिताब से चूक गईं. इस साल की शुरुआत में विंबलडन सेमीफाइनल में सबालेंका को हराने वाली अनिसिमोवा इस मैच में 6-3 की बढ़त के साथ उतरीं, लेकिन एक बार फिर पिछड़ गईं. हार के बावजूद, अमेरिकी खिलाड़ी के पहली बार पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में शीर्ष 5 में पहुंचने की उम्मीद है.

वैशाली ने ग्रैंड स्विस में दर्ज की लगातार तीसरी जीत

बेडेल्का को हराया; एकल बढ़त बनाई

समरकंद, 7 सितंबर (एजेंसियां)। गत चैंपियन और भारतीय महिला ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने शानदार प्रदर्शन जारी रखा और जीत की हैट्रिक लगाई। वैशाली ने फिडे ग्रैंड स्विस के तीसरे दौर में ऑसट्रिया की ओल्गा बेडेल्का को हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज करते हुए महिला वर्ग में एकल बढ़त हासिल कर ली। हालांकि, वंतिका अग्रवाल को चीन की युक्सिन सोंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। वहीं, डी हरिका को चीन की गुओ क्यूई ने ड्रॉ पर रोका। वंतिका और हरिका दोनों के 1.5-1.5 अंक हैं, जबकि वैशाली अपनी निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से आधे अंक की बढ़त बनाए हुए हैं। ओपन वर्ग में विश्व चैंपियन डी गुकेश ने स्पेन के डेनियल युफा को पराजित किया जिससे उनके संभावित तीन में से 2.5 अंक हो गए हैं।

बीसीसीआई ने दिखाया अपना खाता-बही

एक साल का राजस्व 4193 करोड़, पांच साल में कमाए 14,627 करोड़

नई दिल्ली, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने पिछले पांच वर्षों में अपने खजाने में 14,627 करोड़ रुपये की वृद्धि की है। अकेले पिछले वित्त वर्ष में ही 4,193 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई है। इसके बाद बीसीसीआई के पास नकद और बैंक बैलेंस मिलाकर कुल 20,686 करोड़ रुपये हो गए हैं। यह जानकारी एक रिपोर्ट में सामने आई है।

क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार, राज्य संघों का पूरा बकाया चुकाने के बाद भी बीसीसीआई की आमदनी लगातार बढ़ी है। 2019 में जहां बीसीसीआई का सामान्य कोष 3,906 करोड़ रुपये था, वहीं 2024 में यह लगभग दोगुना होकर 7,988 करोड़ रुपये हो गया है।

नकद और बैंक बैलेंस 20686 करोड़ रुपये हुआ

रिपोर्ट के मुताबिक, 2024 की वार्षिक आम बैठक में प्रस्तुत लेखा विवरण में कहा गया है, 'मानद सचिव ने सदस्यों को बताया कि 2019 से बीसीसीआई का नकद और बैंक बैलेंस 6,059 करोड़ रुपये से बढ़कर 20,686 करोड़ रुपये हो गया है, वह भी राज्य क्रिकेट संघों को पूरा भुगतान करने के बाद। 2019 से, बीसीसीआई ने पिछले पांच वर्षों में कुल 14,627 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी की है। सिर्फ पिछले वित्त वर्ष में ही यह बढ़ोतरी 4,193 करोड़ रुपये की

रही।' इसके अलावा, 2019 से, सामान्य निधि भी 3,906 करोड़ रुपये से बढ़कर 7,988 करोड़ रुपये हो गई है, जो 4,082 करोड़ रुपये की वृद्धि है।

बीसीसीआई ने कर देनदारियों को देखते हुए भी बड़ी रकम अलग रखी है। वित्त वर्ष 2023-24 के लिए 3,150 करोड़ रुपये आयकर प्रावधान में डाले गए हैं, हालांकि यह मामला अदालतों और न्यायाधिकरणों में अभी चल रहा है।

जमा पूंजी पर बेहतर रिटर्न मिलने से 986.45 करोड़ रुपये हुई आय

रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि पिछले साल घरेलू अंतरराष्ट्रीय मैच कम होने से मीडिया अधिकार आय घटकर 813.14 करोड़ रुपये रह गई, जबकि इसके पहले यह 2,524.80 करोड़ रुपये थी। लेकिन जमा पूंजी पर बेहतर रिटर्न मिलने से निवेश से आय 533.05 करोड़ रुपये से बढ़कर 986.45 करोड़ रुपये हो गई। रिपोर्ट के अनुसार, आईपीएल और आईसीसी से मिलने वाले हिस्से की मदद से बीसीसीआई ने 2023-24 में 1,623.08 करोड़ रुपये का अधिशेष कमाया, जो 2022-23 के 1,167.99 करोड़ रुपये से ज्यादा है।

राज्य संघों को दिए गए 1990.18 करोड़ रुपये

2023-24 के लिए, बीसीसीआई ने बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 1,200 करोड़ रुपये, प्लैटिनम जुबली बेनेवोलेंट फंड के लिए 350 करोड़ रुपये और क्रिकेट विकास के लिए 500 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। राज्य संघों को 1,990.18 करोड़ रुपये दिए गए, जबकि चालू वर्ष के लिए 2,013.97 करोड़ रुपये देने का अनुमान है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ये आंकड़े 28 सितंबर को बीसीसीआई की वार्षिक आम बैठक में औपचारिक रूप से प्रस्तुत किए जाएंगे।5

अभिषेक शर्मा ने प्रैक्टिस में छुड़ाए सबके छक्के

एशिया कप के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग 11 तैयार!

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। एशिया कप के मुकाबलों में मैजिक कैसा होगा, अभिषेक शर्मा ने उसका ट्रेलर प्रैक्टिस में दिखा दिया है. उन्होंने सबके छक्के छुड़ा दिए हैं. भारत के किसी भी बल्लेबाज के मुकाबले नेट्स पर उन्होंने ना तो सबसे लंबे बल्कि सबसे ज्यादा छक्के भी जड़े. सामने चाहे गेंदबाज कोई भी हो, छक्के लगाने की उनकी कंसिस्टेंसी में कमी नहीं दिखी. जितने आराम से अभिषेक शर्मा गेंदों को बाउंड्री पार करा रहे थे, वो भारतीय फैंस की आंखों को सुकून देने वाला और दिल को ये दिलासा कि एशिया कप के खिताब पर कोई खतरा नहीं है. टीम इंडिया की प्रैक्टिस के अभिषेक शर्मा तो चार्म रहे ही. उसके अलावा एशिया कप की प्लेइंग इलेवन को लेकर भी बड़े संकेत मिलते दिखे.

पहली बार ऐसा टूर्नामेंट खेलेंगे अभिषेक

बाएं हाथ के सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा का T20 एशिया कप पहला मल्टीनेशन टूर्नामेंट होगा. मगर इस बात का उनपर कोई दबाव नहीं दिखा. वो नेट्स पर अपने चिर-परिचित अंदाज में छक्के लगाते दिखे. अभिषेक के इस तूफानी अंदाज से ये बात और साफ हो गई कि भारत की ओपनिंग का जिम्मा सुरक्षित हाथों में है.

ओपनिंग से मिडिल ऑर्डर का नेट्स पर दिखा रंग

एशिया कप में ओपनिंग में अभिषेक शर्मा के जोड़ीदार शुभमन गिल हो सकते हैं. क्योंकि, वो भी नेट्स पर अपनी बल्लेबाजी के दौरान गेंदों को हवा में लहराते हुए मारने की प्रैक्टिस करते दिखे. रिपोर्ट के अनुसार, अभिषेक और गिल की प्रैक्टिस के बाद तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव और रिंकू सिंह ने बारी-बारी प्रैक्टिस की. इन सबका जोर भी पावर हिटिंग पर रहा. बल्लेबाजी के बाद रिंकू सिंह ने फील्डिंग कोच टी. दिलीप के साथ ड्रिल भी किया.

जितेश शर्मा होंगे पहले विकेटकीपर, सैमसन को करना पड़ेगा इंतजार!

प्रैक्टिस सेशन के दौरान जितेश शर्मा को टीम के पहले विकेटकीपर के तौर पर तैयार होते दिखे. इस बीच संजू सैमसन बैटिंग कोच सितांशु कोटक के साथ नॉकिंग करते दिखे. उसके बाद उन्होंने मुख्य नेट्स का रुख जरूर किया. पर वो ओपनिंग या विकेटकीपिंग में टीम इंडिया की फर्स्ट चॉइश होंगे. उसे लेकर कुछ भी क्लियर होता नहीं दिखा.

ये हो सकते हैं ऑलराउंडर और गेंदबाज

ऑलराउंडर्स हार्दिक पंड्या ने भी नेट्स पर जमकर पसीना बहाया. उन्होंने पहले गेंदबाजी की. फिर अपनी बल्लेबाजी पर फोकस किया. गेंदबाजी में जसप्रीत बुमराह ने लंबे स्पेल नेट्स पर डाले. अर्शदीप सिंह ने शॉर्ट पिच गेंदों का अच्छा मिक्स किया. स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने भी लंबे स्पेल डाले.

एशिया कप में टीम इंडिया की प्लेइंग 11?

अब प्रैक्टिस सेशन से जो संकेत मिले हैं, अगर सबकुछ वैसा ही रहने वाला है तो समझ लीजिए कि एशिया कप के लिए टीम इंडिया की प्लेइंग इलेवन तैयार है. और, वो कुछ इस प्रकार होगी.

अभिषेक शर्मा, शुभमन गिल, तिलक वर्मा, सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रिंकू सिंह, जितेश शर्मा, हार्दिक पंड्या, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती

निकहत ने दर्ज की धमाकेदार जीत

लवलीना, हितेश मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप से बाहर

लिवरपूल, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारत वर्ल्ड बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्टार महिला मुक्केबाज निकहत जरीन मुक्केबाजी विश्व चैंपियनशिप में एकतरफा जीत के साथ आगे बढ़ने में सफल रही. तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक विजेता अनुभवी लवलीना का सफर हार के साथ खत्म हुआ. चोट से वापसी कर रही दो बार की विश्व चैंपियन निकहत ने महिलाओं की 51 किग्रा भारवर्ग में अमेरिका की जेनिफर लोजानो को 5-0 से आसानी से हराया.

वहीं दूसरी तरफ लवलीना बोरगोहेन की चोट से वापसी निराशाजनक रही. महिलाओं की 75 किग्रा वर्ग में अपने पहले मुकाबले में ही तुर्की की बुसरा इसिलदार के खिलाफ 0-5 से हार का सामना करना पड़ा. कुछ दिन पहले ही उन्होंने बताया कि वो पेरिस ओलंपिक में पदक जीतकर संन्यास लेना चाहती थी. उनका सपना पूरा नहीं हो पाया इसी वजह से वो अपने अभियान को जारी रख रही हैं. लवलीना का सपना भारत के लिए ओलंपिक पदक को जीतकर विदाई लेने का है. फिलहाल जिस तरह का प्रदर्शन उनका है उससे तो यह मुश्किल लग रहा है.

पुरुष वर्ग में भी भारतीय खेमे को निराशा हाथ लगी जब दो बार के विश्व कप पदक विजेता और डेब्यू कर रहे हितेश गुलिया 70 किग्रा वर्ग में हारकर बाहर हो गए. तीसरी वरीयता प्राप्त गुलिया को नीदरलैंड के बोस फिन रॉबर्ट के खिलाफ 1-4 से हार का सामना करना पड़ा. एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल को जीत मिली. उन्होंने शुक्रवार रात पुरुषों की 90 किग्रा से अधिक भार वर्ग की शुरुआती बाउट में आयरलैंड के मार्टिन क्रिस्टोफर मैकडोनाग को हराया. 4-1 से जीत हासिल कर अंतिम 16 में जगह बनाई.

हरियाणा की मोनिका ने थाईलैंड में जीता गोल्ड

प्रो बॉक्सिंग चैंपियनशिप, पाकिस्तान की खिलाड़ी को किया नॉकआउट, गांव में खुशी का माहौल

रोहतक, 7 सितंबर (एजेंसियां)। गांव पिरथला की मोनिका बॉक्सर ने थाईलैंड के बैंकॉक में प्रो बॉक्सिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतकर देश का नाम रोशन किया है। थाईलैंड में आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रो बॉक्सिंग चैंपियनशिप में विभिन्न देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया।

मोनिका का मुकाबला पाकिस्तान की आलिया सोमरा के साथ हुआ। बॉक्सिंग के 8 राउंड की फाइट में छठे में ही मोनिका ने आलिया को नाकआउट कर जीत हासिल की। कोच विजय नरवाल ने बताया कि इससे पहले भी मोनिका जापान, कजाकिस्तान जैसे अन्य देशों में भी प्रो बॉक्सिंग में पदक जीत चुकी है।

मोनिका के पिता महेंद्र सिंह हरियाणा रोडवेज में इंस्पेक्टर पद पर कार्यरत हैं। गांव वासी दलबीर सिंह, पूर्व सरपंच प्रतिनिधि संदीप ने कहा कि मोनिका की इस उपलब्धि से पूरे देश में गांव का नाम रोशन हुआ है। मोनिका का टोहाना पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया जाएगा। मोनिका की इस उपलब्धि पर विधायक परमवीर सिंह, राज्यसभा सदस्य सुभाष बराला, पूर्व मंत्री देवेंद्र बबली, डॉ. शिव सचदेवा, आईएमए प्रधान डॉ. दीपांश भाटिया, मानव सेवा संगम प्रधान सतपाल नन्हेड़ी, हरियाणा प्रदेश व्यापार मंडल संरक्षक रमेश गोयल व एचबी राइस मिल से हनी बंसल ने बधाई दी है।

एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के उतरेगी टीम इंडिया

एसीसी के वीडियो में दिखी भारतीय जर्सी की झलक, ड्रीम-11 का नाम हटा

मुंबई, 7 सितंबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया क्रिकेट एशिया कप में बिना जर्सी स्पॉन्सर के उतरेगी। एशियन क्रिकेट काउंसिल ने शनिवार को टीम इंडिया का वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में देखा जा सकता है कि नई जर्सी में कोई भी स्पॉन्सर का नाम नहीं है। जर्सी की बाएं ओर बीसीसीआई का लोगो है, जबकि दाहिने तरफ डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 लिखा हुआ है। डीपी वर्ल्ड एशिया कप 2025 का स्पॉन्सर है। इसके अलावा जर्सी पर केवल इंडिया का नाम लिखा हुआ है। 22 अगस्त को सरकार के ऑनलाइन गेमिंग एक्ट-2025 लागू करने के बाद ड्रीम-11 ने बीसीसीआई के साथ करार खत्म किया था। इसके बाद बीसीसीआई ने 2 सितंबर को जर्सी स्पॉन्सरशिप के लिए टेंडर जारी किया था। टेंडर खरीदने की आखिरी तारीख 12 सितंबर है।

स्पॉन्सरशिप की बोली लगाने की अंतिम तारीख 16 सितंबर तय की गई है। वहीं, एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से हो रही है। ड्रीम 11 और बीसीसीआई में करार खत्म हो गया है। साल 2023 में ड्रीम 11 टीम इंडिया की जर्सी स्पॉन्सर बनी थी। ये डील 3 सालों के लिए थी, लेकिन वक्त से 6 महीने पहले ही ये डील रद्द हो गई। केंद्र सरकार ने अगस्त में ऑनलाइन गेमिंग एक्ट में बड़ा बदलाव किया और पैसों की लेन देन करने वाले ऐप्स को बैन कर दिया। इसके बाद ड्रीम 11 को बड़ा झटका लगा। अब बीसीसीआई नए जर्सी स्पॉन्सरशिप की तलाश में है। एशिया कप 2025 की शुरुआत 9 सितंबर से होगी। भारतीय टीम को पहला मुकाबला 10 सितंबर को यूएई के खिलाफ खेलना है। इसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा। वहीं 19 सितंबर को टीम इंडिया ओमान के खिलाफ खेलेगी।

वर्ल्ड आर्चरी चैंपियनशिप-भारत को मेंस कंपाउंड इवेंट में पहला गोल्ड

ऋषभ-अमन और प्रथमेश की तिकड़ी ने फ्रांस की टीम को हराया

गवांग्जू, 7 सितंबर (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष कम्पाउंड तीरंदाजी टीम ने इतिहास रच दिया है। भारतीय टीम ने विश्व चैंपियनशिप में रविवार को फ्रांस को हराकर पहली बार इस टूर्नामेंट में स्वर्ण पदक जीता। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेश फुगे की तिकड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया और खिताबी मुकाबले में फ्रांस को 235-233 के अंतर से हराया। भारत ने फाइनल से पहले ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका और तुर्किये पर भी प्रभावशाली जीत दर्ज की थी। ऋषभ यादव, अमन सैनी और प्रथमेष फुगे की जोड़ी ने मैच के हर पल संयम बनाए रखा और अंतिम क्षणों तक बढ़त बनाए रखी।

इस शानदार जीत के साथ भारत ने तीरंदाजी के अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी ताकत का सबूत पेश किया और इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया।

फाइनल तक पहुंचने के लिए भारत ने ऑस्ट्रेलिया, मजबूत टीम अमेरिका और तुर्की को रोमांचक मुकाबलों में हराते हुए प्रभावशाली प्रदर्शन किया था।

इससे पहले भारतीय तिरंदाजी जोड़ी ज्योति सुरेखा वेन्नम और ऋषभ ने नीदरलैंड के खिलाफ रोमांचक फाइनल में 155-157 से हारते हुए भारत को रजत पदक दिलाया था।

विश्व तिरंदाजी चैंपियनशिप के पहले दिन ही भारत ने 2 पदकों को सुनिश्चितता कर लिया। युवा ऋषभ ने हर मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया। पिछली बार की विजेता भारत की महिला कंपाउंड टीम- ज्योति सुरेखा वेन्नम, परमीत कौर और प्रिथिका प्रदीप को कंपाउंड महिला टीम इवेंट के दूसरे दौर में इटली के खिलाफ 229-233 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीदों पर खरा नहीं उतर सका और टीम पर इस हार का बड़ा असर पड़ा। खिलाड़ियों ने पूरी कोशिश की, लेकिन इटली ने मुकाबले में बढ़त बनाकर जीत हासिल कर ली।

गणेश प्रतिमा विसर्जन शांतिपूर्ण संपन्न होने पर सीएम ने प्रसन्नता जताई

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद और पूरे तेलंगाना राज्य में गणेश प्रतिमा विसर्जन उत्सव के शांतिपूर्ण आयोजन पर गहरी प्रसन्नता व्यक्त की। मुख्यमंत्री ने नौ दिनों तक चले उत्सव के दौरान भगवान गणेश की भक्तिभाव से पूजा करने के लिए भक्तों का आभार व्यक्त किया और अत्यंत सावधानी के साथ भगवान को भव्य विदाई दी। मुख्यमंत्री ने पुलिस, नगरपालिका, राजस्व, विद्युत, परिवहन, पंचायत राज और अन्य विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों, उत्सव समितियों के सदस्यों, गणेश पंडाल आयोजकों, क्रेन संचालकों और सभी भक्तों को बधाई दी, जिन्होंने बिना किसी अप्रिय घटना के शांतिपूर्ण मूर्ति विसर्जन जुलूस के लिए अथक परिश्रम किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद शहर के टैंकबंड सहित सभी क्षेत्रों में लाखों गणेश प्रतिमाओं के अनुशासित और शांतिपूर्ण विसर्जन में सहयोग देने के लिए लोगों की भी प्रशंसा की।

सामूहिक प्रयासों से शांतिपूर्ण गणेश विसर्जन सुनिश्चितः सीपी साइबराबाद

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । साइबराबाद सीपी अविनाश मोहंती ने कहा कि साइबराबाद पुलिस ने गणेश उत्सव की योजना बहुत बारीकी से बनाई, जिसकी शुरुआत सभी हितधारकों की भागीदारी वाली एक अंतर-विभागीय समन्वय बैठक से हुई। साइबराबाद क्षेत्राधिकार में सुचारू और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ, जिसका श्रेय अचूक व्यवस्थाओं को जाता है। उन्होंने कहा कि वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिदिन जमीनी स्तर पर बंदोबस्त व्यवस्थाओं की बारीकी से निगरानी की। वरिष्ठ अधिकारियों ने सार्वजनिक सुरक्षा एकीकृत संचालन केंद्र से वास्तविक समय में जुलूसों की निगरानी की, जिससे किसी भी स्थिति पर त्वरित प्रतिक्रिया सुनिश्चित हुई। गणेश विसर्जन के लिए, उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने हेतु साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय द्वारा कई विस्तृत व्यवस्थाएँ की गईं। साइबराबाद सीमा में लगभग 88,182 मूर्तियों का विसर्जन किया गया, जिनमें माधापुर क्षेत्र में 16,309, बालानगर क्षेत्र में 26,542, मेडचल क्षेत्र में 23,952, राजेंद्रनगर क्षेत्र में 18,308 और शमशाबाद क्षेत्र में 3,071 मूर्तियाँ शामिल हैं। हुसैन सागर, टैंक बंड में लगभग 490 मूर्तियों का विसर्जन किया गया। इनमें से लगभग 28,000 मूर्तियाँ तीन फीट या उससे अधिक ऊँची थीं। साइबराबाद आयुक्तालय में 33 प्रमुख झीलें/तालाब हैं-रंगरेड्डी जिले में 20, मेडचल-मलकजगिरी जिले में 12 और संगारेड्डी जिले में 1। इनमें से, जीएचएमसी सीमा के अंतर्गत 25 झीलों को सीसीटीवी निगरानी में रखा गया था। पूर्व अनुभव वाले सुप्रशिक्षित अधिकारियों को बंदोबस्त ड्यूटी के लिए तैनात किया गया था, जिसमें कुल 5,785 कर्मचारी (बाहरी बलों के 568 सहित) और विशेष शी टीमें शामिल थीं। लगभग 65 स्थिर और मोबाइल क्रेन तैनात किए गए थे। जुलूस मार्गों और विसर्जन स्थलों तक जाने वाली गलियों को सुरक्षित करने के लिए तोड़फोड़-रोधी जाँच की गई। पूरी विसर्जन प्रक्रिया की निगरानी साइबराबाद, गच्चीबोवली स्थित पुलिस आयुक्त कार्यालय से सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से की गई।

गणेश विसर्जन कराने के लिए दो दिनों तक पुलिस ने किया अथक परिश्रम : सीवी आनंद

महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने और जेबकतरी के मामलों में 170 गिरफ्तार

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । मुख्य गणेश प्रतिमा विसर्जन के दूसरे दिन के रविवार को समापन पर, हैदराबाद के पुलिस महानिदेशक एवं आयुक्त, सी.वी. आनंद ने गणेश प्रतिमा विसर्जन के संबंध में मीडिया को संबोधित किया। जीएचएमसी अधिकारियों ने बताया कि तीसरे से ग्यारहवें दिन तक कुल 1,40,000 गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। उन्होंने बताया कि इनमें से 1,20,000 प्रतिमाओं का विसर्जन छोटे तालाबों और अन्य छोटी झीलों में किया गया।

हालाँकि, हमारी ऑनलाइन प्रक्रिया के माध्यम से, हैदराबाद शहर में 12,030 प्रतिमाएँ पंजीकृत की गईं। इनमें से 7,330 प्रतिमाओं का विसर्जन मुख्य विसर्जन से पहले के दिनों में किया गया, जिससे 4,700 प्रतिमाएँ मुख्य विसर्जन कार्यक्रम के दौरान विसर्जित की जानी शेष रहीं। हालाँकि, इनमें से 900 प्रतिमाएँ अभी भी विसर्जन के लिए नेकलेस रोड पर हैं। गणेश विसर्जन जुलूस लगभग 40 घंटे तक चला।

इस वर्ष, कुछ मूर्तियों की ऊँचाई 40 फीट से अधिक होने के कारण जुलूस में थोड़ी देरी हुई। पुलिस ने विसर्जन को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए दो दिनों तक बिना रुके काम किया। 9 ड्रोन और 35 ऊँची इमारतों पर कैमरों से निगरानी रखी गई। खैरताबाद गणेश उत्सव समिति के सदस्यों के सहयोग से विसर्जन समय से पहले संपन्न हुआ। हमारे मध्य क्षेत्र पुलिस और जीएचएमसी, राजस्व, बिजली, आरटीए और एचएमडीए जैसे विभिन्न सरकारी विभागों के बीच समन्वय से यह सफल विसर्जन संभव हो सका।

विसर्जन जुलूस के दौरान मामूली विवादों को लेकर 5 मामले दर्ज किए गए। पुलिस ने महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने और जेबकतरी के कई मामलों में 170 लोगों को गिरफ्तार किया। आयुक्त ने कहा कि पिछले वर्ष की तुलना में अपराधों की संख्या में कमी आई है।

गणेश प्रतिमा विसर्जन कार्यक्रम अभी भी जारी है। सी.वी. आनंद, आईपीएस, महानिदेशक और हैदराबाद के पुलिस आयुक्त, ने कहा कि यातायात डायवर्जन पूरी तरह से हटने के बाद ही विसर्जन को पूर्ण माना जाएगा। उन्होंने कहा कि हालाँकि कुछ मंडप आयोजकों ने अपनी शोभायात्राएँ देर से शुरू कीं, फिर भी सभी मूर्तियाँ सफलतापूर्वक हुसैन सागर पहुँचा दी गईं। उन्होंने बताया कि अब विसर्जन आम जनता को बिना किसी असुविधा के जारी रहेगा। हैदराबाद सिटी पुलिस की ओर से, उन्होंने जनता, गणेश उत्सव समिति और मंडप आयोजकों को हैदराबाद में गणेश विसर्जन शांतिपूर्ण माहौल में सुनिश्चित करने के लिए धन्यवाद दिया। उन्होंने विसर्जन कार्यक्रम को पूरा करने में पुलिस के साथ समन्वित सहयोग के लिए मंडप आयोजकों की सराहना की। उन्होंने लगभग 40 घंटे तक अथक परिश्रम करने वाले सभी पुलिस कर्मियों और अधिकारियों का भी विशेष धन्यवाद किया। उन्होंने टी.जी. आईसीसीसी मल्टी-एजेंसी वॉर रूम में मिलकर काम करने वाले सभी विभागों के अधिकारियों का भी आभार व्यक्त किया, जिन्होंने समस्याओं का समाधान किया और विसर्जन में कोई बाधा न आए यह सुनिश्चित करने में पुलिस की सहायता की। इस अवसर पर एन. श्वेता, डीसीपी डीडी; के. शिल्पा वल्ली, डीसीपी सेंट्रल ज़ोन; रक्षिता कृष्ण मूर्ति , डीसीपी कार मुख्यालय, और अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सड़क हादसे के 4 दिन बाद मिले 2 युवकों के शव

विसर्जन की तैयारी से लौटते समय पुलिया से टकराई बाइक

मंचेरियल, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। महाराष्ट्र के दो युवकों के शव चार दिन बाद कोटापल्ली मंडल के एर्रायपेट गांव स्थित एनएच-63 पर एक पुलिया के नीचे मिले। बुधवार रात हुई इस दुर्घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई थी। मृतकों की पहचान सिरोंचा तालुका के थुम्मुनुर गांव निवासी सिड्डू रामुलु बागुरु सिंह (22) और नागेश राजन्ना मोहत्री (25) के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, दोनों युवक गणेश प्रतिमा विसर्जन के लिए संगीत उपकरण खरीदकर मंचेरियल कस्बे से लौट रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, रास्ते में एक मोड़ पर उनकी मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गई। टक्कर के बाद दोनों युवक पुलिया के नीचे गिर पड़े और उनकी तुरंत मौत हो गई। चूँकि दुर्घटना किसी की नजर में नहीं आई, शव वहीं पड़े रहे। शनिवार रात पुलिया से दुर्गंध आने पर स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। इसके बाद हाईवे पर लगे सीसीटीवी फुटेज की जाँच की गई, जिसमें दुर्घटना की पुष्टि हुई।

ओवैसी ने विपक्षी उम्मीदवार सुदर्शन रेड्डी को दिया समर्थन

उपराष्ट्रपति चुनाव में एआईएमआईएम ने दिया न्यायमूर्ति रेड्डी का साथ

हैदराबाद, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एआईएमआईएम अध्यक्ष और सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी को समर्थन देने की घोषणा की है। ओवैसी ने बताया कि तेलंगाना मुख्यमंत्री कार्यालय ने उनसे संपर्क कर 9 सितंबर को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में न्यायमूर्ति रेड्डी की उम्मीदवारी का समर्थन करने का अनुरोध किया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने आज मुझसे बात की और अनुरोध किया कि हम उपराष्ट्रपति पद के लिए न्यायमूर्ति सुदर्शन रेड्डी का समर्थन करें। हमारी पार्टी, न्यायमूर्ति रेड्डी जो एक हैदराबादी और सम्मानित न्यायविद हैं, को अपना समर्थन देगा। ओवैसी ने यह भी बताया कि उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी से सीधे बात कर उन्हें शुभकामनाएं दीं। लोकसभा में एआईएमआईएम का प्रतिनिधित्व ओवैसी ही करते हैं।

दुबई में गणेश विसर्जन ने दिखाई सहिष्णुता की मिसाल

भारतीय प्रवासियों के उत्सव में विभिन्न धर्मों के लोगों की रही अहम भागीदारी

दुबई, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। संयुक्त अरब अमीरात में सहिष्णुता सिर्फ एक मूल्य नहीं, बल्कि सरकारी नीति का हिस्सा है, जो धार्मिक स्वतंत्रता और अंतर्धार्मिक संवाद को बढ़ावा देती है। इसी भावना का उदाहरण हाल ही में दुबई के सोनापुर में गणेश चतुर्थी समारोह के समापन पर हुए विसर्जन में देखने को मिला। यहाँ की एक प्रमुख निर्माण एवं भारी उपकरण कंपनी के तेलुगु प्रवासी कर्मचारी पिछले दस सालों से सांप्रदायिक सद्भाव का प्रतीक बनकर इस उत्सव का आयोजन कर रहे हैं। कंपनी के आवास परिसर में 10,000 से अधिक विभिन्न धर्मों के लोग रहते हैं, जो हर साल इस आयोजन का हिस्सा बनते हैं।

करीब एक दशक पहले हैदराबाद के अब्दुल नासिर और पश्चिमी गोदावरी के सुब्बा राजू पटनम ने मिलकर पहली बार इस कैंप में गणेश प्रतिमा स्थापित की थी। तब से हर दिन करीब 5,000 श्रद्धालु दर्शन करने आते हैं। आयोजक सुब्बा राजू के मुताबिक, यह परंपरा कंपनी प्रबंधन और यूएई के उदार नागरिकों के सहयोग से लगातार चल रही है। उन्होंने बताया कि नौ दिनों तक चले उत्सव के बाद अंतिम दिन पूजा के साथ 10,000 से अधिक श्रमिकों को रात्रिभोज कराया गया, जिनमें अलग-अलग देशों और धर्मों के लोग शामिल थे। सुब्बा राजू ने कहा कि यह आयोजन यूएई की सहिष्णुता और समावेशी संस्कृति का जीता-जागता उदाहरण है।

मंत्रियों ने बीसी घोषणा विजय उत्सव की तैयारी बैठक में भाग लिया

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । तेलंगाना के कामारेड्डी जिले में पीसीसी प्रमुख महेश कुमार गौड़ की अध्यक्षता में बीसी घोषणा विजय उत्सव को लेकर एक तैयारी बैठक हुई। बैठक में मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सीतक्का, पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, वाकीति श्रीहरि, सरकारी सलाहकार शब्बीर अली, डीसीसी अध्यक्ष, अन्य प्रमुख नेता भाग लिया। नेता 15 सितंबर को कामारेड्डी में होने वाली बीसी घोषणा विजय समारोह बैठक के लिए स्थल, व्यवस्था और अन्य मुद्दों पर चर्चा की मंत्री पोन्नम प्रभाकर, सीतक्का पोंगुलेटी ने बीसी घोषणा विजय समारोह बैठक के लिए कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण कर रहे किया। इस अवसर पर श्रीनिवास रेड्डी, कोंडा सुरेखा, वाकीति श्रीहरि, सरकारी सलाहकार शब्बीर अली, सांसद सुरेश शेतकर, विधायक और अन्य प्रमुख नेता उपस्थित रहे।

इस अवसर पर मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने कहा कि एक लाख लोगों के साथ पिछड़ा वर्ग विजय घोषणा बैठक आयोजित की जा रही है।

यह बैठक केंद्र सरकार के घुटने टेकने का जवाब होगी। इस बैठक की अध्यक्षता महेश कुमार गौड़ करेंगे, जिन्होंने प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में एक वर्ष पूरा कर लिया है। यह उन विपक्षी दलों के लिए एक चेतावनी है जो पिछड़ा वर्ग सदन के प्रति कांग्रेस सरकार की ईमानदारी पर संदेह करते हैं।

हमें एकजुट होकर पिछड़ी जातियों के लिए आरक्षण हासिल करना चाहिए।

संगारेड्डी में सड़क हादसा, एक की मौत

संगारेड्डी, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार को अंडोले मंडल के संगुपेट में एनएच-161 पर एक तेज रफ्तार कार ने मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में पुलकल मंडल के सिंगूर निवासी नरसिम्हुलु (60) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए जोगीपेट सरकारी अस्पताल भेज दिया है। मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

वारंगल में मूसलधार बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

निचले इलाके जलमग्न, यातायात ठप और घरों-दुकानों में घुसा पानी

वारंगल, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। रविवार सुबह से जारी भारी बारिश ने शहर का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। कई निचले इलाके जलमग्न हो गए हैं और यातायात पर बुरा असर पड़ा है।

घुटनों तक भरे पानी में वाहन चालकों को सड़क पार करने में भारी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। करीमाबाद और डिवीजन 32, 33 व 39 में स्थिति और भी खराब रही, जहां पेद्दावागु का पानी सड़कों और कॉलोनियों में घुस गया। कई घरों में पानी भरने से लोग सुरक्षित इलाकों में जाने को मजबूर हो गए।

टीएसआरटीसी की दो बसें एक रोड अंडर ब्रिज में पानी में फंस गईं, जिन्हें पुलिस ने मौके पर पहुँचकर यात्रियों को सुरक्षित निकाल लिया। हनमकोंडा जंक्शन, अंबेडकर भवन रोड और तिरुमला जंक्शन पर यातायात पूरी तरह ठप हो गया। दुकानदारों ने शिकायत की कि उनकी दुकानों में पानी घुसने से माल खराब हो गया और उन्हें आर्थिक नुकसान झेलना पड़ रहा है।

दक्षिण मध्य रेलवे ने छह टीटीई लॉबी में बायोमेट्रिक साइन-ऑन और साइन-ऑफ सुविधा शुरू की

इसे दक्षिण मध्य रेलवे की सभी 73 टीटीई लॉबियों में लागू किया जाएगा

हैदराबाद, 7 सितंबर (स्वतंत्र वार्ता) । डिजिटलीकरण की दिशा में एक कदम आगे बढ़ते हुए, और टिकट जाँच गतिविधि को और अधिक वास्तविक समय और पारदर्शी बनाने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे ने टिकट जाँच कर्मचारियों के लिए बायोमेट्रिक साइन-ऑन सुविधा शुरू करके एक और कदम आगे बढ़ाया है। शुरुआत में, पूरे जोन में छह यात्रा टिकट परीक्षक (टीटीई) लॉबियों, अर्थात् सिकंदराबाद, काचीगुडा, विजयवाड़ा, गुंतकल, गुंटूर और नांदेड़, को बायोमेट्रिक साइन-ऑन/साइन-ऑफ सुविधा शुरू करने के लिए चिन्हित किया गया है। बाद में, इस प्रणाली को पूरे जोन में मौजूद सभी 73 टीटीई लॉबियों में लागू किया जाएगा। पहले, टिकट जाँच कर्मचारियों की साइन-ऑन/साइन-ऑफ गतिविधि यूज़रनेम और पासवर्ड का उपयोग करके की जाती थी। अब, टिकट जाँच कर्मचारियों की लॉगिन प्रणाली को सुव्यवस्थित करने के लिए, टीटीई लॉबी में आधार आधारित बायोमेट्रिक साइन-ऑन/साइन-ऑफ गतिविधि शुरू की गई है। सी-डैक पोर्टल के साथ विधिवत एकीकरण करके टीटीई लॉबी एप्लिकेशन में फ़िंगरप्रिंट डिवाइस को सक्षम किया गया है। इससे टिकट जाँच कर्मचारियों की उनके स्रोत स्टेशन और गंतव्य स्टेशन पर भौतिक उपस्थिति सुनिश्चित होगी। टिकट जाँच कर्मचारियों के लॉगिन/लॉगआउट समय को वास्तविक समय के आधार पर रिकॉर्ड किया जा सकेगा। संजय कुमार श्रीवास्तव, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे ने जोन में इस तकनीकी प्रगति को लागू करने के लिए वाणिज्यिक कर्मचारियों की सराहना की है। उन्होंने कहा कि दक्षिण मध्य रेलवे डिजिटल तकनीकों को लागू करने में हमेशा अग्रणी रहा है और यह बायोमेट्रिक साइन-ऑन और साइन-ऑफ प्रणाली ऐसी ही एक और डिजिटल पहल है और इससे प्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित होगी।

हैदराबाद से मुंबई ले जाए गए मेफेड्रोन रैकेट के आरोपी

जब्त की गई सामग्री करीब 12,000 करोड़ की

हैदराबाद, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। चेरलापल्ली में पकड़े गए मेफेड्रोन निर्माण रैकेट के दो मुख्य आरोपियों को शनिवार को कुशाईगुडा की स्थानीय अदालत में पेश करने के बाद ट्रांजिट वारंट पर मुंबई ले जाया गया। गिरफ्तार आरोपियों में वाग्देवी लैबोरेटरीज प्राइवेट लिमिटेड के मालिक श्रीनिवास विजय वोलेटी और केमिकल एनालिस्ट तानाजी शामिल हैं। इन्हें सोमवार को अदालत में पेश किया जाएगा, जहां पुलिस उनकी हिरासत की मांग करेगी।

पुलिस जांच में सामने आया है कि दोनों आरोपी पिछले एक साल से मुंबई के एक विशेष गिरोह को मेफेड्रोन की आपूर्ति कर रहे थे। छापे के दौरान पुलिस ने 5.79 किलोग्राम एमडी (मेफेड्रोन), 35,500 लीटर रासायनिक घोल, 950 किलो पाउडर, दवा बनाने के उपकरण और अन्य सामग्री बरामद की।

अनुमान है कि जब्त की गई सामग्री से करीब 12,000 करोड़ रुपये की ड्रग्स तैयार की जा सकती थी।

अब तक इस केस में कुल 12 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस ने 5.968 किलोग्राम एमडी, 27 मोबाइल फोन, तीन चारपहिया वाहन, एक दोपहिया वाहन, चार इलेक्ट्रॉनिक तराजू और कच्चा माल जब्त किया है। गौरतलब है कि 8 अगस्त 2025 को इस मामले की शुरुआत तब हुई जब अधिकारियों ने मीरा रोड पूर्व से बांग्लादेशी नागरिक फातिमा मुराद शेख उर्फ मोल्ला (23) को 105 ग्राम एमडी के साथ पकड़ा। इसके बाद जांच में नौ और लोग गिरफ्तार हुए, जिनके पास से 178 ग्राम एमडी, 23.97 लाख रुपये नकद और कीमती सामान मिला। पूछताछ में पता चला कि ड्रग्स तेलंगाना से मंगाई जाती थी और पिछले कुछ वर्षों में मुंबई के बाजार में सैकड़ों किलो मेफेड्रोन की सप्लाई की गई।

ऑटो चालक की ईमानदारी की मिसाल

निर्मल, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राचापुर गांव के एक ऑटो-रिक्शा चालक साई कुमार ने ईमानदारी की मिसाल पेश करते हुए 16 तोले वजन की सोने की चेन वाला हैंडबैग उसकी मालिकन सुजाता को लौटा दिया।

रविवार को सड़क पर गिरा यह बैग मिलने पर साई कुमार ने सोशल मीडिया पर खबर देखकर तुरंत संपर्क किया और बैग वापस कर दिया। बताया जा रहा है कि चेन की कीमत करीब 16 लाख रुपये है। बैग मिल जाने पर सुजाता ने राहत की सांस ली और ऑटो चालक की ईमानदारी की सराहना की।

सोशल मीडिया पर भी नेटिज़न्स ने साई कुमार के इस कदम को कठिन समय में सच्चाई और भरोसे का दुर्लभ उदाहरण बताया।

केटीआर ने सफाई कर्मचारी की आत्महत्या को बताया राजकीय हत्या

मुख्यमंत्री और मंत्री पर लगाया वादाखिलाफी का आरोप, परिवार को मुआवजा देने की मांग

हैदराबाद, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने मुलुगु नगर पालिका के सफाई कर्मचारी महेश की आत्महत्या को लेकर मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी और मंत्री डी. अनसूया (सीताक्का) को जिम्मेदार ठहराया है। बताया जा रहा है कि महेश ने पांच महीने से वेतन न मिलने के कारण जान दी।

केटीआर ने इसे राजकीय हत्या करार देते हुए कहा कि यह घटना कांग्रेस सरकार की उस चुनावी वादे की पोल खोलती है, जिसमें हर महीने की पहली तारीख को सरकारी कर्मचारियों को वेतन देने का आश्वासन दिया गया था। उन्होंने सवाल उठाया कि जब महीनों तक वेतन बकाया रहेगा तो गरीब कर्मचारी अपना गुज़ारा कैसे करेंगे।

उन्होंने मांग की कि महेश के परिवार को 50 लाख रुपये की अनुग्रह राशि दी जाए और उनकी पत्नी को सरकारी नौकरी मिले। साथ ही चेतावनी दी कि जब तक पीड़ित परिवार को न्याय नहीं मिलता, बीआरएस आंदोलन तेज करेगा।

सड़क हादसे में सफाई कर्मचारी की मौत

हैदराबाद, 7 सितम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद म्युनिसिपल कॉरपोरेशन (जीएचएमसी) की एक संविदा सफाई कर्मचारी की रविवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसे में मौत हो गई।

जानकारी के अनुसार, महिला बशीरबाग इलाके में सड़क पर झाड़ू लगा रही थी, तभी अचानक एक टस्कर वाहन ने उसे कुचल दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुँची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए मोर्चरी भेज दिया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.